शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कांग्रेस के कुशासन को खत्म करने के लिए अश्वमेधयाग है: कुमारस्वामी @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 06 अगस्त, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।❊। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-218

पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने बिगाड़े बांग्लादेश के हालात

सेना ने किया तख्तापलट, शेख हसीना ने इस्तीफा दिया

- शेख हसीना और उनकी बहन शेख रिहाना ने देश छोड़ा
- बांग्लादेश की सेना बनाएगी अंतरिम सरकार : सेना चीफ
- म्यांमार की तरह बांग्लादेश भी फंसा चीन के चंगुल में

ढाका, 05 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश सेना ने आंदोलन और प्रदर्शनों के बहाने बड़ी बुद्धिमानी से बांग्लादेश का तख्ता पलट दिया है। सेना ने सत्ता संभाल ली है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने देश छोड़ दिया है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई पोषित कट्टरपंथी इस्लामिक तत्वों ने प्रधानमंत्री आवास में घुस कर भीषण अराजकता मचाई है। बांग्लादेश में हुई इस घटना में सीधे तौर पर पाकिस्तान और चीन का हाथ है। भारत समेत कई देश बांग्लादेश की स्थितियों पर नजर रख रहे हैं।

बांग्लादेश में आरक्षण विरोध से शुरू हुए प्रदर्शनों में कट्टर इस्लामिक तत्वों और पाकिस्तान खुफिया एजेंसी आईएसआई के एजेंटों के सीधे कूद पड़ने से बांग्लादेश की स्थितियां बद से बदतर होती चली गईं। जबकि सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण विरोधियों के पक्ष में अपना ऐतिहासिक फैसला भी सुनाया। लेकिन तब तक आंदोलन पूरी तरह छात्रों के हाथ से निकल कर कट्टरपंथी अराजक तत्वों के हाथ में जा चुका। इसके बाद हिंसा और तांडव ने रुकने का नाम नहीं लिया। आखिरकार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपना देश छोड़ना पड़ा। उन्होंने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है।

शेख हसीना हेलीकॉप्टर से पहले त्रिपुरा पहुंची और वहां से विमान द्वारा दिल्ली आईं। दिल्ली से उनके लंदन जाने के बारे में बताया जा रहा है। लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफे की आधिकारिक पुष्टि बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमान ने मीडिया के समक्ष की। उन्होंने बाकायदा प्रेस कॉन्फ्रेंस बुला कर कहा कि शेख हसीना के बाद अब सेना मुल्क में अंतरिम सरकार बनाएगी। इस संबंध में सेना ने देश की प्रमुख पार्टियों के साथ मिलकर बैठक की है।

अब 18 सदस्यीय अंतरिम सरकार प्रस्तावित की गई है। यह सरकार सेना बनाएगी। सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमान ने कहा कि जो हत्या हुई उस पर न्याय होगा। हमने सभी दलों से बात की। हमारे बीच एक अच्छी बातचीत हुई है। ▶10पर

पीएम मोदी ने बुलाई शीर्ष बैठक, शेख हसीना फिलहाल भारत में रहेंगी

नई दिल्ली, 05 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में उथल-पुथल के बीच दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा मसले कैबिनेट समिति की बैठक हुई। बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने प्रधानमंत्री मोदी के पड़ोसी देश के हालात पर जानकारी दी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी बहन अभी फिलहाल भारत में ही रहेंगी। भारत पहुंचने पर देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात की। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल शेख हसीना के आने से पहले ही एयरबेस पर पहुंच गए थे। लगभग दो घंटे एयरफोर्स स्टेशन पर रहे। उन्होंने एयरबेस पर शेख हसीना को रिसीव किया और उनसे बात की। इस दौरान उनके साथ वरिष्ठ सैन्य अधिकारी भी हिंडन एयरबेस पर मौजूद थे। भारतीय वायुसेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियां उन्हें सुरक्षा मुहैया करा रही है। शेख हसीना को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया है।

पीएम आवास में घुसे कट्टरपंथी, गद्दारी का 1975-कांड ताजा

ढाका, 05 अगस्त (एजेंसियां)। शेख हसीना के प्रधानमंत्री आवास छोड़ने की सूचना मिलते ही इस्लामी कट्टरपंथी प्रधानमंत्री आवास में घुस गए। प्रधानमंत्री आवास में घुसते ही अराजक तत्वों ने खाना शुरू कर दिया। भुक्खड़ों की तरह खाना नोचते हुए के दृश्य वीडियो के जरिए दुनियाभर में वायरल हो रहे हैं। प्रधानमंत्री शेख हसीना प्रधानमंत्री आवास गण-भवन छोड़ कर चली गईं। शेख हसीना के साथ उनकी बहन शेख रिहाना भी चली गई हैं। कट्टरपंथियों ने बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान की प्रतिमा भी तोड़ डाली। बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग पर कट्टरपंथियों ने पूरे देश को आग में झोंक डाला था। ▶10पर

वापस मिल रहा निवेश घोटालों में फंसा जनता का पैसा

जनता के पास पहुंचने लगा घोटालेबाजों का पैसा

सहारा निवेशकों के 374 करोड़ रुपए वापस किए गए

रोज वैली निवेश घोटाले में फंसा पैसा भी वापस होगा

नई दिल्ली, 05 अगस्त (एजेंसियां)। भारत सरकार ने रोज वैली और सहारा निवेश घोटाले के भुक्तभोगियों को उनका पैसा लौटाने का काम शुरू कर दिया है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव से पहले ऐलान किया था कि सरकार गरीबों से फर्जीवाड़े द्वारा लिया गया पैसा वापस करेगी। यह पैसा घोटालेबाजों की जब्त सम्पति से लौटाया जाएगा। अब इस दिशा में काम चालू हो गया है। मोदी सरकार ने रोज वैली और सहारा घोटाला का पैसा पीड़ितों को लौटाना चालू कर दिया है।

प्रधानमंत्री के वादे के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पश्चिम बंगाल के रोज वैली घोटाले के 12 करोड़ पीड़ितों को पैसे लौटाएगा। इस संबंध में कोलकाता के एक कोर्ट ने 24 जुलाई 2024 को ईडी को आदेश दिया है। ईडी ने रोज वैली ग्रुप की 12 करोड़ की 14 फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) जब्त की थीं। कोर्ट के आदेशानुसार अब उन्हें एक कमेटी को हस्तांतरित कर दिया जाएगा। कमेटी वह पैसा उन लोगों को लौटाएगी जो इस घोटाले का शिकार हुए हैं। इसके लिए उन लोगों से आवेदन लिए जाएंगे जिनका पैसा इसमें डूबा है। ईडी का यह कदम पीएम मोदी की पहल के बाद हुआ है।

पीएम मोदी ने मई 2024 में एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि वह उन गरीबों को पैसा लौटाने के लिए कानूनी रास्ता देख रहे हैं। उन्होंने कहा था कि यह पैसा वही होगा जो लूटने वालों ने इकट्ठा किया है और एजेंसियों ने उसे इकट्ठा किया है। ईडी ने इसके लिए पीएमएलए कानून का ही सहारा लिया है। ▶10पर

भारत सरकार का एक और महत्वपूर्ण फैसला

चीन से जुड़ी 400 कंपनियों पर 'सर्जिकल-स्ट्राइक'

अवैध रूप से चीन भेजा जा रहा था भारत का पैसा

3 महीने में चीनी कंपनियों पर लग जाएगा ताला

नई दिल्ली, 05 अगस्त (एजेंसियां)। भारत से पैसों की उगाही कर चीन भेजने के मामले में सरकार सख्त कदम उठा रही है। भारत सरकार अगले 3 माह में सिस्टमैटिक तरीके से 400 चीनी कंपनियों पर ताला लगाने वाली है। इन कंपनियों पर भारत में अवैध तरीके से काम करने, मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप हैं। ऐसी कंपनियां देश के 17 राज्यों में हैं, जो ऑनलाइन लोन, जॉब पोर्टल की शक्ल में काम कर रही हैं और भारतीय पैसों को अवैध तरीके से चीन भेज रही हैं। इन कंपनियों में डायरेक्टर तो भारतीय हैं, लेकिन पैसे चीनी कंपनियों के लगे हुए हैं। कुछ कंपनियों में पैसों का डायवर्जन किया गया है, इसका मतलब है कि फंडिंग उन्होंने किसी और काम को दिखाकर लिया है, लेकिन मार्केट में काम कुछ और कर रही हैं।

मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के मुताबिक, कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने मोबाइल स्क्रीन और बैटरी बनाने वाले लगभग 40 चीनी कंपनियों के खिलाफ भी जांच शुरू की है। लगभग 600 चीनी कंपनियां जांच के दायरे में आई थीं। इनमें से 300 से लेकर 400 कंपनियों का कामकाज संदिग्ध पाया गया है। इन पर कार्रवाई होना लगभग निश्चित हो चुका है। इनमें लोन एप और ऑनलाइन जॉब ऑफर करने वाली कंपनियां भी शामिल हैं। कुछ कंपनियों में एक भारतीय डायरेक्टर होता है, लेकिन उनका बैंक अकाउंट चीन में होता है और कोई लेनदेन दर्ज नहीं होता है। कुछ मामलों में, कंपनियां अपने पंजीकृत कार्यालयों पर उपलब्ध नहीं होती हैं। कुछ अन्य मामलों में, निवेश तो है, लेकिन वे अन्य व्यवसायों में लगे हुए हैं, जिससे वित्तीय धोखाधड़ी का संकेत मिलता है। ▶10पर

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने की घोषणा

लैंड और लव जेहाद के खिलाफ बनेगा कानून

"जेहादियों को मिलेगी उम्रकैद

गुवाहाटी, 05 अगस्त (एजेंसियां)। असम सरकार जमीन जेहाद और लव जेहाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई कर रही है। लव जेहाद और लैंड जेहाद को रोकने के लिए हिमंत सरकार दो कानून ला रही है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने बताया कि लैंड जेहाद और लव जेहाद पर अंकुश लगाने के लिए असम सरकार दो कानून ला रही है। इसके तहत अगर कोई मुस्लिम हिंदू की संपत्ति खरीदना चाहता है या कोई हिंदू मुस्लिम की संपत्ति खरीदना चाहता है, तो उसे सरकारी अनुमति लेनी होगी। वहीं लव जेहाद करने वालों को उम्रकैद की सजा दी जाएगी। हिमंत बिस्व सरमा की इस घोषणा से जहां कट्टरपंथी और कट्टरपंथी संगठन परेशान हो गए हैं वहीं आम जनता ने सोशल मीडिया पर सीएम हिमंत बिस्व सरमा को इसके लिए बधाई दी है। लोगों ने कहा कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ऑन द स्पॉट फैसला लेते हैं। विवादित मसलों को हल करने में तनिक भी देर नहीं करते हैं। ▶10पर

उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने की घोषणा

नौ नवंबर से पहले लागू हो जाएगा यूसीसी

तेजी से चल रहा समीक्षा का काम

देहरादून, 05 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य स्थापना दिवस 9 नवंबर से पहले उत्तराखंड में समान नागरिक कानून (यूसीसी) लागू हो जाएगा। सीएम धामी ने कहा कि यूसीसी को लेकर पूर्व मुख्य सचिव शत्रुघ्न सिंह की अध्यक्षता में कमेटी विभिन्न विभागों की समीक्षा का कार्य कर रही है। इसकी वह खुद भी निगरानी कर रहे हैं।

केदारनाथ में रास्ते बह जाने के सवाल पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि केदारनाथ के रास्ते में और केदार नगरी में करीब बारह हजार तीर्थ यात्री फंसे हुए थे, जिन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाकर उनके गंतव्य स्थानों पर भेज दिया गया है। अब हम रास्ता दुरुस्त करने का काम कर रहे हैं, जिसके लिए केंद्रीय एजेंसियों का और सेना का भी सहयोग मिल रहा है। हम अगले एक सप्ताह में केदारनाथ के लिए रास्ता फिर से खोल देंगे।

विकास में पर्यावरण बाधक न बने, इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में लोग हरेला पर्व प्रकृति पूजन के लिए मनाते हैं। हम पेड़ लगाते हैं, इस साल हरेला के दिन एक करोड़ पेड़ लगाए गए। मैंने मां के नाम से और मेरी मां ने अपनी मां के नाम से पेड़ लगाकर पीएम मोदी के आह्वान को पूर्ण किया। उत्तराखंड के नगरों में तीर्थ यात्रियों और पर्यटकों की बढ़ती भीड़ को कैसे संभाला जाएगा इस सवाल के जवाब में सीएम धामी ने कहा कि हम ऐसे पर्यटन स्थलों का, तीर्थ स्थलों का सर्वे करके अगले 25 सालों के लिए ▶10पर

अनुच्छेद-370 से जम्मू-कश्मीर की मुक्ति के पांच साल पूरे

चौतरफा विकास से पूरा हो रहा घाटी का घाटा

05 अगस्त। पांच वर्षों में इस तारीख ने दो बार बड़ी सुर्खियां बटोरीं। सबसे पहले 05 अगस्त 2019 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूसरे कार्यकाल में जम्मू-कश्मीर को अनुच्छेद 370 और 35-ए से शिकंजे से मुक्ति मिली। उसके ठीक एक साल बाद 05 अगस्त 2020 को अयोध्या में श्रीराम मंदिर का शिलान्यास हुआ। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 व 35-ए की समाप्ति के पांच साल आज पूरे हुए। भारतीय लोकतंत्र में पांच साल का महत्व है, क्योंकि इस अवधि में एक निर्वाचित सरकार अपना एक कार्यकाल पूरा कर लेती है। जम्मू कश्मीर के लोग बदलाव से खुश हैं, लेकिन उन्हें भी चुनाव की प्रतीक्षा है ताकि उनका प्रदेश केंद्र शासित होने के बजाय राज्य शासित हो सके, उन्हें राज्य का दर्जा वापस मिल सके।

अनुच्छेद-370 से मुक्ति के बाद इस राज्य ने भरपूर तरक्की की रफ्तार पाई है। पंजाब से जम्मू-कश्मीर की ओर बढ़िए तो दिल्ली-अमृतसर-कटड़ा एक्सप्रेस-वे के जरिए जम्मू पहुंचने से पहले ही आपको बदलावों की झांकी दिखनी शुरू हो जाएगी। ▶10पर

फिर गुलजार हो रही जन्नत

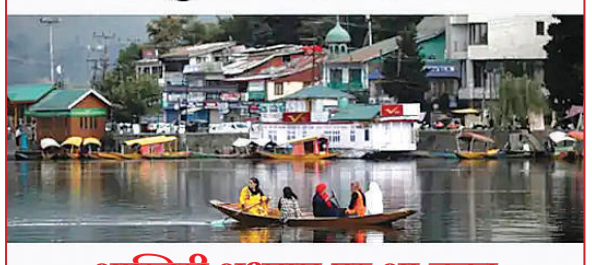

आखिरी अध्याय पर आ चुका आतंकवाद, आखिरी बार फड़फड़ा रहा

लद्दाख का गुस्सा जायज, उन्हें मिलना चाहिए पूर्ण राज्य का दर्जा

शुभ-लाभ सरोकार

हम जम्मू कश्मीर और लद्दाख के विकास पर दृढ़ हैं: मोदी

नई दिल्ली, 05 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म किए जाने के पांच वर्ष पूर्ण होने के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों को विश्वास दिलाया कि केंद्र सरकार उनके लिए काम करती रहेगी और आने वाले समय में उनकी आकांक्षाओं को पूरा करेगी। पीएम मोदी ने कहा कि यह देश के इतिहास में एक बहुत ही जरूरी फैसला था। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, आज हम आर्टिकल-370 और 35-ए को निरस्त करने के संसद के फैसले के पांच साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। यह हमारे देश के इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण था। यह जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विकास और समृद्धि के नए युग की शुरुआत थी। इसका मतलब था कि भारत के संविधान को यहां से सही अर्थों में ▶10पर

केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने किया ऐलान

जम्मू-कश्मीर में सितंबर में होगा विधानसभा चुनाव

नई दिल्ली, 05 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर में अगले महीने यानी सितंबर में विधानसभा चुनाव होंगे। जम्मू कश्मीर के चुनाव प्रभारी केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने आज यह बात कही। रेड्डी जम्मू के बाना सिंह स्टेडियम में अनुच्छेद-370 निरस्त होने की पांचवीं वर्षगांठ पर पार्टी द्वारा आयोजित एकात्म महोत्सव रैली को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि राज्य में विधानसभा चुनाव सितंबर में होंगे।

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने जम्मू कश्मीर के लोगों से आग्रह किया कि प्रदेश में विकास कार्यों की गति बनाए रखने और आतंकवाद के खत्मे के लिए वे भाजपा को वोट दें। उल्लेखनीय है कि पांच साल पूर्व आज ही के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने धारा 370 रद्द कर दी थी। इससे जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई की गतिविधियों पर काफी हद तक लगाम लगी है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सिंधारा उत्सव में संगीतमय मंगलपाठ पर झूमे भक्तगण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दादी धाम प्रचार समिति के तत्वावधान में बन्नरघट्टा रोड स्थित कल्याणी कल्याण मंडप में हरियाली अमावस्या के अवसर पर बिष्णु, संजय, रमा नोपानी परिवार द्वारा रविवार को राणी सति दादी के सिंधारा का भक्तिमय मंगलपाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नोपानी परिवार व समिति के अध्यक्ष शिवकुमार टेकड़ीवाल ने परिवार सहित दादी का पूजन किया व अखंड ज्योत प्रज्वलित किया। उपस्थित भक्तों ने राणी सति दादी के जयकारों से पूरे सभागार को गुंजायमान कर दिया। तत्पश्चात सूरत से पधारी गायिका सुरभि बिरजुका ने गणेश वंदना से कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए संगीतमय मंगलपाठ का वाचन किया। जिस पर उपस्थित भक्तों ने झूम झूम कर भक्ति का आनंद लिया। तत्पश्चात भजनों की प्रस्तुति पर तम्बोला खिलाकर भक्तों को उपहार भेंट किये गए। नोपानी परिवार द्वारा सुरभि बिरजुका का सम्मान किया गया। दादी धाम प्रचार समिति द्वारा संजय रमा नोपानी परिवार का सुंदर आयोजन के लिए सम्मान किया। प्रातः से ही भक्तों ने कतारबद्ध होकर दादी के भव्य दरबार में दर्शन किये। इस अवसर पर सचिव संजय चौधरी, महेश अग्रवाल, विनोद माखरिया, गंगाधर मोर, चन्द्र प्रकाश रामसिसरिया, सुभाष अग्रवाल, प्रकाश चौधरी, जया चौधरी, रचना डालमिया सहित कई सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं के गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर लाभ लिया।

पैसठिया छंद की साधना महत्वपूर्ण एवं मंगलकारी: मुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्व-ावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में रुपेशमुनि ने गुरु आनंद जन्मोत्सव के अवसर पर पैसठिया छंद जाप का 27 बार उच्चारण करवाया। उसके पश्चात रुपेशमुनि ने कहा कि तीर्थंकर परमात्मा के ध्यान करने से अनंत कर्मों की निर्जरा होती है। पैंसठिया छन्द स्मरण से ग्रहशांति, विघ्नहरण, प्रतिष्ठा प्राप्ति आदि सर्व मनोरथ पूर्ण होते हैं। लौकिक कामनाओं के साथ साथ आध्यात्मिक सुख व शांति की प्राप्ति होती है। तीर्थंकर भगवान के नाम स्मरण से शुभ पुण्यों का उपार्जन होता है। पैंसठिया यंत्र की साधना बहुत महत्वपूर्ण होती है। तीर्थंकर प्रभु की यह स्तुती पूर्ण श्रद्धा व विश्वास के साथ करनी चाहिए, पैसठिया यंत्र के छंद का पाठ नित्य ही नियम पूर्वक करना चाहिए। यह पाठ दुःखों को दूर करने वाला और मान सम्मान को बढ़ाने वाला है। आचार्य धर्मसिंह द्वारा पैंसठिया छंद की रचना हुई। इस छंद में चौबीस तीर्थंकरों की स्तुति है। रुपेशमुनि ने गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। इस अवसर पर जैन यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट प्रोफेसर अच्युतकांत जैन ने जैन फिलोसफी के बारे में जानकारी देते हुए सभी को जैन दर्शन जानने हेतु कार्यशाला से जुड़ने का आग्रह किया। संघ की ओर से उनका अभिनंदन किया गया। गुरु आनंदऋषि के 124वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में लगभग 125 लोगों ने आयंबिल तप किया। अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने आभार व्यक्त किया।

श्री विजयशांतिसूरि मंदिर ट्रस्ट की बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चामराजपेट स्थित सुराना मेन्शन में रविवार को योगीराज श्री विजयशांतिसूरि मंदिर ट्रस्ट की बैठक आयोजित की गई। ताराचंद राठौड़ की अध्यक्षता में मंगलाचरण से प्रारंभ हुई बैठक में कोषाध्यक्ष द्वारा गत साल का आय व्यय का ब्योरा प्रस्तुति किया गया। आगामी तीन साल के लिए समिति की रचना हुई, जिसमें ताराचंद राठौड़ को चेयरमैन, सुरेश वेद मुथा को अध्यक्ष, ललित चोरडिया रायपुर, विनोद मुणोत बेंगलूरु एवं गौतमचंद वैद चेन्नई को उपाध्यक्ष बनाया गया। महासचिव पद पर डॉ.विजय कुमार सुराना एवं सहसचिव मंगलचंद नाहर सकलेशपुर मनोनीत हुए। चेतन प्रकाश झारमुथा कोषाध्यक्ष एवं महावीर चंद चुत्तर सह कोषाध्यक्ष बने। कार्यकारी समिति में भरत कोठारी मांड्या, मनसुख गांधी हैदराबाद, दीपक कटारिया मुंबई, चम्पालाल सनगोतरा बेंगलूरु एवं कमलेश सुराना बेंगलूरु का चयन हुआ।

निकट पूर्व अध्यक्ष अशोक कुमार मेहता पांडवपुर, अशोक कुमार सुराना बेंगलूरु, गौतमचंद गुगलिया हैदराबाद एवं रमेशकुमार परमार सलाहकार के रूप में सेवा प्रदान करेंगे। महत्वपूर्ण निर्णय में अरसीकेरे के मांगीलाल मेहता को मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष एवं भरत सिंघवी गुलबर्गा तथा रमेशकुमार कटारिया अरसीकेरे सदस्य चुने गए।

मन की भूमिका को शुद्ध किये बिना धर्म की साधना नहीं हो सकती

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में विराजित साध्वी श्री धर्मप्रभा जी ने कहा कि मन बहुत चंचल हैं। मन की भूमिका को शुद्ध किये बिना धर्म की साधना नहीं हो सकती है। जो मनुष्य अपने सन को न जीतकर स्वयं उसके वश में हो जाता है, वो माने सारे संसार की अधीनता को स्वीकार कर लेता हैं। शरीर के रोगों की तो गणना भी हो सकती है और इलाज भी किन्तु मन के रोगों की ना तो गणना होती है और नाही इलाज। चाहे कोई विविध शास्त्रों में पारंगत ही क्यों ना हो जाए किन्तु जब तक मानव मनोनिग्रह में प्रवीण नहीं हो जाता, तब तक किसी अच्छे परिणाम की आशा व्यर्थ है। दान पूजा, तप, तीर्थ और श्रुत सेवा उस व्यक्ति के लिए सभी व्यर्थ है, जिसका मन शुद्ध व पाक नहीं हैं। मन के विषम भावों के कारण ही हमारी

आत्मा अनन्तकाल से संसार में भटक रही हैं। हमारी तमाम कोशिशों के वावजूद भी जीवन की क्षणभंगुरता अटल है। हमें यह भी देखना होगा कि इतने अनमोल मानव भव को पाकर भी कहीं हम इस मन के वशीभूत होकर अपने सारे जीवन को अपने शरीर को सजाने संवारने में ही तो व्यतीत नहीं कर रहे हैं। मन से दुर्बल-कमजोर बनकर मानव इस नश्वर संसार के कार्यों में इतना उलझ जाता है कि वो आत्मा के लिये हितकारी कार्यों को भुला ही बैठता है। हमें आत्म चिंतन, आत्ममनन व आत्म निरीक्षण करना चाहिए कि क्या हमने इस जीवन के सही प्रयोग व उपयोग की विधि जानी भी है या नहीं। साध्वी ने श्री पैंसठिया छन्द जाप सिद्ध साधना अनुष्ठान में भाग लेने वाले एवं सभी तप आराधकों के तप की मंगल अनुमोदना करते हुए सभी पुण्यशालियों, लाभार्थियों, सेवा देने वालों के प्रति साधुवाद प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन सुरेशकुमार धोका ने किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु सेंटर के तत्वावधान में रविवार को लाभार्थी गौतम, आकाश दक की ओर से हरियाली अमावस्या एवं उमंग 2024 के निमित्त सिटी मार्केट के पास 19 महाप्रसादी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 500 लोगों ने प्रसादी का लाभ लिया। इस अवसर पर लाभार्थी परिवार के साथ वीर रमेश दक, वीर आकाश दक, वीर अक्षय दक, वीर आशीक पीरगल, वीर आशीष बाफना आदि ने अपना सहयोग दिया। महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु की चेयरपर्सन वीरा भारती छाजेड़ तलेसरा ने सभी लाभार्थियों तथा सेवाभावी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

स्व की हानि होने पर भी परनिंदा से बचें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी स्वर्णांजना श्री जी ने अपने प्रवचन में कहा कि स्व की हानि होने पर भी हमें पर के दोषों का बखान नहीं करना चाहिए।

मन के अन्तर्द्वन्द युद्ध को हमें समाप्त करना है और किसी की भी निन्दा से हमें बचना है। जिसके चित्त में धर्म का वास हो जाता है उनको देवता भी नमन करते हैं। जो आप्त पुरुष होते हैं उन्हें समाधि में ही सुख मिलता है, वो दूसरों को भी समाधि में सहयोग प्रदान करते हैं। नकारात्मक टिप्पणियों पर ध्यान न दें, यदि कोई आपकी आलोचना कर रहा है, तो उस पर ध्यान न दें और उसे महत्व न देते हुए अपने मन में सकारात्मक विचार रखें और नकारात्मकता से बचें। आत्म-चिंतन करें और अपने विचारों और क्रियाओं को सुधारते हुए नकारात्मक लोगों से दूर रहें जो आपको नकारात्मकता प्रदान कर सकते हैं। परमात्मा की इन बातों को अपनाकर हम परनिंदा से बच सकते हैं और अपने जीवन में सकारात्मकता बनाए रख सकते हैं।

आचार्य श्री आनंद सागर की 150वीं जन्म जयंती मनाई

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्वनाथ जैन मंदिर के भवन में चातुर्मासार्थ विराजित आगमरत्न सागरजी, प्रशमरत्न सागरजी, वज्ररत्न सागरजी के पावन सानिध्य में आचार्य श्री आनंद सागर सुरिश्वरजी की 150वीं जन्म जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई। जिसमें संगीतकार राजेश जैन ग्रुप मुंबई ने गीत गाकर लोगों को आनंद से सराबोर कर दिया। पार्श्वलब्धि धार्मिक पाठशाला के बच्चों ने 15 भाषाओं में आचार्य श्री आनंद सागर सुरिश्वर का गुणानुवाद किया। मुनि प्रशमरत्न सागरजी ने आचार्य आनंद सागर सुरिश्वर के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए उन्हें विद्वान व संयमी

संत बताया। उनके गुणों को याद करते हुए कहा

उन्होंने अपने जीवन में लंबी यात्राएं की और कठोर संयम का पालन करते थे। वज्ररत्न सागरजी ने आचार्य श्री का स्मरण करते हुए कहा उनके जीवन में सेवा और स्वाध्याय सर्वोपरि था। संघ की ओर से कंचन ओसवाल ने आचार्य श्री पर एक गीतिका प्रस्तुत कर लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया। संघ के ट्रस्टी निर्भयलाल हुंडिया ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन राजेश श्रीश्रीमाल ने किया। इस अवसर पर मूर्तिपूजक संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने आभार ज्ञापित किया।

आत्मा के शत्रुओं पर विजय पाएं: राजेशमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शांतिनगर में लुणावत स्थानक भवन में दैनिक प्रवचन में राजेश मुनि ने इंद्रियों की गुलामी के प्रति सावधान किया। उन्होंने कहा कि जो जीव इंद्रियों का गुलाम बनता है वह अपना जीवन नष्ट कर लेता है। मुनि ने फरमाया कि हाथी, भंवरा, हिरण आदि इंद्रियों की गुलामी के कारण ही मृत्यु को प्राप्त होते हैं। इस लिए ज्ञानियों ने इंद्रियों को जीतने पर जोर दिया है, जिसने इंद्रियों को जीत लिया उसे मन पर विजय पाना बहुत आसान हो जाता है। वीर वही है जिसने इंद्रियों को जीत लिया। इंद्रियां हमें कषायों की ओर ले जाती हैं और हम कर्म बंधन को मजबूत कर लेते हैं। जिसने मन और इंद्रियों को जीत लिया वह सहज ही कषाय से मुक्त हो जाता है। मन और इंद्रियों को जीत लेने वाला निडर हो जाता है क्योंकि संसार में वास्तविक शत्रु तो वे हैं जो हमारी आत्मा के शत्रु हैं। हमें आत्मा के शत्रुओं से डरना है और उनको परास्त करना है। इसका सर्वश्रेष्ठ उपाय जिनवाणी है जिसने जिनवाणी की गंगा में स्नान करना सीख लिया, वह निडर हो जाता है और संसार के कषायों से मुक्त हो जाता है। मुनि ने फरमाया कि इंद्रियां भ्रमण करने निकलती हैं। उस वक्त हमें बहुत सावधान, बहुत सचेत, बहुत जागरूक रहने की जरूरत है। यदि हम क्षणिक सुखों में फंस गए तो फिर हमारी आत्मा का कल्याण नहीं हो सकता। इस मौके पर ऋषभमुनि का भी सान्निध्य रहा। धर्मसभा का संचालन संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

श्रावण मास में भक्ति रस की धारा बही

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रेरणा लोक मंच के तत्वावधान में रविवार को एक भक्ति संध्या का आयोजन गूगल मीट पर किया गया। सर्वप्रथम वीणा मेदनी ने भक्ति संध्या का मंत्र उच्चारण द्वारा शिव परिवार का आह्वान किया। इसके पश्चात महादेव शिव शंकर के समक्ष फिल्म केदारनाथ की वंदना नमो नमो हे शंकरा को प्रस्तुत किया। गूगल बैठक के स्क्रीन पर हर्षा गुप्ता ने शिव परिवार एवं शिव जी का पूजा किया हुआ फोटो दर्शाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार अंजनी कुमार तिवारी सुधाकर ने की। जबकि बतौर मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार एवं वक्ता धन्यकुमार जिनपाल विराजदार मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरुआत मेदनी के सरस्वती श्लोक एवं भरत व्यास की प्रसिद्ध प्रार्थना ऐ मालिक तेरे बंदे हम से हुआ। इसके पश्चात क्रमानुसार भजन संध्या में कविता प्रभा, गीता चौबे गूंज, प्रोफेसर लता चौहान, मधु दायमा, पुष्पा पांडे, मंजू बंसल, डॉक्टर वत्सला, अंजनी कुमार तिवारी सुधाकर, धन्य कुमार जिनपाल विराजदार, अनीता सोनी, एडवोकेट अंजू भारती, शशि रंजन एवं वीणा मेदनी ने भक्तिमय भजन प्रस्तुत किया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि धन्य कुमार ने साहित्य के इस भक्ति रस से सराबोर कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि आज जहां हालात बिगड़े हुए हैं, वहीं साहित्य आध्यात्मिकता के जरिए आत्मबोध करा रहा है। मन का शुद्धिकरण हो रहा है। ज्ञानवर्धक एवं सुंदर संदेश रहा है। अध्यक्षीय उद्बोधन में अंजनी कुमार सुधाकर ने श्रावण मास के महत्व को बताते हुए समीक्षात्मक उद्बोधन प्रस्तुत किया।

जीवन को सौंदर्यवान बनाएं: साध्वी विपुलदर्शना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ श्रीरामपुरम में राष्ट्र संत आचार्य आनंदऋषि के 124वें जन्म दिवस के अवसर पर गतिमान सप्त दिवसीय कार्यक्रमों के अंतिम दिन आयंबिल तप का आयोजन किया गया। साध्वी विपुलदर्शना ने धर्मसभा में कहा कि हमे अपनी देह पर अति मोह है, इसलिये इसको सजाने संवारने में काफी समय व्यतीत करते है। सौंदर्यवान शरीर तो एक दिन निढाल हो जायेगा, जबकि जीवन की सौंदर्यता को कई समय तक याद किया जाता है। उन्होंने कहा कि आचार्य आनंदऋषि ने प्रेरक विचारधारा, वाणी के संयम, संयमित कर्म व सकारात्मक गुणों से अपने जीवन को सौंदर्यवान बनाया और इसी कारण हम उनको याद करते है। प्रत्येक मनुष्य को चाहिये कि वो नश्वर शरीर का सौंदर्य छोड़ जीवन को सौंदर्यवान बनाने का प्रयास करे। शरीर की सौंदर्यता को कुछ ही समय में बढ़ा सकते है और उतना

ही जल्दी वह सौंदर्य बिखर भी जाता है, जबकि जीवन को सौंदर्यवान बनाने में समय लगता है और वह बहुत लंबे समय तक टिकता भी है और इसके लिये सर्वप्रथम हमे अपनी क्षमताओं को विकसित करना होगा। साध्वी ने कहा कि जिस प्रकार धरती के तपने से बारिश होती है उसी प्रकार से आत्मा के तपने से सद्गुणों की बारिश होती है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से श्रावण माह में धरती श्रृंगारित होती है उसी प्रकार से इस महीने में तप-त्याग द्वारा आत्मा का शृंगार होता है। उन्होंने कहा कि हमारे जीवन को संवारने में सबसे ज्यादा भूमिका विचारों की होती है, जिसके हृदय में जैसे विचार आते है वो वैसा ही कार्य करता है। अतः मन में विकासकारी विचारों का उद्गम आवश्यक है, नकारात्मक विचारों को छोड़ सही विचारों की ओर बढ़ना है और परिवर्तन के साथ विचारों में परिवर्तन लाना भी जरूरी है। संघ के मंत्री अशोककुमार गुगलिया के अनुसार आयंबिल दिवस के लाभार्थी सोहनलाल विकासकुमार गुगलिया परिवार रहें। सहमंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने बताया कि आचार्य आनंदऋषि के जन्म जयंती के अवसर पर आचार्य की केंद्रीय संस्था के निर्देशानुसार बेंगलूरु के साथ ही पूरे भारत में आयंबिल तप की आराधना हुई। संचालन संघ के अध्यक्ष शांतिलाल खींवेसरा ने किया।

भाजपा-जेडीएस मैसूरु चलो पदयात्रा

कांग्रेस के कुशासन को खत्म करने के लिए अश्वमेधयाग है: कुमारस्वामी

रामनगर/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने सोमवार को रामनगर में घोषणा की कि मुडा घोटाले को लेकर भाजपा-जेडीएस की संयुक्त मैसूरु चलो पदयात्रा कांग्रेस पार्टी को सत्ता से बाहर करने के लिए पौराणिक अश्वमेधयाग है। मैसूरु चलो पदयात्रा में भाग लेते हुए जेडीएस नेता ने कहा कि कांग्रेस सरकार के अंतिम दिन करीब आ रहे हैं। उन्होंने अपने भाषण में डीके शिवकुमार पर हमला करते हुए कहा, जब तक मुख्यमंत्री सिद्धरामैया इस्तीफा नहीं दे देते, हम नहीं रुकेंगे। हम कांग्रेस के भ्रष्टाचार को खत्म कर देंगे। सिद्धरामैया सरकार पर सीधा हमला करते हुए, खासकर उनके धुर विरोधी उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार पर निशाना साधते हुए, उन्होंने बेंगलूरु में कचरा संग्रहण अनुबंध पर शिवकुमार की टिप्पणी का हवाला दिया और कहा हां, मैं शहर में कचरा निपटान का काम कर रहा था और जयनगर, विल्सन गार्डन और सुदामानगर वार्ड में कचरा निपटान के ठेके का ठेका लिया था। एक वरिष्ठ व्यक्ति

ने मुझे यह कहकर राजनीति में शामिल होने के लिए कहा कि आपको अन्य क्षेत्रों से कचरा हटाना चाहिए और राजनीति में जाना चाहिए। इस तरह मैं राजनीति में आया। उन्होंने कहा, मैं और भाजपा कांग्रेस के भ्रष्टाचार की बदबू को साफ करने के लिए निकले हैं क्योंकि आपने पूरे राज्य में प्रशासन के ताने-बाने को नष्ट कर दिया है। खुद और अपने पिता एचडी देवेगौड़ा के बारे में बुरा बोलने के लिए शिवकुमार की आलोचना करते हुए जेडीएस नेता ने कहा कि उनके पिता 40 साल से अधिक समय तक राजनीति में रहे हैं और डेढ़ साल के लिए मुख्यमंत्री और 14 महीने के लिए प्रधानमंत्री बने। उन्होंने कहा जब देवराज उर्स मुख्यमंत्री थे, तो उन्होंने उन्हें (पिता को) सदाशिवनगर में एक जगह आवंटित की थी। जब उन्होंने लेने से इनकार कर दिया, तो उन्होंने जगह लेने पर जोर दिया। पैसे जुटाने के लिए उन्हें अपनी फिएट कार बेचनी पड़ी। यह जगह सभी बच्चों को बांटी गई है। उन्होंने कहा कि उन्होंने दो बार भाजपा के साथ गठबंधन किया है। कुमारस्वामी ने कहा कि शिवकुमार को यह दावा करने में शर्म आनी चाहिए कि वह बेंगलूरु के संस्थापक केम्पेगौड़ा की जाति से हैं। वह (शिवकुमार) कहते हैं कि उनके पिता सोना माप रहे थे। रामनगर के कनकपुरा से कई लोग हैं। वे सोना क्यों नहीं तौल रहे हैं? कई लोग हैं जो दुकानें और व्यापार चलाते हैं। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा वे सभी सोना तौलने वालों के बारे में असली सच्चाई जानते हैं। शिवकुमार द्वारा केटीगनहल्ली गांव में अपने बिदादी फार्महाउस का जिक्र करने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जब वह फिल्म वितरक थे, तब चैना साब नाम के एक व्यक्ति ने उनसे कहा था कि 'आप देवेगौड़ा के बेटे हैं और आपको खेती करनी चाहिए।

मैंने बड़ी मुश्किल से जमीन खरीदी

आपको किसान होना चाहिए और उन्होंने संपत्ति का सुझाव दिया। उन्होंने कहा मैंने बड़ी मुश्किल से जमीन खरीदी है। कुमारस्वामी ने शिवकुमार पर रामनगर जिले का नाम बदलकर बेंगलूरु दक्षिण जिला करने के लिए लोगों को मूर्ख बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, क्या नाम बदलने से ही जमीन की कीमत बढ़ जाएगी? मैं जानता हूं कि ब्रांड बेंगलूरु के नाम पर लोगों के साथ धोखाधड़ी की गई है। जेडीएस नेता ने विधानसभा चुनावों में पार्टी की 136 सीटें जीतने का दावा करने के लिए कांग्रेस नेताओं की आलोचना की और दावा किया कि यह संख्या घटकर 16 रह जाएगी। उन्होंने कहा, आपके दिन अब गिने-चुने रह गए हैं।

भाजपा-जेडीएस की मैसूरु चलो पदयात्रा तीसरे दिन भी रही जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) द्वारा अवैध भूमि आवंटन पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफे की मांग को लेकर भाजपा-जेडीएस द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित मैसूरु चलो पदयात्रा तीसरे दिन में प्रवेश कर गई। यात्रा शनिवार को केंगेरी से शुरू हुई और रविवार को केंगल में समाप्त हुई। सोमवार को पदयात्रा के तीसरे दिन की शुरुआत रामनगर जिले के चन्नपटना तालुक के केंगल में पूर्व मुख्यमंत्री डी. केंगल हनुमंतैया की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके की गई। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई.विजयेंद्र ने केंगल हनुमंतैया की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस मौके पर भाजपा और जेडीएस के नेता मौजूद रहे। पदयात्रा केंगल से शुरू होकर करीब 16 किलोमीटर तक चली। यह प्रयास मांड्या जिले के मद्दुर तालुक के निदाघट्टा में समाप्त हुआ।

पदयात्रा के तीसरे दिन पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा, केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी, भाजपा और जेडीएस के कई नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। उन्होंने भाजपा और जेडीएस के झंडे थामे और नारे लगाते हुए उत्साहपूर्वक मार्च में हिस्सा लिया। रास्ते भर सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे दोनों पार्टियों के कार्यकर्ता सीएम सिद्धरामैया के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। पदयात्रा के तीसरे दिन दोनों दलों के बीच छोटी-मोटी उलझनें दूर हो रही हैं और कार्यकर्ताओं की भागीदारी दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। जहां जेडीएस मजबूत है वहां अपनी उपस्थिति बनाए रखने के लिए जेडीएस ने अकेले चुनाव लड़ने की रणनीति का प्रयोग किया है। हालांकि, इसके तीसरे दिन भाजपा और जेडीएस कार्यकर्ताओं ने एक साथ आगे बढ़कर दोस्ती में फूट का संदेश दे दिया। जद (एस) नेता निखिल कुमारस्वामी और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र, मार्च में एक साथ चले। भाजपा-जेडीएस के विधायक और एमएलसी दोनों नेताओं के साथ चले, रास्ते भर उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया गया।

शिवकुमार ने कुमारस्वामी को अपने भाई बालकृष्ण की संपत्तियों का खुलासा करने की चुनौती दी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के बीच कथित भ्रष्टाचार को लेकर जारी वाकयुद्ध में, शिवकुमार ने कुमारस्वामी को अपने भाई बालकृष्ण की संपत्तियों का खुलासा करने की चुनौती दी है।

यहां सदाशिवनगर में अपने आवास के पास सोमवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, शिवकुमार ने कुमारस्वामी पर एकतरफा हमला किया और अपने भाई की संपत्तियों का ब्योरा मांगा और अपनी संपत्तियों का ब्योरा देने की पेशकश की। केपीसीसी प्रमुख द्वारा जेडीएस नेता को उनके भाई की संपत्ति के बारे में चुनौती देने के साथ विवाद और बढ़ गया। पहले हम यह हिसाब लगाते हैं कि आपके अपने भाई ने आपके (कुमारस्वामी) मुख्यमंत्री रहते हुए सत्ता का दुरुपयोग करके कैसे संपत्ति अर्जित की। मैं अपनी संपत्तियों का ब्योरा बाद में दूंगा। इसमें कोई लुका-छिपी नहीं है। उन्होंने कहा कुमारस्वामी मुझसे पूछ रहे हैं। लोकतंत्र में, हर किसी को सार्वजनिक जीवन में दूसरों से

सवाल पूछने का अधिकार है। उन्हें पहले यह बताना चाहिए कि उनके भाई ने सत्ता में रहते हुए कैसे संपत्ति अर्जित की। हमने उन्हें जेडीएस और भाजपा शासन के दौरान हुए घोटालों का जवाब देने की चुनौती दी है, जो उन्होंने अभी तक नहीं दिया है। राज्य भाजपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा के बेटे बी वाई विजयेंद्र पर निशाना साधते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा विजयेंद्र मुझे भ्रष्टाचार का जनक बताते हैं। लेकिन पहले यह बताएं कि आपने अपने पिता को जेल कैसे भेजा और उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर कैसे किया? पहले बताएं कि क्या हुआ और क्यों हुआ और सभी विवरण दें। आपको पहले अपनी पार्टी के बसवराज पाटिल यतनाल और गूलीहट्टी शेखर को जवाब देना चाहिए और फिर मुझे जवाब देना चाहिए। शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी भाजपा-जेडीएस पदयात्रा का मुकाबला करने के लिए मद्दुर में जनांदोलन यात्रा का आयोजन कर रही है। उन्होंने कहा कर्नाटक को केंद्र से धन का उचित हिस्सा नहीं मिल रहा है। हम भाजपा और जेडीएस शासन के दौरान हुए घोटालों का जवाब भी मांग रहे हैं और जनांदोलन यात्रा निकाल रहे हैं।

क्या राज्यपाल सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति देंगे?

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्यपाल थावर चंद गहलोत, जो एक हफ्ते तक दिल्ली में थे, सोमवार को बेंगलूरु लौट आए और सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ अभियोजन पक्ष को दी गई याचिका पर किसी भी समय फैसला लेने की संभावना है। नई दिल्ली के दौरे पर गए राज्यपाल ने भाजपा आलाकमान और कानूनी विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श किया। पिछले 26 जुलाई को सामाजिक कार्यकर्ता टीजे अब्राहम ने राज्यपाल के पास शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की बात कही गई है। इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए अब राज्यपाल ने कानूनी विशेषज्ञ से रिपोर्ट मांगी है। पता चला है कि विशेषज्ञों ने मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक के महत्वपूर्ण मामलों और सेवानिवृत्त लोकायुक्त न्यायमूर्ति संतोष हेगड़े द्वारा दिए गए फैसले पर रिपोर्ट दी है। मुडा के अवैध भूमि आवंटन मामले में मुख्यमंत्री द्वारा 26 जुलाई को कारण बताओ नोटिस जारी किये

जाने के बाद राज्यपाल दिल्ली यात्रा पर चले गये थे। इस बीच कैबिनेट ने नोटिस वापस लेने का फैसला लिया है और इसे राज्यपाल के पास भेज दिया है। उधर, मुख्यमंत्री ने भी नोटिस का जवाब दे दिया है। राज्य सरकार द्वारा भेजे गये मंत्रिपरिषद के निर्णय की राज्यपाल समीक्षा करेंगे। कैबिनेट ने राज्यपाल से सीएम को भेजे गए नोटिस को वापस लेने का अनुरोध किया है। मालूम हो कि ऐसी संभावना है कि राज्यपाल किसी अन्य वकील से चर्चा कर यह तय करेंगे कि यह मुकदमा चलाने लायक है या नहीं और क्या कानूनी सलाह की जरूरत है। अगर राज्यपाल सिद्धरामैया के खिलाफ जांच की इजाजत देते हैं तो कानूनी दिक्कत होगी। अभियोजन की मंजूरी मिलने के बाद इब्राहीम एक निजी शिकायत दर्ज करेंगे। एक निजी शिकायत पीपुल्स कोर्ट या लोकायुक्त में दायर की जा सकती है। इसके बाद कोर्ट में केस को स्वीकार या खारिज करने को लेकर बहस-प्रतिवाद होगा। विशेषज्ञों की राय है कि भले ही राज्यपाल ने सीएम के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की अनुमति दे दी हो, लेकिन इसके संवैधानिक और राजनीतिक परिणाम हो सकते हैं। इस बीच, शीर्ष सूत्रों ने पुष्टि की है कि भाजपा आलाकमान ने भी राज्य के भाजपा नेताओं को कुछ सलाह भेजी है। अगर सिद्धरामैया कैबिनेट में उनके पक्ष में प्रस्ताव पारित करते हैं तो इस बात को लेकर असमंजस है कि राज्यपाल के पास अभियोजन की अनुमति देने का अधिकार है या नहीं। कानूनी विशेषज्ञों की राय है कि भले ही प्रस्ताव कैबिनेट द्वारा पारित किया गया हो, राज्यपाल के पास अभियोजन को अधिकृत करने का अधिकार है जैसा कि अनुच्छेद 163 में उल्लिखित है। राज्यपाल सीधे तौर पर सीएम के खिलाफ जांच की इजाजत देने का फैसला ले सकते हैं। इसका उल्लेख अनुच्छेद 163 में किया गया है। ऐसा कोई नियम नहीं है कि अगर कैबिनेट की राय दी गयी है तो उसे मंजूरी देनी होगी। कानूनी विशेषज्ञों का तर्क है कि वे काउंसिल के मंत्री के फैसले के खिलाफ अनुमति दे सकते हैं। कैबिनेट के निर्णय के बावजूद, राज्यपाल के पास अभियोजन की अनुमति देने की शक्ति है। यदि यह आश्वस्त हो जाए कि कोई अवैधानिकता हुई है तो कानून के अनुसार कैबिनेट की राय ली जा सकती है। नहीं, तो कानून कहता है कि निर्णय स्वतंत्र रूप से किया जा सकता है। 2004 में मध्य प्रदेश के दो मंत्रियों के खिलाफ जमीन कब्जाने को लेकर शिकायत दर्ज की गई थी। कैबिनेट में उनके खिलाफ शिकायत दर्ज नहीं कराने का भी लाइन निर्णय लिया गया। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने माना कि तत्कालीन राज्यपाल ने कैबिनेट के फैसले से सहमत हुए बिना अपनी मर्जी से अनुमति दे दी थी। लेकिन इसमें यह भी कहा गया कि इसकी जानकारी सीधे केंद्रीय जांच एजेंसी को नहीं दी जानी चाहिए। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि अगर राज्यपाल सीएम को जांच की इजाजत दे दें तो राजभवन से उनका टकराव हो जायेगा। शिकायतकर्ता, सामाजिक कार्यकर्ता टी.जे. अब्राहम के मुताबिक, राज्यपाल थावर चंद गहलोत के पास मुडा घोटाले के सिलसिले में सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की इजाजत देने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

विधायक वेदव्यास कामथ ने भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर कांग्रेस की आलोचना की

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र के विधायक वेदव्यास कामथ ने वाल्मीकि घोटाला, मुडा घोटाला, एससी-एसटी फंड का दुरुपयोग और चावल घोटाले सहित विभिन्न भ्रष्टाचार घोटालों में शामिल होने के लिए राज्य कांग्रेस सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कांग्रेस पार्टी के डीएनए में भ्रष्टाचार समाया हुआ है और यहां तक कि उनका हाईकमान भी गलत कामों में उनका समर्थन करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दक्षिण कन्नड़ को आवंटित स्मार्ट सिटी फंड का उपयोग डीसी कार्यालय के निर्माण के लिए किया जा रहा है, जो कांग्रेस पार्टी के दृष्टिकोण को दर्शाता है। यहां सोमवार को अटल सेवा केंद्र में मीडिया को संबोधित करते हुए विधायक कामथ ने कहा मौजूदा कांग्रेस सरकार के शासन में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार है, जो सार्वजनिक धन का दोहन करने के लिए सत्ता में आई है। अब उनका ध्यान दलित समुदाय के लिए आवंटित धन पर केंद्रित हो गया है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के शासन में वाल्मीकि घोटाला और मुडा घोटाला सहित कई घोटाले सामने आ रहे हैं। हम इन मामलों को जल्द से जल्द बंद करने का आग्रह करते हैं और ऐसे सभी घोटालों की ईडी जांच की मांग करते हैं।

उन्होंने कहा कांग्रेस पार्टी ने अपनी गारंटी योजनाओं के लिए एससीपी-टीएसपी फंड का दुरुपयोग किया है, जो एससी/एसटी समुदायों के लिए उनकी वास्तविक चिंता की कमी को दर्शाता है। जब मुडा का मुद्दा सामने आया, तो भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र, आर अशोक और केंद्रीय मंत्री एच डी

कुमारस्वामी ने एक पदयात्रा' की, जिससे मुख्यमंत्री की संलिप्तता का पता चला। उन्होंने भूमि की दरें बढ़ा दीं, यह प्रथा उनके उपमुख्यमंत्री के कार्यकाल से चली आ रही है। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को भी नोटिस जारी किया है, जिन्हें तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। कांग्रेस सरकार चावल घोटाले में भी फंसी हुई है, जहां एक विभाग 29 रुपये प्रति किलोग्राम चावल खरीदने की रिपोर्ट करता है जबकि दूसरा 34 रुपये प्रति किलोग्राम का भुगतान करने की रिपोर्ट करता है, जिससे यह चिंता बढ़ जाती है कि अतिरिक्त पैसा कहां जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा खाद्य वितरण में भ्रष्टाचार अस्वीकार्य है। वेनलॉक अस्पताल में भ्रष्टाचार के बारे में कामथ ने कहा मैंने लगातार लाखों रुपये के भ्रष्टाचार को उजागर किया है। मैंने स्वास्थ्य मंत्री को एक पत्र सौंपा है और अधिकारियों से अनुरोध किया है कि वे इसमें शामिल सभी लोगों को गिरफ्तार करें। जब भी कोई घोटाला उजागर होता है, तो केवल निचले स्तर के अधिकारियों को हटाया जाता है, इस बात की अनदेखी करते हुए कि उन्हें निर्देश किसने दिए थे। कांग्रेस सरकार के तहत सभी विभागों में भ्रष्टाचार व्याप्त है। दक्षिण कन्नड़ में कोई कानून-व्यवस्था नहीं है, भीड़ घरों में घुसकर लूटपाट करती है। हालांकि हम पुलिस विभाग के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि कांग्रेस सरकार बार-बार तबादलों के माध्यम से उनके प्रभावी संचालन में बाधा डाल रही है। पीएसआई परशुराम ने एक विधायक के दबाव के कारण अपनी जान दे दी, और उनकी पत्नी ने दावा किया है कि उन्होंने उनके तबादले के आदेश को रद्द करने के लिए पैसे मांगे थे।

कांग्रेस पार्टी जांच तंत्र को नियंत्रित करती है

अगर पुलिस अधिकारी सुरक्षित नहीं हैं, तो नागरिकों को न्याय के लिए कोई सहारा नहीं मिलेगा। राज्य को कांग्रेस की राज्य इकाई में बदलाव की उम्मीद थी, लेकिन कांग्रेस आलाकमान भ्रष्ट नेताओं का समर्थन करना जारी रखता है।

वाल्मीकि घोटाले में श्रीनिवास पुजारी और बसवराज बोम्मई की संलिप्तता के बारे में पूछे जाने पर कामथ ने जवाब दिया कांग्रेस पार्टी 15 महीने से सत्ता में है और भाजपा पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर सत्ता में आई है, और हमें '40 प्रतिशत सरकार' करार दिया है। अगर उन्हें वाकई लगता है कि कुछ गड़बड़ है, तो उन्हें जांच करनी चाहिए। कांग्रेस पार्टी जांच तंत्र को नियंत्रित करती है और कोटा श्रीनिवास पुजारी एक प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं। अगर कांग्रेस को लगता है कि वह दोषी हैं, तो उन्हें मामला सीबीआई को सौंप देना चाहिए।

पीएसआई की मौत मामला

सीआईडी जांच में दोषी पाए जाने पर कांग्रेस विधायक और उनके बेटे के खिलाफ होगी कार्रवाई: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने सोमवार को कहा कि यादगीर में पुलिस उपनिरीक्षक परशुराम की मौत के मामले में आरोपों का सामना कर रहे कांग्रेस विधायक और उनके बेटे के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, अगर वे आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) जांच में दोषी पाए जाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने मृतक अधिकारी की पत्नी को नौकरी देने का फैसला किया है। जांच सीआईडी को सौंप दी गई है, वे जांच कर रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण पता चलेगा। मैं परसों मृतक अधिकारी के परिवार से मिलने जाऊंगा और उन्हें सांत्वना देने की कोशिश करूंगा। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा सरकार ने उनकी पत्नी को नौकरी देने का फैसला किया है। वह पढ़ी-लिखी हैं। मैंने मुख्यमंत्री से इस बारे में चर्चा की है। हम उन्हें नौकरी और मुआवजा देंगे। विधायक चेन्नारेड्डी पाटिल टुन्नूर और उनके बेटे पंपनगौड़ा के खिलाफ आरोपों के बारे में उन्होंने कहा सीआईडी जांच जारी है। देखते हैं रिपोर्ट में क्या आता है। यदि वे शामिल हैं, तो जो भी कार्रवाई करनी होगी, की जाएगी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि परशुराम (34) की शनिवार को यादगीर में मौत हो गई, लेकिन अभी तक उसकी मौत के कारण की पुष्टि नहीं हो पाई है, क्योंकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट का अभी भी इंतजार है। परशुराम की पत्नी श्वेता ने यादगीर के कांग्रेस विधायक चेन्नारेड्डी पाटिल टुन्नूर और उनके बेटे पंपनगौड़ा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें उन्होंने परशुराम की मौत के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया है।

कांग्रेस और राज्य सरकार के खिलाफ हमारा संघर्ष रहेगा जारी: बी.वाई विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि हमारे संघर्ष की आंच कांग्रेस और राज्य सरकार तक पहुंच गई है। उन्होंने सोमवार को केंगल में मीडिया प्रतिनिधियों से बात की और मीडिया के सवालों के जवाब दिये। उन्होंने कहा कांग्रेस पार्टी के आलाकमान द्वारा भेजे गए वेणुगोपाल और सुरजेवाला ने आकर विधायकों को सबक सिखाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री की सुरक्षा के निर्देश दिये हैं। उन्होंने घोटालों से घिरी सरकार और मुख्यमंत्री का पुरजोर बचाव करने के लिए दिल्ली के गांधी परिवार की आलोचना की।

हमने केंगल श्री हनुमंत स्वामी की पूजा करके अपने तीसरे दिन की यात्रा शुरू की। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, हमारे सभी विधायक मित्र, भाजपा-जेडीएस पार्टियों के प्रतिनिधि, नेता और कार्यकर्ता बड़े उत्साह से रैली में भाग ले रहे हैं। हमारी पदयात्रा दिन-ब-दिन और अधिक आत्मविश्वास और उत्साह के साथ कदम दर कदम आगे बढ़ रही है। परिणामस्वरूप सत्ता पक्ष को नींद नहीं आ रही है। यह बहाने की लड़ाई नहीं है, वाल्मीकि विकास निगम में 187 करोड़ रुपये का गबन, मैसूरु मुडा घोटाला, देश के अनुसूचित समुदाय के साथ अन्याय के खिलाफ की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि ऐसी भ्रष्ट कांग्रेस सरकार को सदबुद्धि सिखाने की जरूरत है। वायनाड में सैकड़ों लोगों की जान चली गई। इसी सिलसिले में मुख्यमंत्री ने 100 आवास देने की घोषणा की है।

यह कोई गलती नहीं है, यह एक अच्छा कदम है। हालाँकि, मुख्यमंत्री को शक्ति देने वाले मैसूरु जिले में लाखों गरीबों और जरूरतमंद लोगों द्वारा प्रस्तुत निपटान संबंधी याचिकाएँ बरकरार हैं। मुख्यमंत्री को इसकी कोई चिंता नहीं है। यह प्रदेश की जनता का सवाल है। यहां शून्य विकास, लूटने वाली सरकार है। विजयेंद्र ने कहा कि लोग इस सरकार और सिद्धरामैया को कोस रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को न्याय दिलाने के लिए यह पदयात्रा चल रही है। डी.के.शिवकुमार का भाषण अब प्रासंगिक नहीं है। अब सवाल प्रदेश की जनता का है। उन्होंने बताया कि लोग कांग्रेस पार्टी द्वारा की गई धोखाधड़ी पर सवाल उठा रहे हैं जो पिछड़े समुदायों के नाम का उल्लेख करके सत्ता में आई थी। दिनदहाड़े डकैती को लेकर लोगों ने उठाए सवाल, उन्हें जवाब देना होगा। हम कौन होते हैं कांग्रेस को धमकी देने वाले? उनके पास 136 विधायक हैं। लेकिन मुख्यमंत्री को सरकार की अस्थिरता का अहसास हुआ तो कहीं न कहीं उन्होंने हार मान ली है। सरकार घोटालों में फंसी है। सीएम आश्वस्त हैं कि उन्हें नहीं पता कि क्या करना है। हम उन्हें डराने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। उन्होंने सवाल के जवाब में कहा कि हम एक जिम्मेदार विपक्ष के तौर पर इस देश की जनता को न्याय देने के लिए तैयार हैं।

भाजपा-जेडीएस की साजिश के आगे नहीं झुकेंगे: के सी वेणुगोपाल

राज्यपाल का कदम दुर्भाग्यपूर्ण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी कर्नाटक सरकार को नुकसान पहुंचाने की भाजपा-जद-एस की साजिश के आगे नहीं झुकेगी और वे लोगों के पास जाएंगे और उन्हें तथ्यों से अवगत कराएंगे। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के आवास पर मंत्रियों के साथ बैठक करने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कथित मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) भूमि घोटाले को लेकर मुख्यमंत्री को कारण बताओ नोटिस जारी करने के राज्यपाल थावरचंद गहलोत के फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने सिद्धरामैया का बचाव करते हुए जनसेवा और ईमानदारी के प्रति उनकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को उजागर किया और कहा कि उनकी राजनीतिक यात्रा और मूल्य कर्नाटक के लोगों के लिए सर्वविदित और सम्मानीय हैं। वेणुगोपाल ने दावा किया कि भाजपा और जेडी-एस गरीबों के लिए गारंटी योजनाओं के सफल कार्यान्वयन के कारण सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इन

योजनाओं को विपक्ष के राजनीतिक हितों के लिए खतरे के रूप में देखा जाता है, जिससे उन्हें विवाद पैदा करने और सरकार की स्थिरता को कमजोर करने के लिए प्रेरित किया जाता है। राज्यपाल की आलोचना करते हुए वेणुगोपाल ने उनके कार्यों को दुर्भाग्यपूर्ण और भाजपा के प्रभाव का संकेत बताया। उन्होंने राज्यपाल पर मुख्यमंत्री को नोटिस जारी करके अस्थिरता की धारणा बनाने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने भाजपा के भ्रष्टाचार के दावों को पाखंड बताते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र और जेल में बंद पूर्व जेडी-एस सांसद प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े कानूनी मुद्दों की ओर इशारा किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि किसी भी वास्तविक कानूनी चिंता को उचित माध्यमों से संबोधित किया जाएगा और गरीबों का समर्थन करने और अपनी गारंटी योजनाओं को जारी रखने के लिए कांग्रेस की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने हाल के केंद्रीय बजट में कर्नाटक के लिए अपर्याप्त समर्थन और वित्त पोषण के लिए केंद्र सरकार की भी आलोचना की। वेणुगोपाल ने वचन दिया कि कांग्रेस एकजुट होकर इन अस्थिरता के प्रयासों के खिलाफ लड़ती रहेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा का राज्य में सरकारें गिराने का इतिहास रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि 2018 में भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने साजिश करके कांग्रेस-जद-एस गठबंधन सरकार को गिरा दिया था और पार्टी ने उसी स्पष्ट इरादे से कर्नाटक में कांग्रेस सरकार को फिर से निशाना बनाया। कांग्रेस नेता ने कहा कि पार्टी सरकार को नुकसान पहुंचाने की इन कोशिशों का मुकाबला करेगी और गारंटी योजनाओं के लाभों और उन्हें बाधित करने के विपक्ष के प्रयासों के बारे में जनता के बीच जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि मंत्रियों और विधायकों को अपने निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा करने और सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं को सीधे लोगों तक पहुंचाने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने भाजपा और जद-एस नेताओं पर कांग्रेस सरकार के खिलाफ मुद्दे बनाकर अपने और अपने परिवार के सदस्यों के हितों की रक्षा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

बेंगलूरु में मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला से छेड़छाड़, पुलिस ने तलाश शुरू की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें राजस्थान की एक महिला को बेंगलूरु के कोनानाकुंटे पुलिस स्टेशन की सीमा में मॉर्निंग वॉक के दौरान रास्ते में रोककर छेड़छाड़ की गई। यह घटना पिछले शुक्रवार को तड़के कृष्णा नगर इलाके में हुई और सीसीटीवी क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। डीसीपी (दक्षिण) लोकेश जगलासर ने कहा कि इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी का अभी पता नहीं चल पाया है। पीड़िता के पति ने शिकायत दर्ज कराई है। भारतीय न्याय संहिता की धारा 76, 78 और 79 के तहत छेड़छाड़, पीछा करने, कपड़े उतारने और यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया है। डीसीपी ने कहा हम आरोपी की तलाश कर रहे हैं। इस मामले को बहुत गंभीरता से लिया जा रहा है और महिलाओं की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आरोपी को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इलाके में पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई है। सीसीटीवी फुटेज में पीड़िता को सुनसान सड़क पर चलते हुए दिखाया गया है। अच्छे कपड़े पहने आरोपी उसके पास आता है और मौके का फायदा उठाकर उसे छूने की कोशिश करता है। महिला किसी तरह से छेड़छाड़ करने वाले के चंगुल से छूटती है और तेजी से अपने घर की ओर बढ़ती है। छेड़छाड़ करने वाला फिर से पीछे से दौड़ता हुआ आता है और उसे छूने की कोशिश करता है। वह उसे गले लगाता है और जबरन चूमता है। महिला गिरते समय चिल्लाने में कामयाब हो जाती है। इसके बाद छेड़छाड़ करने वाला अंधेरे में गायब हो जाता है। पुलिस ने आरोपी के भागते हुए एक और फुटेज भी एकत्र की है। घटना के बारे में अधिक जानकारी अभी सामने आनी बाकी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी की पहचान का पता लगा रही है और कहा है कि अपराधी को किसी भी समय पकड़ लिया जाएगा। इस बीच, इस घटना ने एक बार फिर आईटी सिटी में सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ा दी हैं। दस दिन पहले, एक और सीसीटीवी क्लिप वायरल हुई थी, जिसमें एक व्यक्ति बेंगलूरु में अपने छात्रावास के अंदर 24 वर्षीय महिला की बेरहमी से हत्या करता हुआ दिखाई दे रहा था। हमलावर को बाद में मध्य प्रदेश में गिरफ्तार किया गया था।

यदि राज्यपाल सीएम के खिलाफ अभियोजन की अनुमति देते हैं तो कांग्रेस सरकार कानूनी रूप से लड़ेगी: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने सोमवार को उम्मीद जताई कि राज्यपाल थावरचंद गहलोत मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) साइट आवंटन घोटाले के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को दिए गए कारण बताओ नोटिस को वापस लेने की कैबिनेट की सलाह को अस्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि यदि राज्यपाल कैबिनेट की सलाह को अस्वीकार करते हैं और सीएम के खिलाफ अभियोजन की अनुमति देते हैं तो कांग्रेस सरकार कानूनी रूप से लड़ेगी। परमेश्वर ने कहा एक कैबिनेट के रूप में हमने राज्यपाल को अपना कारण

बताओ नोटिस वापस लेने और कार्यकर्ता टी जे अब्राहम द्वारा सिद्धरामैया के खिलाफ अभियोजन की मांग करने वाली याचिका को अस्वीकार करने की सलाह दी है। मुझे उम्मीद है और मुझे नहीं लगता कि राज्यपाल तथ्यों के साथ कैबिनेट की सलाह के बावजूद ऐसा (अभियोजन की मंजूरी) करेंगे। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा उनके (राज्यपाल) पास कुछ शक्तियां हो सकती हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वे कैबिनेट की सलाह को इतनी आसानी से खारिज कर देंगे। अगर वे फिर भी आगे बढ़ते हैं और अभियोजन की अनुमति देते हैं, तो हम कानूनी रूप से लड़ेंगे। अधिवक्ता-कार्यकर्ता टी जे अब्राहम द्वारा दायर याचिका के आधार पर राज्यपाल ने 26 जुलाई को ''कारण बताओ नोटिस'' जारी किया था, जिसमें मुख्यमंत्री को सात दिनों के भीतर उनके खिलाफ आरोपों पर अपना जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था कि उनके खिलाफ अभियोजन की अनुमति क्यों नहीं दी जानी चाहिए। कर्नाटक सरकार ने गुरुवार को राज्यपाल को मुख्यमंत्री को अपना कारण बताओ नोटिस वापस लेने की दृढ़ता से सलाह दी और राज्यपाल पर संवैधानिक कार्यालय का घोर दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। कैबिनेट फेरबदल के बारे में अटकलों पर एक सवाल का जवाब देते हुए परमेश्वर ने कहा कि पार्टी महासचिव के सी वेणुगोपाल और रणदीप सिंह सुरजेवाला ने रविवार शाम को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के साथ मंत्रियों के साथ अपनी बैठक के दौरान इस पर चर्चा नहीं की और यह मुद्दा कभी सामने नहीं आया। उन्होंने कहा ऐसी कोई बात नहीं है, किसी ने इस पर चर्चा नहीं की। उन्होंने (महासचिवों ने) सभी को एक साथ काम करने और सरकार का नाम रोशन करने की सलाह दी है।

दक्षिणांचल स्तरीय दायित्व बोध कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में तेयुप टी. दासरहल्ली द्वारा आयोजित दक्षिणांचल स्तरीय दायित्व बोध शंखनाद जीत के गीत का शुभारम्भ मंगलाचरण से हुआ। विजय गीत एवं थीम साँग का संघान बेंगलूरु की सभी परिषदों के सदस्यों द्वारा किया गया। श्रावक निष्ठापत्र का वाचन अभातेयुप राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा ने किया।

रमेश डागा ने कार्यक्रम की विधिवत शुभारंभ की घोषणा करते हुए स्वागत वक्तव्य दिया। कार्यक्रम में अतिथि वक्ता

आदिश्वर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर पारस भंडारी ने शून्य से शिखर तक व्यवसायिक जीवन में कैसे मुकाम हासिल किया के बारे मे जानकारी प्रदान की। अतिथि वक्ता महेश नाहर ने स्टार्टअप में किस प्रकार इन्वेस्टमेंट करें के प्लान के बारे में बताया। क्रिकेट जगत से पधारे हुए आरसीबी क्रिकेटर व्यशाक विजयकुमार ने अपने क्रिकेट के अनुभव सब के साथ साझा किये। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अभातेयुप अभूतपूर्व अध्यक्ष विमल कटारिया ने युवाओं को समाज में धर्मसंघ के प्रति संगठित होकर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में सीपीएस के राष्ट्रीय प्रभारी अरविंद मांडोत ने धर्मसंघ में आपने क्या क्या दायित्व हैं, को एक मजेदार गेम के द्वारा समझाया। महामंत्री अमित नाहटा ने तेयुप के संविधान के बारे में संक्षिप्त में जानकारी प्रदान की। इस कार्यक्रम मे अभातेयुप वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन मांडोत, अभातेयुप परामर्शक दिनेश पोखरणा, अभातेयुप टीम, तेयुप राजाजीनगर से तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरडिया, निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश गन्ना, प्रबंध मण्डल, किशोर मण्डल एवं तेयुप सदस्यों की अच्छी उपस्थिति रही।

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कन्नूर के मेयर सुधीर शेट्टी ने घोषणा की कि अवैध स्ट्रीट वेंडर्स को निशाना बनाकर चलाया जा रहा ऑपरेशन टाइगर जारी रहेगा। सोमवार को मीडिया को संबोधित करते हुए मेयर ने कहा हमें अपने फोन-इन कार्यक्रम और काउंसिल मीटिंग के माध्यम से अवैध छोटी दुकानों के बारे में कई शिकायतें मिली हैं। मैंने घोषणा की थी कि ऑपरेशन टाइगर 29 जुलाई से शुरू होगा। स्ट्रीट वेंडर्स ने सड़कों और फुटपाथों पर कब्जा कर लिया है, जिससे जनता और यातायात की आवाजाही में बाधा उत्पन्न हो रही है। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से, परोसा जाने वाला भोजन अक्सर अस्वास्थ्यकर होता है, विक्रेता अशुद्ध तेल का उपयोग करते हैं, बर्तन साफ करने के लिए पानी का दोबारा उपयोग करते हैं और कुछ दुकानें

सिगरेट, गुटखा, चखने वाला पाउडर, अजिनोमोटो और यहां तक कि शराब भी बेचती हैं। उन्होंने कहा हमने इन स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए ऑपरेशन टाइगर' शुरू किया है और यह जारी रहेगा। ऑपरेशन के दौरान, हमें कुछ प्रतिष्ठानों में कीड़े और तिलचट्टे मिले। 27 जुलाई को, हमें स्ट्रीट वेंडर्स एसोसिएशन से एक अनुरोध पत्र मिला, लेकिन वे मुझसे व्यक्तिगत रूप से नहीं मिले। मेयर ने आगे बताया टाउन वेंडिंग कमेटी के माध्यम से 1,047 स्ट्रीट वेंडर्स की पहचान की गई, लेकिन केवल 10 सदस्यों को ही प्रतीकात्मक रूप से पहचान पत्र जारी किए गए। स्ट्रीट वेंडर्स एसोसिएशन ने दावा किया कि अधिकारियों ने पहचान पत्र वाले दुकानों को भी खाली करा दिया और 667 पहचान पत्र जारी किए गए।

क्रोधी नहीं सहनशील बनो पर संस्कार शाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के अंतर्गत बच्चों में सद संस्कारों के सिंचन हेतु संस्कार शाला क्रोधी नहीं सहनशील बनो का आयोजन सरकारी हाई स्कूल जुगनहल्ली में किया गया। अध्यक्ष उषा चौधरी ने सभी का स्वागत करते हुए

कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से किया। मंत्री लता नवलखा ने ओम की ध्वनि के साथ महाप्राण ध्वनि का प्रयोग करवाया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता सीपीएस ट्रेनर प्रिया जैन रही। प्रिया ने विषय पर अपनी प्रस्तुति देते हुए छोटे-छोटे उदाहरण के माध्यम से बच्चों को बताया कि क्रोध करने से हमें कितना नुकसान होता है। क्रोध क्यों आता है, प्रतिक्रिया क्या होती है, क्रोध से होने वाली हानि को एक कहानी के माध्यम से समझाया। अंत में 10 मिनट तक बच्चों को ध्यान करवाया गया और ध्यान के प्रयोग से गुस्से को कैसे कम कर सकते हैं बताया गया । बच्चों ने बहुत ही उत्साह के साथ भाग लिया और आगे से क्रोध न करने का संकल्प भी किया। अंत में बच्चों को योगासन भी करवाया गया। कार्यक्रम की संयोजिका सुरेखा श्रीश्रीमाल ने ट्रेनर का परिचय दिया और सहसंयोजिका मंजू संचेती ने आभार प्रकट किया।

हम कानूनी और राजनीतिक रूप से मुडा मामले से लड़ेंगे: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सोमवार को बेलगावी में घोषणा की कि हम कानूनी और राजनीतिक रूप से मुडा मामले से लड़ेंगे। जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने के लिए रवाना होने से पहले सांबरा हवाई अड्डे पर पत्रकारों से उन्होंने कहा कर्नाटक सरकार और कांग्रेस पार्टी इस मामले से कानूनी और राजनीतिक रूप से प्रभावी

ढंग से निपटेगी। उन्होंने कहा राज्य मंत्रिमंडल ने फैसला किया है कि राजभवन को मुख्यमंत्री को जारी नोटिस वापस लेना चाहिए और टी.जे. अब्राहम द्वारा दायर शिकायत को खारिज कर देना चाहिए। इस अनुरोध को राज्यपाल के कार्यालय को सूचित कर दिया गया है। उन्होंने कहा हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि राज्यपाल इस संबंध में आगे क्या कदम उठाते हैं।

आबकारी नीति घोटाला मामले में अभी जेल में ही रहेंगे अरविन्द केजरीवाल

सीबीआई मुकदमे में केजरीवाल को राहत नहीं, हाईकोर्ट में जमानत याचिकाएं खारिज

नई दिल्ली, 05 अगस्त (एजेंसियां)।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कथित आबकारी नीति घोटाले के मामले में आरोपी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज मुकदमा रद्द किए जाने और जमानत के लिए दायर उनकी याचिकाएं सोमवार को खारिज कर दीं। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की एकल पीठ ने अपना आदेश सुनाते हुए कहा कि सीबीआई के पास केजरीवाल को गिरफ्तार करने का पर्याप्त कानूनी आधार था। उन्होंने कहा, यह नहीं कहा जा सकता कि गिरफ्तारी बिना किसी न्यायोचित कारण के की गई।

उच्च न्यायालय ने गुण-दोष के आधार पर इस मामले में कोई निर्णय लेने से इनकार कर दिया, लेकिन याचिकाकर्ता को निचली अदालत का दरवाजा खटखटाने की छूट दी। एकल पीठ ने जमानत याचिका पर कहा कि याचिकाकर्ता को निचली अदालत जाने की छूट है। उच्च न्यायालय ने इसके साथ ही केजरीवाल की याचिकाओं का निपटारा कर दिया। उच्च न्यायालय ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के एस-पीपी डी पी सिंह और केजरीवाल का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी सहित अन्य की दलीलें विस्तारपूर्वक सुनने के बाद 29 जुलाई को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। एकल पीठ के समक्ष श्री सिंह ने दलील देते हुए कहा था कि आरोपी केजरीवाल भ्रष्टाचार के इस मामले के सूत्रधार हैं और उनके खिलाफ इस मामले में स्पष्ट सबूत हैं। श्री सिंघवी ने केजरीवाल का पक्ष रखते हुए अपनी पिछली दलील दोहराई थी।

उन्होंने कहा था कि सीबीआई की ओर से उनके मुवक्किल की गिरफ्तारी तय थी। इस केंद्रीय जांच एजेंसी को अनुमान था कि केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुकदमे में उच्चतम न्यायालय से जमानत मिल सकती है, इसलिए उसने 26 जून को उन्हें गिरफ्तार किया। शीर्ष अदालत ने ईडी के मुकदमे में केजरीवाल को जमानत दे दी थी। ईडी ने 21 मार्च और सीबीआई ने 26 जून 2024 को आरोपी मुख्यमंत्री केजरीवाल को गिरफ्तार किया था।

सीबीआई ने ईडी के मुकदमे में मार्च से न्यायिक हिरासत में बंद केजरीवाल से अदालत की अनुमति के बाद 25 जून को पूछताछ की थी और फिर 26 जून को उन्हें गिरफ्तार किया था। विशेष अदालत ने उसी दिन सीबीआई की गुहार पर उन्हें केंद्रीय जांच एजेंसी की तीन दिन की हिरासत में भेज दिया था। हिरासत अवधि समाप्त होने के बाद विशेष अदालत ने शनिवार 29 जून को उन्हें 12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया था, जिसे बाद में अदालत ने आगे बढ़ा दिया। सीबीआई की ओर से प्राथमिकी दर्ज नहीं की जाती तो श्री केजरीवाल अब तक जेल से रिहा कर दिए गए होते।

रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट : संदिग्ध आतंकियों को लेकर घटनास्थल पहुंची एनआईए, किया निरीक्षण

बेंगलुरु, 05 अगस्त (एजेंसियां)।

बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट की जांच कर रही राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) सोमवार को दो संदिग्ध आतंकियों को लेकर घटनास्थल पर पहुंची। एनआईए ने ब्लास्ट के पांच महीने के बाद घटनास्थल का निरीक्षण किया।

जानकारी के अनुसार, एनआईए की टीम सोमवार सुबह 5.30 बजे रामेश्वरम कैफे पहुंची। उनके साथ ब्लास्ट में शामिल दोनों संदिग्ध आतंकी भी थे। कैफे के बाहर 50 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। इस दौरान लोगों की आवाजाही को रोकने के लिए आसपास के इलाके में बैरिकेड लगा दिए गए।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, एनआईए के अधिकारी ब्लास्ट के पांच महीने के बाद संदिग्ध आतंकी मुसाविर हुसैन शाजिब और मास्टरमाइंड अब्दुल मथीन ताहा को कैफे में लेकर आई। विस्फोट 1 मार्च को हुआ था।

अधिकारियों ने कहा कि घटनास्थल का जायजा इसलिए किया गया ताकि घटना वाले दिन क्या हुआ था, इस बात का अंदाजा लगाया जा सके। एनआईए ने 12 अप्रैल को कोलकाता में बम विस्फोट का संदिग्ध मुसाविर हुसैन शाजिब और मास्टरमाइंड अब्दुल मथीन ताहा को गिरफ्तार किया था। जांच से पता चला कि दोनों संदिग्ध आतंकियों ने व्हाइटफील्ड आईटी कॉरिडोर में से एक आईटी पार्क को निशाना बनाने की योजना बनाई थी ताकि बेंगलुरु की छवि को नुकसान पहुंचाया जा सके और अंतरराष्ट्रीय लेवल पर ध्यान आकर्षित किया जा सके। सूत्रों ने कहा कि आरोपियों ने देश के प्रमुख शहरों के विशेष आर्थिक क्षेत्रों में बम लगाने के लिए भी रिसर्च किया था। उनका मकसद सॉफ्टवेयर के क्षेत्र से जुड़े लोगों को निशाना बनाना और उनमें डर पैदा करना था। आरोपी जानते थे कि इस तरह की घटना से वैश्विक स्तर पर भारत की छवि खराब होगी।

आईटी पार्कों में घुसने में विफल होने के बाद उन्होंने टेक सेक्टर में काम करने वालों को निशाना बनाने की योजना पर काम किया। उन्होंने रामेश्वरम कैफे में ब्लास्ट करने की योजना बनाई, क्योंकि यह व्हाइटफील्ड में टेक कॉरिडोर ब्रुकफील्ड इलाके में स्थित था। रामेश्वरम कैफे में राम नाम ने भी उनका ध्यान आकर्षित किया, जो कैफे को निशाना बनाने के प्रमुख वजहों में से एक था। सूत्रों ने कहा कि बड़ी संख्या में टेकी हर दिन कैफे में आते हैं और आतंकवादियों ने वहां बम लगाने का फैसला किया।

मांडविया और सिंधिया ने पेरिस ओलंपिक के लिए स्मरणीय डाक टिकट किए जारी

नई दिल्ली, 05 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्रीय युवा कार्यक्रम, खेल, श्रम और रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और केंद्रीय संचार और उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने 33वें ओलंपिक पेरिस 2024 के उपलक्ष्य में सोमवार को संयुक्त रूप से स्मरणीय डाक टिकट जारी किए।

आज यहां आयोजित कार्यक्रम में डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा, खेल केवल एक स्पर्धा नहीं हैं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका होते हैं। इन डाक टिकटों का जारी होना खेलों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो राष्ट्रीय गौरव और एथलीटों के लिए प्रोत्साहन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि खेल एक स्वस्थ राष्ट्र को बढ़ावा देते हैं जो कि धन और समृद्धि के लिए आवश्यक है। खेल लोगों को एक साथ लाते हैं, जिससे व्यक्तिगत फिटनेस और राष्ट्रीय कल्याण दोनों में वृद्धि होती है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि सरकार का प्राथमिक ध्यान एथलीटों पर रहा है और सरकार ने सुनिश्चित किया है कि उन्हें सफल होने के लिए जरूरी तमाम सहायता और सुविधाएं मिलें।

उन्होंने कहा कि सरकार ने संसाधनों की कमी को दूर करने के लिए पूरी लगन से काम किया है ताकि एथलीट बिना किसी बाधा के उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने कहा, इन डाक टिकटों को जारी करके हमने अपने खिलाड़ियों और अपने राष्ट्र को याद किया है। आइए हम सभी चीयर फॉर भारत करें और अपने एथलीटों को प्रोत्साहित करें। केन्द्रीय संचार मंत्री सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 33वें ओलंपिक पेरिस 2024 पर एक डाक टिकट जारी करना भारत की ऐतिहासिक खेल विरासत को एक ट्रिब्यूट है। इस टिकट के साथ हम अपने खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत को मान देते हैं और उसे सेलिब्रेट करते हैं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री के विजन के अनुसार आज खेल और खेलों का बुनियादी ढांचा आखिरी मील तक पहुंच रहा है। यहां तक कि हमारे डाक विभाग के कर्मचारी भी खेलों के क्षेत्र में अविश्वसनीय उपलब्धियां दिखा रहे हैं। मुझे यकीन है कि इस टिकट के जरिए हम डाक टिकट संग्रहण के अपने समृद्ध इतिहास में इज़ाफा करेंगे और युवा खिलाड़ियों को खेल क्षमताओं का निर्माण करने और वैश्विक मंच पर भारत को गौरवान्वित करने के लिए प्रेरित करेंगे। मैं पेरिस ओलंपिक 2024 में भाग लेने वाले भारतीय दल को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। कार्यक्रम में हाल ही में ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले सरबजोत सिंह, पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा और स्टीपलचेज एथलीट सुधा सिंह सहित खेल जगत की जानी-मानी हस्तियों के साथ-साथ डाक टिकट संग्रहकर्ता और स्कूली बच्चे भी शामिल हुए।

अनुच्छेद 370 हटाए जाने से जम्मू कश्मीर और लद्दाख में लोकतंत्र मजबूत हुआ: शाह

नई दिल्ली, 05 अगस्त (एजेंसियां)।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के पांच वर्ष पूरे होने के मौके पर सोमवार को कहा कि इससे जम्मू कश्मीर और लद्दाख में जमीनी स्तर पर लोकतंत्र मजबूत हुआ है।

श्री शाह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अनुच्छेद 370 और 35 ए के ऐतिहासिक निरस्तीकरण के पांच साल पूरे हो गए हैं। इस परिवर्तनकारी निर्णय ने हाशिए पर मौजूद वर्गों के सशक्तिकरण के एक नए युग की शुरुआत की है और जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत किया है। क्षेत्र के युवाओं ने सामाजिक-आर्थिक विकास और सांस्कृतिक पुनरुत्थान को प्रेरित किया है, जिससे शांति और व्यापक विकास को बढ़ावा देने के मोदी सरकार के प्रयासों को बड़ी सफलता मिली है।

उन्होंने कहा, हम इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए मोदी जी को धन्यवाद देते हैं और क्षेत्र की आकांक्षाओं और परिवर्तनकारी प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए अपने समर्पण की पुष्टि करते हैं। उल्लेखनीय है कि मोदी सरकार ने पांच वर्ष पहले आज के ही दिन जम्मू कश्मीर से संबंधित अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया था।

भाजपा ने श्रीनगर में अनुच्छेद 370 हटाए जाने की पांचवी वर्षगांठ पर मनाया जश्न

श्रीनगर, 05 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं ने सोमवार को श्रीनगर में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने की पांचवीं वर्षगांठ धूमधाम से मनाई। भाजपा कार्यकर्ता आज यहां जवाहर नगर पार्टी कार्यालय में एकत्रित हुए और हाथों में राष्ट्रीय तिरंगा और पार्टी का झंडा लेकर राष्ट्र और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पक्ष में नारे लगाए। महिलाओं सहित भाजपा कार्यकर्ता जम्मू-कश्मीर आजाद हुआ पांच अगस्त को नारे लगा रहे थे।

इस अवसर पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए भाजपा कश्मीर इकाई के प्रवक्ता अल्ताफ ठाकुर ने कहा कि आज के दिन जम्मू-कश्मीर का भारत संघ में पूर्ण विलय हुआ था, जो लोगों के लिए जश्न मनाने लायक है। इस बीच नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने भाजपा को जश्न मनाने और दूसरों को जेल में बंद करने की अनुमति देने के लिए सरकार पर निशाना साधा। श्री अब्दुल्ला ने एक्स पर लिखा, जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए यही होता है। मुट्ठी भर भाजपा नेताओं को आज जश्न मनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जबकि जो लोग जम्मू-कश्मीर के साथ जो कुछ हुआ उसके खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराना चाहते थे, उन्हें घाटी भर में घरों में बंद कर दिया गया है।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत किया जा रहा है : नड्डा

नई दिल्ली, 05 अगस्त (एजेंसियां)।

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने सोमवार को कहा कि देश भर में 36 हजार जन औषधि केन्द्र खुल गये हैं और 25 हजार केन्द्र और खोले जायेंगे।

श्री नड्डा ने अपने विभाग की अनुदान मांगों पर लोकसभा में हुई चर्चा का जवाब देते हुये सदस्यों को आश्वासन दिया कि आयुष्मान डिजिटल मिशन के तहत रखा जा रहा रिकॉर्ड पूरी तरह गोपनीय रहता है। उन्होंने कहा कि जन औषधि केन्द्र से मिलने वाली दवायें इस प्रणाली से बाहर बिक रही दवाओं के मुकाबले 50 से लेकर 80 प्रतिशत तक सस्ती होती हैं। श्री नड्डा ने वर्ष 2024-25 के बजट में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के बजट के प्रावधानों पर प्रकाश डालते हुये कहा कि वर्ष 2014 की तुलना में स्वास्थ्य विभाग के बजट में

164 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह 33278 करोड़ रुपये से बढ़कर अब 90958 करोड़ रुपये हो गया है। बहस में शामिल कई सदस्यों द्वारा स्वास्थ्य बजट को सकल घरेलू उत्पाद के दो प्रतिशत से ऊपर ले जाने के सुझावों के संबंध में कहा कि इस समय स्वास्थ्य विभाग का बजट सकल घरेलू उत्पाद का 1.9 प्रतिशत हो गया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत आयुष्मान कार्ड से 12 करोड़ परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। देश की 40 प्रतिशत आबादी इसके तहत कवर हो रही है। आयुष्मान कार्ड के तहत 48 प्रतिशत लाभार्थी महिलायें हैं। श्री नड्डा ने कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर के तहत एक लाख 73 हजार मंदिर खड़े किये गये हैं। आयुष्मान डिजिटल मिशन के तहत लोगों का चिकित्सा रिकॉर्ड रखा जहा रहा है जो पूरी तरह गोपनीय रहता है। पीएम भीम हेल्थ मिशन के तहत किये जा रहे कार्यों का संचालन एवं क्रियान्वयन तेज किया जा रहा है। उन्होंने पिछले 10 वर्षों में सरकार द्वारा अस्पताल और मेडिकल कालेज जैसी स्थापित बुनियादी सुविधाओं का उल्लेख करते हुये कहा कि देश में 22 अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को स्वीकृति दी गयी है। इनमें 18 संचालित हो रहे हैं और चार निर्माणाधीन हैं। एक एम्स के निर्माण पर 15 से 20 हजार करोड़ खर्च होते हैं। उन्होंने कहा कि देश में 731 मेडिकल कालेज संचालित किये जा रहे हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिला अस्पतालों में 381 दवायें मुफ्त दी जा रही हैं। कैंसर की शुरुआती स्तर पर ही जानकारी हासिल करने के की दिशा में कदम उठाये जा रहे हैं। कैंसर की दवायें सस्ती की जा रही हैं। श्री नड्डा ने कहा कि सिकिल सेल बीमारी के उन्मूलन को सरकार सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इन्द्रधनुष योजना के तहत टीकाकरण कार्य को व्यापक और तेज किया गया है। पोलियो का देश से उन्मूलन कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि कोरोना के जनवरी 2020 में देश के पहले मामले के आने के नौ महीने के भीतर इसके दो स्वदेशी टीके तैयार करके भारत ने दुनिया को चौका दिया था। दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे तेज कोरोना टीकाकरण अभियान देश में चलाया गया।

श्री नड्डा ने कहा कि मोदी सरकार ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में लंबी छलांग लगाई है और सरकार के प्रयास दूरगामी प्रभाव छोड़ने वाले हैं। उन्होंने कहा कि सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के साथ सबके लिये स्वास्थ्य सुविधायें सुलभ कराने का प्रयास कर रही है। इसके बाद आम बजट में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के नियंत्राधीन अनुदान मांगें ध्वनिमत से पारित कर दी गयीं।

राज्यसभा में कांग्रेस पर भड़के शिवराज सिंह चौहान, कहा

कांग्रेस के हाथ किसानों के खून से सने हैं किसान कभी इनकी प्राथमिकता ही नहीं रहा

नई दिल्ली, 05 अगस्त (एजेंसियां)।

राज्यसभा में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को किसानों की आत्महत्या को लेकर कांग्रेस पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने विपक्ष पर भड़कते हुए कहा कि मैंने कहा था कि मुझे छेड़ोगे तो छोड़ूंगा नहीं। जब कांग्रेस अलग-अलग राज्यों में सत्ता में थी, तब किसान मारे गए थे। इनके सामने दिग्विजय सिंह बैठे हैं, इनके हाथ खून से सने हैं। 24-24 किसानों को मारा गया।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सदन में कांग्रेस शासन के दौरान हुए गोलीकांड को गिनाते हुए कहा कि साल 1986 में जब कांग्रेस की सरकार बिहार में थी, तब गोलीबारी में 23 किसान मारे गए थे। 1988 में दिल्ली में इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर गोली चलाई गई थी, उसमें दो किसान मारे गए थे। 1988 में ही मेरठ में किसानों पर गोलीबारी हुई थी और 5 किसान मारे गए थे, 23 अगस्त 1995 में हरियाणा में इनकी

सरकार ने गोली चलाई थी, जिसमें 6 किसान मारे गए थे। 19 जनवरी 1998 को मुलताई, एमपी में किसानों पर गोली चली, कांग्रेस की सरकार थी, 24 किसान मारे गए।

उन्होंने कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए कहा कि हम किसान सम्मान निधि पर चर्चा कर रहे थे। कांग्रेस ने किसानों को सीधी मदद की बात की, लेकिन कांग्रेस ने कभी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी योजना नहीं बनाई। यह योजना हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनाई। उन्हें (विपक्ष) समझ में नहीं आएगा, लेकिन छोटे किसानों के लिए 6,000 रुपये की राशि मायने रखती है। इस किसान सम्मान निधि के कारण किसान आत्मनिर्भर बने हैं, किसान सशक्त भी हुए हैं और किसानों का सम्मान भी बढ़ा है। उन्हें (विपक्ष) किसानों का सम्मान नहीं दिख रहा है।

उन्होंने कहा कि जब मैं कृषि मंत्री बना तो मुझे लगा कि जितने भी प्रधानमंत्री देश में आज तक बने, मुझे उन सभी के भाषण पढ़ना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण भाषण होता है 15 अगस्त का लालकिले की प्राचीर से, मैंने सुना किसानों के लिए किस प्रधानमंत्री ने क्या कहा, आज मैं दुख के साथ ये तथ्य उद्घाटित कर रहा हूं कि जब मैंने वो भाषण पढ़े, तो, मैं हैरान हो गया, कांग्रेस की प्राथमिकता किसान नहीं है, स्वर्गीय पंडित जवाहर लाल नेहरू जी का मैं आदर करता हूं, लेकिन उनके मैंने 15 अगस्त के सारे भाषण पढ़े। 1947 में एक भी बार किसान का नाम नहीं लिया।

1948 में एक बार 1949 में एक बार 1950, 1951, 1952, 1953, 1954, 1955, 1956, 1957, 1958, 1959, 1960 में एक भी बार किसान शब्द उनके भाषण में नहीं आया।

हिंदू परिवारों के धर्मांतरण की एक और साजिश नाकाम

बरेली में रंगे हाथों पकड़ा गया पादरी

बरेली, 05 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में ईसाई मिशनरी की एक और बड़ी साजिश को हिंदू संगठनों ने नाकाम कर दिया है। प्रार्थना सभा की आड़ में हिंदू समाज के भोले-भाले लोगों को लालच देकर मतांतरण कराया जा रहा था। विहिप और बजरंगदल ने पुलिस बुला ली। छापेमारी में रंगे हाथ पकड़े गए ईसाई मिशनरी से जुड़े पादरी ईश्वर पी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मौके से भारी मात्रा में मिशनरी साहित्य भी बरामद हुआ है।

एक सप्ताह के अंदर यह दूसरा मौका है, जब बरेली में हिंदू समाज के गरीब और अशिक्षित परिवारों को मतांतरण का षडयंत्र सामने आया है। कुछ ही दिन पहले बरेली पुलिस ने ऐसी कार्रवाई थाना इज्जतनगर क्षेत्र में की थी, जहां से मतांतरण की साजिश के मामले में अमेरिकी संस्था से जुड़े पादरी प्रेम जोनल पर कानूनी शिकंजा कसा गया था। बरेली महानगर में पादरी की गिरफ्तारी का मामला अभी ठंडा भी नहीं पड़ा था, कि वैसा ही मामला थाना बहेड़ी क्षेत्र में पकड़े जाने से हिंदू संगठनों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है।

पुलिस के मुताबिक, बहेड़ी कस्बे के वार्ड-3 सिंह गौटिया नई बस्ती में मतांतरण रैकेट चलाया जा रहा था। विश्व हिंदू परिषद और बजरदंग दल के कार्यकर्ताओं को इसकी जानकारी हुई तो मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई और ईसाई मिशनरी के ठिकाने पर छापेमारी की। इस कार्रवाई से मतांतरण के षडयंत्र में शामिल लोगों में हड़कंप मच गया। मौके से पुलिस ने हिंदू समाज के लोगों का लालच देकर मतांतरण करा रहे पादरी ईश्वर पी को गिरफ्तार कर लिया, जो बहेड़ी क्षेत्र के घाट गांव का रहने वाला है और ईसाई मिशनरी से जुड़ा है।

छापेमारी में ईश्वरी पी के ठिकाने से मिशनरी साहित्य भी पकड़ा गया है, जिसका इस्तेमाल हिंदू समाज के भाले-भाले लोगों को गुमराह करने के लिए किया जाता था। स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि पादरी ईश्वर पी हिंदू समाज के पवित्र ग्रंथ रामचरित मानस को लेकर गलत टिप्पणियां करता था और बाइबिल में खूबियां बताकर लोगों को ईसाई बनने के लिए बरगलाता था। पुलिस ने हिंदू संगठन कार्यकर्ता नेत्रपाल सिंह की ओर से ईश्वर पी के खिलाफ मतांतरण के षडयंत्र के मामले में केस दर्ज किया है। पुलिस पकड़े गए पादरी ईश्वर पी से जुड़े बाकी लोगों के बारे में भी छानबीन कर रही है, ताकि मामले की तह में पहुंचा जा सके।

हिंदू जागरण मंच बरेली के जिलाध्यक्ष अरुण फौजी और विहिप नेता हिमांशु पटेल ने कहा कि बरेली और आसपास के जिलों में मिशनरी ताकतें लगातार मतांतरण की साजिश में जुटी हैं। भोले-भाले हिंदू समाज के लोगों को प्रलोभन देकर उनका मतांतरण कराने के मामले बार-बार सामने आ रहे हैं। हिंदूवादी नेताओं ने पुलिस प्रशासन से गहराई जांच पड़ताल कर मतांतरण की साजिश में शामिल मिशनरी ताकतों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई है।

यूपी को सौर ऊर्जा से जगमग करेंगे 30 हजार सूर्य-मित्र

लखनऊ, 05 अगस्त (एजेंसियां)। हर घर सोलर पैनल लगाने के पीएम मोदी के विजन को उत्तर प्रदेश में तेजी के साथ पूरा करने में योगी सरकार मिशन मोड में जुटी हुई है। पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत युवाओं को सूर्य मित्र के रूप में प्रशिक्षित करने का कार्य हो रहा है। उत्तर प्रदेश में भी 30 हजार युवाओं को सूर्य मित्र के रूप में प्रशिक्षित किया जाना है। अबतक 3 हजार युवाओं को सूर्य मित्र के रूप में प्रशिक्षित किया जा चुका है। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में स्किल्ड मैन पॉवर तैयार करने के लिए राष्ट्रीय सौर ऊर्जा मिशन के तहत सूर्य मित्रों को तैयार करने की योजना है, जिससे सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए कुशल कारीगरों का सृजन हो सके।

दरअसल, फरवरी 2023 में पीएम सूर्य घर योजना की शुरुआत के बाद पूरे देश में 1 करोड़ सोलर रूफ टॉप लगाने का लक्ष्य है। वहीं पीएम मोदी द्वारा संकल्पित इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने अपनी ओर से प्रदेश में 25 लाख सोलर रूफ टॉप लगाने का संकल्प लिया है। मौजूद आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में 18 लाख से अधिक घरों पर सोलर रूफ टॉप लगाने के लिए रजिस्ट्रेशन पूरा हो चुका है, जबकि लगभग दो लाख घरों के लिए अप्लिकेशन भी सबमिट किया जा चुका है। वहीं 10 हजार से अधिक घरों पर सोलर रूफ टॉप लगाने की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। सौर ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने 'नेट बिलिंग/नेट मीटरिंग की व्यवस्था लागू की है। यही नहीं प्रदेश के 10 लाख घरों पर रूफ टॉप लगाने के लिए यूपीनेडा को टाटा ग्रुप का भी साथ मिला है। फिलहाल वाराणसी से इसकी शुरुआत भी हो चुकी है।

इतने बड़े पैमाने पर सोलर रूफ टॉप लगने के बाद इस क्षेत्र में दक्ष युवा मैनपावर की आवश्यकता होगी, जिसे देखते हुए यूपीनेडा की ओर से ट्रेनिंग सेंटरों और जिलों के आईटीआई संस्थानों के माध्यम से 30 हजार सूर्य मित्रों के प्रशिक्षण का लक्ष्य रखा गया है। विभाग के अनुसार अबतक 3 हजार सूर्य मित्रों का प्रशिक्षण पूरा कर लिया गया है। सरकार की मंशा है कि सौर ऊर्जा से जुड़े उद्योगों की आवश्यकता को पूरा करने वाले कुशल और रोजगार योग्य मैन पावर (सूर्य मित्र) को विकसित किया जाए। सूर्य मित्रों की ट्रेनिंग की अवधि तीन माह की है, जिसमें कक्षा प्रशिक्षण, व्यवहारिक प्रयोगशाला, एसपीवी प्लांट एक्सपोजर, सेवाकालीन प्रशिक्षण (ओजेटी), सॉफ्ट स्किल्स (आसान कौशल) और उद्यमिता कौशल सहित 600 घंटे की ट्रेनिंग शामिल हैं।

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव का वार्षिक कैलेंडर तैयार

लखनऊ, 05 अगस्त (एजेंसियां)। काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ का शुभारंभ 9 अगस्त से होगा। इसके उपरांत पूरे वर्षपर्यंत शहीदों, महापुरुषों की जयंती-बलिदान दिवस पर राष्ट्रभक्ति से जुड़े आयोजन होंगे। योगी सरकार के निर्देश पर संस्कृति विभाग ने काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव का वार्षिक कैलेंडर तैयार किया है। इसके तहत महात्मा गांधी-लाल बहादुर शास्त्री की जयंती, सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती, रानी लक्ष्मीबाई जन्मदिवस, अटल बिहारी वाजपेयी जयंती, मंगल पांडेय जयंती, क्रांति दिवस, शहीदी दिवस, काकोरी बलिदान दिवस समेत गुमनाम शहीदों की जयंती/बलिदान दिवस आदि पर अनेक कार्यक्रम कराए जाएंगे। कलाकारों व युवाओं को योगी सरकार खेल, साहित्यिक व सांस्कृतिक मंच भी मुहैया कराएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग ने काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव का वार्षिक कैलेंडर तैयार किया है। इसके तहत 9 अगस्त 2024 से कार्यक्रमों का आगाज होगा। इसके पश्चात दो अक्टूबर को महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जन्मदिन पर स्वाधीनता संग्राम के नायकों की वेशभूषा में 100 बालकों की लखनऊ में गांधी प्रतिमा से विधान भवन तक रैली निकलेगी। 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर राष्ट्रीय एकता दौड़ निकलेगी। युवा कल्याण व खेल विभाग द्वारा ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों में खेल प्रतियोगिताएं होंगी। 19 नवंबर को रानी लक्ष्मीबाई के जन्मदिवस पर शौर्य पर्व, महिला कल्याण विभाग द्वारा वीरांगना सम्मान, मिशन शक्ति, विविध जागरूकता होगी। 26 नवंबर को संविधान दिवस पर हमारा गणतंत्र-अभिलेख प्रदर्शनी लगेगी। वहीं 19 दिसंबर को काकोरी बलिदान दिवस पर वृहद ड्रोन शो होगा। साथ ही शाहजहांपुर, लखनऊ, अयोध्या, गोंडा व गोरखपुर में काकोरी पर आधारित महानाट्य का मंचन होगा। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती (सुशासन दिवस) पर लखनऊ व आगरा के बटेश्वर में कवि सम्मेल, प्रदर्शनी, किसान मेला आदि लगाया जाएगा।

सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर तैयार शताब्दी वर्ष कैलेंडर में 2025 के आयोजनों का भी खाका तैयार है। 12 जनवरी 2025 को स्वामी विवेकानंद की जयंती पर राष्ट्रीय युवा दिवस के तहत युवा कल्याण विभाग की तरफ से राज्य युवा महोत्सव होगा। यूपी के सभी 75 जनपदों में महिला व युवक मंगल दल की तरफ से 100-100 सदस्यों की साइकल रैली भी निकाली जाएगी। 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश दिवस के शुभारंभ कार्यक्रम पर उत्तर प्रदेश के लोकनृत्यों का विश्व रिकॉर्ड कायम होगा। सूबे के सभी 75 जनपदों में प्रदर्शनी व महोत्सव भी होगा। 23 मार्च (शहीदी दिवस) पर रंग दे बसंतीः 100 कथक कलाकारों की राष्ट्रभक्तिपूर्ण तथा शहीद भगत सिंह पर नाट्य प्रस्तुतियां भी होंगी।

विगत दिनों हुई बैठक में मुख्यमंत्री को संस्कृति विभाग की तरफ से बताया गया कि 10 मई को 100 मीटर कैनवास पर 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की गाथा का चित्रांकन होगा।

अयोध्या बलात्कार कांड का अभियुक्त

भदरसा दंगे का भी मास्टरमाइंड रहा है मोईद खान

अयोध्या, 05 अगस्त (एजेंसियां)। अयोध्या में अति पिछड़ा वर्ग की नाबालिग लड़की से गैंगरेप करने वाले समाजवादी पार्टी का नेता मोईद खान बेहद कम समय में करोड़ों का मालिक बन बैठा है। मोईद खान सिर्फ दूसरी कक्षा तक पढ़ा-लिखा है, वह भी मदरसे में। इसके बावजूद उसने पिछले 15 साल में 50 करोड़ रुपए से अधिक की सम्पत्ति बना ली है। वह 2012 के भदरसा दंगे का भी आरोपी रहा है।

रेप की घटना सामने आने के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने पीड़ित से मुलाकात की थी। उसके बाद उन्होंने स्थानीय एसए-चओ रतनलाल शर्मा और अखि-लेश गुप्ता को निलंबित करने का आदेश जारी करने के साथ ही मोईद खान की सम्पत्तियों की जांच का भी आदेश दिया था। इसके बाद राजस्व विभाग की टीम सक्रिय हो गई और जांच शुरू कर दी। हालांकि, अखिलेश यादव मोईन के पक्ष में खुलकर खड़े हो गए हैं। एडीएम प्रशासन अनिरुद्ध प्रताप सिंह ने बताया कि अभी मोईद खान की एक करोड़ रुपए की जमीन चिह्नित हुई है। उसकी बेकरी सरकारी तालाब की जमीन पर 3000 स्कायर फीट में बनी थी। इसको प्रशासन ने तोड़ दिया है। इस बीच पिछले 48 घंटे में अयोध्या और आसपास के कई लोग शिकायत लेकर आए हैं कि उनकी जमीन पर मोईद खान ने जबरन कब्जा किया है। इन सबकी जांच चल रही है।

भदरसा के मुख्य बाजार में भी मोईद खान की एक बिल्डिंग है। वहां भी प्रशासन पहुंचा था, लेकिन उसे अभी तोड़ा नहीं गया है, क्योंकि उसमें पंजाब नेशनल बैंक की एक ब्रांच संचालित हो रही है। जिला प्रशासन ने पंजाब नेशनल बैंक को इस मकान को खाली करने का नोटिस दिया है। माना जा रहा है कि बैंक द्वारा मकान खाली करने के बाद इसे भी तोड़ दिया जाएगा।

जांच के दौरान यह बात भी सामने आई है कि समाजवादी पार्टी का नेता मोईद खान साल 2012 में हुए भदरसा दंगे का आरोपी रह चुका है। मोईद खान साल 2012 से ही समाजवादी पार्टी का नगर अध्यक्ष है। सपा से पहले वह कांग्रेस के लिए चुनाव का काम-काज देखता था। साल 2012 से उसका राजनीतिक और आर्थिक रसूख बढ़ता गया है। इतना ही नहीं, मोईद खान का दोस्त और भदरसा नगर पंचायत अध्यक्ष राशिद खान भी भदरसा दंगे का आरोपित रहा है। राशिद खान समाजवादी पार्टी का नेता है। उसकी अखिलेश यादव और अवधेश प्रसाद के साथ तस्वीरें वायरल हो रही हैं। अयोध्या गैंगरेप का खुलासा होने के बाद राशिद खान ने मोईद को बचाने के लिए पीड़ित परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी थी। इस मामले में एफआईआर दर्ज हो चुकी है।

पुलिस को दी गई शिकायत में कहा गया है कि मोहम्मद राशिद खान ने पीड़िता के घर घुसकर उस पर सुलह करने का दबाव डाला था। उसने धमकी देते हुए कहा था, सुलह नहीं करोगी तो जान से जाओगी। इसको लेकर शिकायतकर्ता ने पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करने का आग्रह किया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है।

जब भदरसा दंगा हुआ था, उस समय नगर पंचायत का अध्यक्ष मोहम्मद अहमद था। मोहम्मद अहमद वर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष मोहम्मद राशिद का पिता है।

अहमद दंगा भड़काने का मुख्य आरोपी था। उस पर मिट्टी का तेल बंटवाकर दंगा भड़काने का आर-ोप लगा था। उस समय प्रदेश में सपा की सरकार थी। लोगों का कहना है कि सपा नेता होने का फायदा मोईद खान को मिला और वह बच गया। मोईद खान के मोहल्ले वालों का कहना है कि वह ज्यादा पढ़ा-लिखा नहीं है। वह मदरसे में दो साल ही गया था। इसके बाद पढ़ाई छोड़कर व्यवसाय करने में लग गया। उसने कई व्यवसाय किए, लेकिन कुछ चला नहीं। इसके बाद उसने जमीनों का काम करने लगा। इस काम में उसने जमकर पैसा बनाया। उस दौरान वह 18 साल था और कांग्रेस के दफ्तर में बैठने लगा था। 2012 में वह सपा में शामिल हो गया।

जिस बेकरी को प्रशासन ने तोड़ा है, उसे मोईद खान ने 6 साल पहले शुरू की थी। वहीं, एक और बेकरी की दुकान को सील कर दिया गया है। मोईन बेकरी वाली को भी कब्जा किया था। मोईद खान कब्रिस्तान, चकबंदी की सरकारी जमीनें और लोगों की जमीनों पर कब्जा कर उन्हें बेच देता था। पिछले कुछ दिनों में कई लोगों ने पुलिस प्रशासन में मोईन द्वारा उनकी जमीनों पर कब्जे की शिकायत की है। मोईन खान के 4 बेटे हैं। उसके सबसे बड़े बेटे का नाम जहीर, फिर नदीम, नफीस और सबसे छोटे बेटे का नाम जावेद है। उसकी 2 बेटियां भी हैं। उसके 3 बेटे उसके साथ मिलकर बेकरी का काम संभालते हैं बड़ा जहीर बेटा दुकान चलाता है और 2 बेटे नदीम एवं नफीस बेकरी को बेचने के लिए सेल्समैन का काम करते हैं। वहीं, छोटा बेटा जावेद अभी पढ़ाई कर रहा है।

झांसी, ललितपुर और चित्रकूट बनेगा सोलर पावर पार्क का हब

लखनऊ, 05 अगस्त (एजेंसियां)। प्रदेश में सोलर एनर्जी को प्रोत्साहित कर रही योगी सरकार की पहल का असर दिखने लगा है। सिर्फ सिटी ही नहीं, बल्कि गांवों तक सोलर एनर्जी को पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम बुंदेलखंड रीजन को सौर ऊर्जा का हब बनाने के लिए प्रदेश सरकार सोलर पार्क विकसित कर रही है। इसमें झांसी, ललितपुर और चित्रकूट में सबसे बड़े सोलर पार्क को 9 हजार एकड़ में विकसित किया जा रहा है, जहां पर 2 हजार मेगावाट का सोलर प्लांट स्थापित किया जाएगा। इससे प्रतिवर्ष 4700 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन होगा। इसके लिए 32 गांव की लक्षित भूमि को लीज पर लेने की प्रक्रिया जारी है। अब तक 8 हजार से अधिक भूमि लीज पर अधिग्रहित की जा चुकी है यानी भूमि अधिग्रहण का लगभग 90 प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो चुका है। वहीं योगी सरकार ने तीनों परियोजनाएं को दिसंबर 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य दिया है। जानकारों की मानें तो निर्धारित लक्ष्य से पहले ही तीनों परियोजनाओं को शुरू कर दिया जाएगा। इसके जरिये 18 हजार से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

सीएम योगी के निर्देश पर बुंदेलखंड के झांसी, ललितपुर और चित्रकूट में ग्राउंड माउंटेड अल्ट्रा मेगा सोलर पावर पार्क विकसित करने की दिशा में तेजी से कदम उठाये जा रहे हैं। ललितपुर के जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने बताया कि 2700 एकड़ में सोलर पार्क विकसित करने के लिए अब तक 1317.80 एकड़ सरकारी और 1022.73 एकड़ निजी भूमि को चिन्हित किया जा चुका है। इसमें लगभग 86 प्रतिशत भूमि लीज पर अधिग्रहित की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि तहसील तालबेहट के करीब 9 गांव क्रमशः पवा, सरखड़ी, बर्माबिहार, शाहपुर, तालबेहट अंदर (खांडी), पिपरई, गेवरागुंडेरा, झरार और कडेसराकलांन की जमीन को चिन्हित किया गया है। यहां पर फैंसिंग कार्य एवं सौर ऊर्जा निकासी के लिए आंतरिक ग्रिड सब स्टेशन के निर्माण का काम यूपीपीसीएल की ओर से किया जा रहा है। 600 मेगावाट क्षमता के इस प्लांट से प्रतिवर्ष 1400 मिलियन यूनिट बिजली का उत्प-ादन किया जाएगा। इसके साथ ही 210 कुशल एवं 4850 अकुशल श्रमिकों को रोजगार के साधन उपब्लध होंगे। वहीं परियोजना के संचालन एवं रखरखाव की 25 वर्ष की अवधि में लगभग 200 कुशल एवं 360 अकुशल श्रमिकों को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

झांसी के जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने बताया कि सीएम योगी की मंशा के अनुरूप सोलर पार्क बनाने के लिए लीज पर भूमि अधिग्रहीत की कार्रवई युद्धस्तर पर चल रही है। यहां पर 2700 एकड़ में सोलर पार्क विकसित करने के लिए तहसील गरौठा के 8 गांव क्रमशः खदौरा, जलालपुरा, पुरा, जसवंतपुरा, सुजानपुरा, नदौरा, बरारू एवं मोतीकटरा की भूमि चिन्हित की जा रही है। अब तक 263.77 एकड़ सरकारी भूमि एवं 2328.67 एकड़ निजी भूमि लीज पर अधिग्रहीत की जा चुकी है। ऐसे में अब तक 96 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा हो चुका है।

यहां पर फैंसिंग कार्य एवं सौर ऊर्जा निकासी के लिए आंतरिक ग्रिड सब स्टेशन के निर्माण का काम यूपीपीसीएल की ओर से किया जा रहा है। इस 600 मेगावाट क्षमता के सोलर पावर प्लांट से 1400 मिलियन यूनिट विद्युत का उत्पादन प्रतिवर्ष होगा। इससे 210 कुशल एवं 4850 अकुशल श्रमिकों को रोजगार मिलेगा। वहीं परियोजना के संचालन एवं रखरखाव की 25 वर्ष की अवधि में लगभग 200 कुशल एवं 360 अकुशल श्रमिकों को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

चित्रकूट में 3400 एकड़ भूमि पर 800 मेगावाट क्षमता के सोलर प्लांट की स्थापना के लिए तहसील मऊ के 15 गांव की भूमि लीज पर लेने की प्रक्रिया चल रही है। इसमें छतैनीमांफी, खरगडाह, गाहुर, कटैईयाडांडी, मनकाछतैनी, चचोखर, छरेहरा, डोंडियामांफी, कोटवामांफी, उसरीमांफी, बर्गाह, अटारीमाजरा, गोईयाकलां, गोईयाखुर्द एवं सेमरा गांव की जमीन लीज पर ली जा रही है। अब तक 3400 एकड़ भूमि के सापेक्ष 1249.50 एकड़ सरकारी भूमि एवं 1821.51 एकड़ निजी भूमि लीज पर अधिग्रहित की जा चुकी है। ऐसे में अब तक 90 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा हो चुका है। यहां पर फैंसिंग कार्य एवं सौर ऊर्जा निकासी के लिए आंतरिक ग्रिड सब स्टेशन के निर्माण का काम यूपीपीसीएल की ओर से किया जा रहा है। यहां पर 1900 मिलियन यूनिट विद्युत का उत्पादन प्रतिवर्ष होगा। वहीं प्लांट की स्थापना के दौरान 265 कुशल एवं 6050 अकुशल श्रमिकों को रोजगार मिलेगा।

ग्रेटर नोएडा में आई रेजिडेंशियल ग्रुप हाउसिंग और इंस्टीट्यूशनल प्लॉट्स की स्कीम

लखनऊ/ग्रेटर नोएडा, 05 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के समेकित विकास का खाका खींच रही योगी सरकार ने ग्रेटर नोएडा में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट की गति तेज कर दी है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश को वन ट्रिलियन इकॉनमी बनाने के लिए एक ओर तेजी से प्रयास जारी हैं, वहीं प्रदेश के नागरिकों को वर्ल्ड क्लास सुविधाओं तक पहुंच बनाने के लिए भी योगी सरकार तेजी से आगे बढ़ रही है। इसी क्रम में, ग्रेटर नोएडा में सीएम योगी के विजन अनुसार अब रेजिडेंशियल ग्रुप हाउसिंग व इंस्टीट्यूशनल प्लॉट्स के आवंटन के लिए नई स्कीम लेकर आई है। उल्लेखनीय है कि 19 रिहाइशी ग्रुप हाउसिंग व 9 इंस्टीट्यूशनल प्लॉट्स के आवंटन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके अंतर्गत रेजिडेंशियल स्कीम के तहत सेक्टर 18, सेक्टर 17 और सेक्टर 22डी में प्लॉट प्राप्त कर बिल्डर्स रेजिडेंशियल टाउनशिप डेवलप कर सकेंगे। वहीं, इंस्टीट्यूशनल प्लॉट्स के तहत सेक्टर 17, सेक्टर 18, सेक्टर 20, सेक्टर 22ई व सेक्टर डी में हॉस्पिटल, नर्सिंग होम व नर्सरी स्कूलों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त होगा।

यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) द्वारा लायी गई इन स्कीमों के अंतर्गत सितंबर महीने में सभी आवंटन प्रक्रियाओं को पूरा कर लिया जाएगा। इतना ही नहीं, सितंबर में ही यीडा द्वारा 361 रेजिडेंशियल प्लॉट्स के आवंटन का ड्रॉ भी निकाला जाएगा। दूसरी ओर, बैंक्वेट व मैरिज हॉल के लिए 3 प्लॉट्स के आवंटन के लिए ई-ऑक्शन की प्रक्रिया को भी पूरा किया जाएगा।

योजना के अंतर्गत, 32,375 रुपए प्रति स्क्वेयर मीटर के हिसाब से 19 रेजिडेंशियल ग्रुप हाउसिंग स्कीम के तहत प्लॉट्स का आवंटन होगा जिसके जरिए बिल्डर्स के पास इसे वर्ल्ड क्लास एमिनिटीज से युक्त टाउनशिप में विकसित करने का मौका होगा। इस दौरान 11,513.72 से लेकर 48,564 स्क्वेयर मीटर प्रसार वाले प्लॉट्स के आवंटन का मार्ग प्रशस्त होगा। ये प्लॉट्स ऐसी स्ट्रैटेजिक लोकेशन पर हैं जहां से एफ-1 व मोटो जीपी ट्रैक, यमुना एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे, जेवर एयरपोर्ट, इंटरनेशनल फिल्म सिटी, मेडिकल डिवाइस पार्क व डेडिकेटेड एमएसएमई, एपेरल, हैंडीक्राफ्ट्स तथा टॉय पार्क क्लोज प्रॉग्जिमिटी में होंगे। इन प्लॉट्स के लिए रजिस्ट्रेशन अमाउंट को 3.91 से 17.29 करोड़ के बीच रखा गया है। इन प्लॉट्स का आवंटन ई-ऑक्शन के माध्यम से होगा जिसमें बैंक ऑफ बड़ौदा बैंकिंग पार्टनर की भूमिका निभा रहा है।

रेजिडेंशियल ग्रुप हाउसिंग प्लॉट स्कीम से इतर, यीडा की इंस्टीट्यूशनल प्लॉट स्कीम के अंतर्गत सेक्टर 20 में 5,000 स्क्वेयर मीटर एरिया में चाइल्ड वेलफेयर व मटर्निटी सेंटर तथा सेक्टर 22ई व सेक्टर 20 के 10,115 तथा 10,900 स्क्वेयर मीटर एरिया में हॉस्पिटल का निर्माण प्रशस्त होगा। वहीं, सेक्टर 17, सेक्टर 18 व सेक्टर 22डी में 1,000 से लेकर 2,750 स्क्वेयर मीटर एरिया में नर्सिंग होम का निर्माण व विकास होगा। चाइल्ड वेलफेयर व मटर्निटी सेंटर, हॉस्पिटल तथा नर्सिंग होम संबंधी प्लॉट्स के लिए 22,770 रुपए प्रति स्क्वेयर मीटर की दर से 2.27 से लेकर 24.81 करोड़ रुपए के बीच रिजर्व्ड प्राइस रखा गया है। इसी प्रकार, 15,020 रुपए प्रति स्क्वेयर मीटर की दर से सेक्टर 17 व 22डी में 1,000 से लेकर 1,500 स्क्वेयर मीटर एरिया के प्लॉट्स का आवंटन भी नई स्कीम के जरिए होगा जिसमें प्लॉट्स का रिजर्व्ड प्राइस 1.50 से 2.25 करोड़ के बीच रखी गई है।

संपादकीय

कहर की बरसात

सिसकियां पिछले साल की लौट आईं, बेरहम बरसात ने दरवाजे पे पुनः दस्तक दी। खत पुराने भी यही खबर देते रहे, लेकिन दिल्ली ने हमारी एक न सुनी। विध्वंस की परिक्रमा में पूरा हिमाचल, लेकिन शिमला, कुल्लू और मंडी में कहर की बरसात ने मौत का समुद्र बना दिया। आधा दर्जन बादलों का शृंखलाबद्ध होकर फटना, जिन घाटियों, नदी-नालों, घरों, सडक़ों, योजनाओं-परियोजनाओं और होटलों से होकर गुजरा है, वहां मौत और विनाश का मंजर देखा नहीं जाता। यहां समेग के अस्तित्व को मिटाने वाली बारिश, बागीपुल पर भारी पडऩे वाला पानी और मंडी के जलबहाव में घर-परिवार को मिटाती बाढ़ का रौद्र रूप बता रहा है कि फिलवक्त सारा हिमाचल चीख रहा है। बुधवार की रात से निकली वीरवार की चीख समेग के पत्थरों से लौट कर कानों में शीशा पिघला रही है। कल तक वहां आशियानें थे, आशाएं और बस्ती में मस्ती थी, लेकिन आज न घर बचे, न घर के लोग और न ही धरती का नामोनिशान रहा। करीब साढ़े तीन दर्जन लोगों को निगल कर बारिश सिर्फ छोड़ गई अफसोस, क्रूर यादें और वीभत्स दृश्य, जहां अब अवशेष रो रहे हैं, 'आखिर कहां गए लोग, क्यों गए लोग।' हादसों का प्रदेश बन गया हिमाचल, यहां बारिश अब मौत की सुपारी लेकर आती है। बागीपुल ने एक दर्जन लाशें देखीं, तो पद्धर के पत्थरों में लापता हो गए नौ से दस लोग। बादल हमारी योजनाओं, नीतियों और खुदगर्जी के भी फटे हैं। बादल हमें घूर रहे हैं, क्योंकि हम उसके आस्तीन के सांप हैं। उसके रास्तों के व्यवधान हैं। हम समे की बस्ती में मौत का सामान हैं। हम तरक्कीपसंद हिमाचली नदी-नालों के आसपास विकास का जो मंजर खोज रहे हैं, उसमें कितनी कीलें और कितने विस्फोटक इरादे छुपे हैं कि आज हमारे अस्तित्व के निशान फनां हो रहे हैं। बरसात अब अस्तित्व से लड़ रही है, विकास से लड़ रही है। पंडोह बांध के गेट खोलते हैं, तो मंडी का पंचवक्त्र मंदिर बताता है कि डूबने को अब ईश्वर को भी कोई सहारा नहीं मिल रहा। पहाड़ पर पिछले साल भी कोहराम मचा था। नुकसान के अनुमान में आर्थिकी निकल गई और प्रदेश का वित्तीय घाटा बढ़ गया, लेकिन केंद्र ने हमारी न फरियाद सुनी और न ही पर्वत को समझने की सुध ली। बादल समुद्र से उठते हैं, तो उनका कद और मद अलग होता है। मैदानों के ऊपर उनकी काया और छाया अलग होती है, लेकिन पहाड़ पर वे अपना ठौर, अपना सफर फूल कर जब वजनी होते हैं, तो बारिश का अंतिम चरित्र भयावह हो जाता है। ये जख्म बताते हैं कि बादलों में शैतान छुपा था, लेकिन खंजर में तेरा नाम खुदा था। ये खंजर केंद्र-राज्य की बीच फासलों का है। पहाड़ को न समझने की चुनौती को सभी नजरअंदाज कर रहे हैं। राज्य विनाश की लहरों को न मापने की गलती कर रहा है, तो केंद्र पहाड़ के आंसू पौंछने की मर्यादा भंग कर रहा है। हद तो यह कि बरसात को हिमाचल के महकमे ही हल्के से ले रहे हैं। नदी-नालों के किनारे बढ़ रहे हादसों के बावजूद निर्माण की कोई आचार संहिता लागू नहीं होती। वर्षों पहले से पहली जुलाई से 31 अगस्त तक स्कूली अवकाश निर्धारित थे, लेकिन शिक्षा विभाग का मुख्यालय अपने मौसम खुद तय करके बच्चों के स्कूल पहली अगस्त को खोल देता है। इसी पहली अगस्त की किस्त में डूबे स्कूल और ढहती इमारतें बता रही हैं कि महकमा कहीं बच्चों की जान से खेल रहा है।

> विध्वंस की परिक्रमा में पूरा हिमाचल, लेकिन शिमला, कुल्लू और मंडी में कहर की बरसात ने मौत का समुद्र बना दिया। आधा दर्जन बादलों का शृंखलाबद्ध होकर फटना, जिन घाटियों, नदी-नालों, घरों, सडक़ों, योजनाओं-परियोजनाओं और होटलों से होकर गुजरा है, वहां मौत और विनाश का मंजर देखा नहीं जाता। यहां समेग के अस्तित्व को मिटाने वाली बारिश, बागीपुल पर भारी पडऩे वाला पानी और मंडी के जलबहाव में घर-परिवार को मिटाती बाढ़ का रौद्र रूप बता रहा है कि फिलवक्त सारा हिमाचल चीख रहा है। बुधवार की रात से निकली वीरवार की चीख समेग के पत्थरों से लौट कर कानों में शीशा पिघला रही है। कल तक वहां आशियानें थे, आशाएं और बस्ती में मस्ती थी, लेकिन आज न घर बचे, न घर के लोग और न ही धरती का नामोनिशान रहा। करीब साढ़े तीन दर्जन लोगों को निगल कर बारिश सिर्फ छोड़ गई अफसोस, क्रूर यादें और वीभत्स दृश्य, जहां अब अवशेष रो रहे हैं, 'आखिर कहां गए लोग, क्यों गए लोग।' हादसों का प्रदेश बन गया हिमाचल, यहां बारिश अब मौत की सुपारी लेकर आती है। बागीपुल ने एक दर्जन लाशें देखीं, तो पद्धर के पत्थरों में लापता हो गए नौ से दस लोग। बादल हमारी योजनाओं, नीतियों और खुदगर्जी के भी फटे हैं। बादल हमें घूर रहे हैं, क्योंकि हम उसके आस्तीन के सांप हैं। उसके रास्तों के व्यवधान हैं। हम समे की बस्ती में मौत का सामान हैं।

बांग्लादेश में तख्तापलट

पर्दे के पीछे है चीन सामने पाकिस्तान

डॉ. मोतीलाल गुप्ता 'आदित्य'

भारत के स्थायी दुश्मनों के रूप में भारत को घेरने में मुख्य भूमिका दो देशों की ही है, चीन और पाकिस्तान। दोनों का केंद्र हमारे अगल-बगल, बाएं और दाएं है। एक भारत के बाएं कंधे पर बैठा है, दूसरा दाएं कंधे पर। इन दोनों ने एक दूसरे से हाथ मिला रखा है और मिलकर भारत का गला घोंटने की कोशिश में लगे हुए हैं। यह साफ दिखाई देता है कि बांग्लादेश में जो कुछ भी हो रहा है, उसके पीछे पाकिस्तान की आईएसआई और उसके पीछे चीन है। क्योंकि 1971 में भारत की मदद से शेख मुजीबुर्रहमानहमान ने बांग्लादेश को आजाद करवाया था और पाकिस्तान को सबक सिखाया था। इसलिए उपद्रवी तत्वों द्वारा बांग्लादेश में शेख मुजीबुर्रहमान रहमान, जिन्हें बंग बंधु कहा जाता है और जिनकी स्थिति बांग्लादेश के राष्ट्रपिता जैसी है, उनका खात्मा करवाया। पाकिस्तान से जुड़े तत्व शेख मुजीबुर्रहमान को अपना शत्रु मानते हैं और अभी के आंदोलन के पीछे भी वही पाकिस्तानी तत्व हैं। इसीलिए पाकिस्तान समर्थक कट्टरवादी तत्व शेख मुजीबुर्रहमान की मूर्ति तोड़ रहे हैं। इस्लामी कट्टरवादी और पाकिस्तान समर्थक तत्व, हिंदुओं के भी खिलाफ हैं इसलिए उनके घरों में आग लगा रहे हैं।

चीन भारत को चारों तरफ से घेरने के लिए अपने अड्डे भारत के चारों ओर, सब जगह बना रहा है। शेख हसीना के समय में यह संभव नहीं हो रहा था, क्योंकि उनके संबंध भारत से अच्छे थे। लेकिन पाकिस्तान समर्थक सरकार के बनने के बाद चीन को यहां अपने अड्डे बनाने के लिए जगह मिल सकती है। हालांकि जमात - ए - इस्लामी पाकिस्तान का मुख्य विपक्षी दल नहीं है, लेकिन इस बगावत के पीछे मुख्य भूमिका जमात-ए-इस्लामी की है। यह एक इस्लामी कट्टरवादी दल है जिसके तार पाकिस्तान की आईएसआई से जुड़े हैं।

हालांकि सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा है कि वे जल्द ही बांग्लादेश में अस्थाई सरकार गठित करेंगे लेकिन पूरे घटनाक्रम को देखें तो यह समझ में आता है कि कहीं न कहीं बांग्लादेश के उच्च सैन्य अधिकारी भी इस साजिश में शामिल हैं। जिस प्रकार बांग्लादेश की सड़कों पर और भवनों पर उपद्रवी तत्वों ने कब्जा जमाया हुआ है और सेना बैठकर तमाशा देख रही है, उससे यह भी लग रहा है कि हालात बेकाबू होने के बहाने वह मार्शल लॉ लगाकर सेना कहीं खुद ही सत्ता न संभाल ले। हालांकि अभी किसी नतीजे पर पहुंचना कठिन है। उधर बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत में दिल्ली के निकट गाजियाबाद के हिंडन सैन्य हवाई अड्डे पर उतर चुकी हैं और एक सुरक्षित आवास में मौजूद हैं। संभावना यह है कि वे यहां से किसी यूरोपीय देश में जाएंगी लेकिन जब तक वहां से हरी झंडी नहीं मिलती है, तब तक वे यहीं रहेंगी। घटनाक्रम तेजी से बदल रहा है। भारत में बांग्लादेशी दूतावास की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। भारत सरकार हर स्थिति पर नजर गड़ाए है।

बांग्लादेश में सत्ता पलट भारत के हितों के अनुकूल तो नहीं है। अगर बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं के खिलाफ हिंसा और आगजनी बढ़ती है तो भारत में एक बार फिर शरणार्थियों का आना हो सकता है। भारत सरकार ने बांग्लादेश से लगी लंबी सीमा पर सीमा सुरक्षा बल को सतर्क कर दिया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने प्रधानमंत्री को स्थिति से अवगत करवा दिया है। भारत सरकार बांग्लादेश में हुए सत्ता पलट से उत्पन्न स्थितियों से कैसे निपटती है, यह तो वक्त ही बताएगा। फिलहाल स्थितियां सामान्य होने तक सरकार और सीमा सुरक्षा बल को चौकस रहना पड़ेगा। भारत सरकार पूरे मामले पर नजर बनाए हुई है।

भारत में इस्लाम और मसीही पंथ का आगमन मोटे तौर पर आक्रमणकारियों के माध्यम से हुआ था

राहुल की जनगणना की मांग के परिणाम

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

> भारत का शासन स्वयं संभाल लिया तो उसने 1880 में भारत में पहली बार जनगणना शुरू की। उस समय मरदमशुमारी के लिए हिंदू, मुसलमान और ईसाई के नाम से तीन कॉलम होते थे। सिख, बौद्ध, जैन, ईरानी (पारसी को ईरानी कहा जाता था) की गणना भी अलग होती थी। सन-1900 तक जनगणना इसी हिसाब से चलती रही। इस जनगणना में ब्रिटिश सरकार की यह इच्छा थी कि भारत में विभिन्न मजहबों के लोगों की संख्या कितनी है, यह जान लिया जाए ताकि आगे की रणनीति बनाने में आसानी रहे।

वर्ष 1857 की आजादी की पहली लड़ाई के बाद जब ब्रिटेन ने ईस्ट इंडिया कम्पनी को अपदस्थ कर भारत का शासन स्वयं संभाल लिया तो उसने 1880 में भारत में पहली बार जनगणना शुरू की। उस समय मरदमशुमारी के लिए हिंदू, मुसलमान और ईसाई के नाम से तीन कॉलम होते थे। सिख, बौद्ध, जैन, ईरानी (पारसी को ईरानी कहा जाता था) की गणना भी अलग होती थी। सन-1900 तक जनगणना इसी हिसाब से चलती रही। इस जनगणना में ब्रिटिश सरकार की यह इच्छा थी कि भारत में विभिन्न मजहबों के लोगों की संख्या कितनी है, यह जान लिया जाए ताकि आगे की रणनीति बनाने में आसानी रहे। अब तक भारत में विदेशी मूल के मजहबों को मानने वालों की संख्या भी अच्छी खासी हो गई थी। विदेशी मूल के तीन मजहब ही भारत में पैर पसार रहे थे। इस्लाम पंथ, एशिया पंथ और मसीही पंथ (क्रिश्चियन)। तीनों का भारत में आगमन मोटे तौर पर आक्रमणकारियों के माध्यम से हुआ था। अरबों, तुर्कों व मुगलों के लंबे शासन काल में इस्लाम पंथ में मतांतरित हो जाने वाले भारतीयों की संख्या भी अब तक काफी हो गई थी। इस्लाम पंथ में मतांतरित भारतीयों के अतिरिक्त एटीएम, यानी विदेशी मूल के मुसलमान भी थे। उस समय ईसाइयों की गिनती तो इस देश में नाममात्र ही थी। केरल में कुछ सीरिआई ईसाई थे जिन्होंने कभी अपने देश में इस्लामी आक्रमणों से भाग कर इस देश में शरण ले रखी थी। इसी प्रकार यूरोपीय जातियों को भी भारत के कुछ हिस्सों पर राज करते हुए लगभग सौ साल हो ही गए थे। इसलिए ईसाई पंथ में मतांतरित भारतीयों की भी कुछ संख्या थी ही। कुछ एंग्लो इंडियन थे। लेकिन इनकी संख्या उस समय निश्चित ही उंगलियों पर गिनी जा सकती थी।

वर्ष 1900 की जनगणना में ईसाई केवल एक प्रतिशत थे और मुसलमान 21 फीसदी थे। मुसलमानों में विदेशी मूल के मुसलमान, देसी मुसलमान और शिया मजहब को मानने वाले भी शामिल थे। इन दोनों के अतिरिक्त शेष भारतीय हिंदू हैं। लेकिन यह भी साफ हो गया था कि ब्रिटिश सरकार ने इस जनगणना में हिंदू शब्द को भौगोलिक न मान कर उसे मजहब का द्योतक शब्द मान लिया था। लेकिन 1885 में कांग्रेस और 1905 में मुस्लिम लीग के गठन से देश में कहीं-कहीं कुछ निकायों में भारतीयों को हिस्सा देने के लिए कानून बनने शुरू हो गए थे। यह चयन मतदान द्वारा होता था। यह ठीक है कि मतदान का अधिकार कुछ गिने-चुने भारतीयों को ही

दिया जाता था, लेकिन एक नई पद्धति की शुरुआत तो थी ही। 1909 के अधिनियम में तो विधानपालिकाओं में भी चुनाव द्वारा कुछ स्थान भारतीयों द्वारा भरे जाने थे। इसलिए 1910 की जनगणना से पहले मुसलमानों का एटीएम (अरब, तुर्क, मुगल) मूल का खेमा सक्रिय हो गया। उनकी चिंता थी कि ब्रिटिश सरकार ने इस्लाम पंथी (जिसमें मुसलमान और शिया पंथी दोनों ही शामिल थे) व मसीही के अतिरिक्त अन्य सभी भारतीयों को हिंदू स्वीकार लिया था। इसका अर्थ परोक्ष रूप से यही था कि हिंदू इस देश की भौगोलिक पहचान को ही इंगित करता है। ब्रिटिश सरकार ने मुसलमान और मसीही समुदाय को तो इस भौगोलिक पहचान से अलग कर ही दिया था। लेकिन यदि हिंदू को भी खंडित किया जा सके तो भारत को मानसिक तौर पर घायल करना आसान हो सकता था। 1910 की गणना से पहले एटीएम और ब्रिटिश सरकार ने इस संबंधी पूरी रणनीति तैयार कर ली थी। उसकी शुरुआत आगा खान के ज्ञापन से होती है जो उसने जनगणना के बारे में सरकार को दिया था। लेकिन हिंदू के भौगोलिक आधार को आगे बांटने की जरूरत ब्रिटिश सरकार को क्यों हुई, इसकी चर्चा भीमराव अंबेडकर ने की है। उनका मानना है कि इस प्रश्न का उत्तर मुसलमानों द्वारा आगा खान के नेतृत्व में 1909 में ब्रिटिश सरकार को दिए गए प्रतिवेदन में से मिलेगा।

यह मैमोरंडम आगा खान ने उस समय के वायसराय लार्ड मिंटो को दिया था। आगा खान ने इस प्रतिवेदन में लिखा था कि 1900 की जनगणना में मुसलमानों की संख्या 62 मिलियन है, जो कि भारत की कुल जनसंख्या का 1/5 प्रतिशत से लेकर 1/4 प्रतिशत के बीच ठहरता है। आगा खान ने आगे कहा कि जनगणना में से असभ्य समुदाय के लोगों, जिन्हें छिटपुट मजहब और एनिमिस्ट के नाते दर्ज कर रखा है, को निकाल दिया जाए। दूसरे, उन लोगों को जिन्हें हिंदू मान लिया गया है, लेकिन वे हिंदू नहीं हैं, भी निकाल दिया जाए तो देश में हिंदुओं की तुलना में मुसलमानों की संख्या का प्रतिशत और भी बढ़ जाएगा। अंबेडकर ने वह पूरा मैमोरंडम अपनी किताब 'अछूत कौन थे' में दिया है। लेकिन इस प्रतिवेदन का अगला भाग चौंकाने वाला है, जिसमें आगा खान कहते हैं कि जब भारतीयों को किसी भी संस्थान में उनकी संख्या के बल पर हिस्सेदारी दी जाए तो मुसलमानों को हिस्सेदारी का आधार उनकी संख्या को न माना जाए, बल्कि यह आधार रखा जाए कि मुसलमानों ने ब्रिटिश साम्राज्य की कितनी सेवा की है। आज भी यह शक जाहिर किया जाता है कि आगा खान ने यह प्रतिवेदन स्वयं दिया था या फिर अंग्रेजों ने उसे ऐसा प्रतिवेदन देने के लिए कहा था। ब्रिटिश सरकार ने शायद तभी से देश को विभाजित करने की योजना बनानी शुरू कर दी थी। अंबेडकर ने प्रश्न को आगे और बढ़ाया है। एक बात तो स्पष्ट है कि आगा खान की पिटीशन से वायसराय इतना तो समझ गए थे कि प्रथमया, हिंदू को उसकी भौगोलिकता से काट कर मजहब से पहले ही जोड़ दिया गया है, अब कृत्रिम रूप से उसकी जनसंख्या कम करने का भी अवसर है।

आगा खान ने यह पिटीशन दी थी या ली गई थी, यह बहस का विषय हो सकता है, लेकिन अंग्रेज सरकार ने उसे सही रूप से पकड़ लिया था। इसका तरीका उन्होंने 1910 की जनगणना में निकाला। उन्होंने हिंदू को आगे हिंदू, जनजाति और अछूत नाम से तीन हिस्सों में बांट दिया। उस समय कांग्रेस ने इसका विरोध किया था। लेकिन ब्रिटिश नीति कामयाब रही और 1947 में देश विभाजित हो गया। अंग्रेजों के चले जाने के बाद कुछ लोगों ने मांग की थी कि जनगणना जाति के आधार पर की जाए, लेकिन पंडित जवाहर लाल नेहरु इसके पीछे छुपी भावना को समझ गए थे, इसलिए उन्होंने इस मांग को ठुकरा दिया था। लेकिन आज नेहरु की हवेली पर जिन लोगों का कब्जा हो गया है, वे इटली के मैकियावली के सिद्धांतों पर चलते हुए किसी भी कीमत पर सत्ता प्राप्त करना चाहते हैं। इसलिए वे आज 2024 में उसी नीति को फिर से जीवित करना चाहते हैं, जो ब्रिटिश सरकार ने शुरू की थी। राहुल गांधी सलाहकारों की दी हुई सक्रिप्ट पढने की बजाय यदि बाबा साहेब अंबेडकर का संविधान सभा के अंतिम सत्र में दिया गया उनका भाषण पढ़ लें तो वे देश की ज्यादा सेवा करेंगे।

कुछ अलग

जीएसटी मुक्त हो सेहत बीमा प्रीमियम

खरी-खरी कहने के लिये चर्चित केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जीवन और चिकित्सा बीमा प्रीमियम पर लगाए जा रहे 18 फीसदी जीएसटी को खत्म करने की तार्किक मांग की है। इस प्रासंगिक मुद्दे को उठाकर गडकरी ने करों के मानवीय पक्ष को ही उजागर किया है। निस्संदेह, जीएसटी को कम करना एक मानवीय पहल होगी। वह भी उस देश में जहां 73 फीसदी लोगों के पास चिकित्सा बीमा नहीं है। ऐसे में बीमा प्रीमियम पर 18 फीसदी जीएसटी लगाना क्या न्यायसंगत होगा? दरअसल, महंगे प्रीमियम व उस पर लगने वाले करों के चलते करीब पच्चीस से तीस फीसदी लोग हर साल अपने चिकित्सा बीमा का नवीनीकरण नहीं कर पाते। निस्संदेह, केंद्रीय मंत्री गडकरी ने बीमा धारकों की दुखती रग पर हाथ रखा है। यह विडंबना ही है कि भविष्य में जीवन की अनिश्चितताओं से मुक्ति व अपने तथा परिवार की स्वास्थ्य सुरक्षा चाहने वाले व्यक्ति पर करों का अनुचित बोझ डाला जाता है। जाहिर है कि करों का अधिक बोझ बीमा विस्तार से जुड़ी नीतियों को प्रोत्साहित करने की सोच के विरुद्ध है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि कोई व्यक्ति जीवन की तमाम अनिश्चितताओं के चलते अपनी व परिवार की सुरक्षा हेतु चिकित्सा बीमा प्रीमियम का भुगतान करता है। दूसरे शब्दों में कहें तो जीवन व सेहत बीमा के प्रीमियम पर टैक्स लगाना जीवन की अनिश्चितताओं पर टैक्स लगाने जैसा ही है। वैसे भी जीवन के उत्तरार्ध में तमाम चिकित्सा समस्याओं से जूझने वाले बुजुर्गों के लिये यह जीएसटी चुकाना एक अन्याय जैसा ही है क्योंकि इनमें से अधिकांश की यह सेवानिवृत्ति की उम्र होती है। इस उम्र तक आते-आते उसके आय के स्रोत सिकुड़ने लगते हैं। वह अपने बच्चों पर आश्रित होता है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि जीवन के जोखिम के लिये बीमा कराने वाले व्यक्ति के प्रीमियम पर अधिक कर लगाना एक तरह से बेबात का जुर्माना वसूलना जैसा है। खासकर समाज में कमजोर वर्ग के लोगों के लिये तो यह कर बेहद परेशान करने वाला ही है, जो जैसे-तैसे प्रीमियम के लिये पैसा जुटाने का उपक्रम करते हैं। यह भी एक हकीकत है कि ज्यादा कर लगाने से बीमा उत्पादों का दायरा बढ़ाने के तमाम प्रयास निरर्थक ही सिद्ध होते हैं। यही वजह है कि देश का बीमा उद्योग लंबे समय से अपने उत्पादों की अपील बढ़ाने के लिये जीएसटी में कटौती की वकालत करता रहा है। यह बात स्पष्ट है कि सेहत व जीवन बीमा प्रीमियम पर जीएसटी की दर कम करने से न केवल बीमा करवाना अधिक किफायती हो जाएगा, बल्कि इसके प्रसार को भी अपेक्षित बढ़ावा मिलेगा। सही मायनों में इससे व्यापक वित्तीय सुरक्षा और स्वास्थ्य कवरेज के विस्तार में मदद मिलेगी। जिससे नये उपभोक्ता बीमे के दायरे में लाये जा सकेंगे। बीमा कंपनियां जीएसटी कम होने पर नये उपभोक्ताओं को आकर्षित कर सकती हैं। दरअसल, भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण यानी आईआरडीएआई के वर्ष 2022-23 के लिए जारी आंकड़ों के अनुसार भारत के सकल घरेलू उत्पाद में जीवन बीमा की भागीदारी महज 3.2 फीसदी व स्वास्थ्य बीमा की भागीदारी 0.94 फीसदी है। लोकतंत्र में सरकार की प्राथमिकता होती है कि सामाजिक कल्याण के साथ नागरिकों की आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा दे। लेकिन वर्तमान कराधान नीति सामाजिक कल्याण की कसौटी पर खरी नहीं उतरती। ऐसे में बीमा प्रीमियम पर जीएसटी हटाकर सरकार यह सुनिश्चित कर सकती है कि अधिक नागरिकों को अतिरिक्त वित्तीय तनाव के बिना जीवन की अनिश्चितताओं में सुरक्षा मिल सके। निस्संदेह, केंद्र सरकार को नितिन गडकरी के सुझाव पर न केवल गंभीरता से विचार करना चाहिए बल्कि इस दिशा में शीघ्र कदम भी उठाना चाहिए।

देश दुनिया से

फिर ड्रिल पीरियड, एक सही दिशा

> शिक्षा का मतलब शरीर व मन, दोनों का विकास करना है, तो शिक्षण विषयों के रिपोर्ट कार्ड की तरह स्वास्थ्य के मानकों का रिपोर्ट कार्ड भी प्रत्येक विद्यार्थी का हर स्कूल में अनिवार्य रूप से हो, क्योंकि भाषा व अन्य शिक्षण विषयों की तरह ही स्वास्थ्य के मूल स्तंभ स्पीड, स्ट्रेंथ, इडोरैंस व लचक आदि का प्रायोगिक प्रशिक्षण भी इसी उम्र में शुरू करना होता है। शिक्षण विषयों के लिए तो स्कूलों के पास शिक्षक सहित पूरा प्रबंध है, मगर स्वास्थ्य के घटकों को विकसित करके उनका मूल्यांकन करने की कोई भी सुविधा आज तक उपलब्ध नहीं हो पा रही है। इस विषय पर स्कूलों व अभिभावकों को कई बार चेताया जा चुका है, मगर कोई भी समझने के लिए तैयार नहीं है।

वर्षों से स्कूली स्तर पर फिटनेस कार्यक्रम शुरू करने की बात इस कॉलम के माध्यम से हो रही है तथा हमने भी व्यक्तिगत तौर पर प्रदेश के बड़े निजी स्कूलों के प्रबंधकों से कई बार बात की है, मगर हिमाचल प्रदेश का कोई भी सरकारी या निजी स्कूल अपने यहां फिटनेस कार्यक्रम लागू करने में नाकाम रहा है। कई बार नए शिक्षा सत्र शुरू होकर खत्म हो गए, मगर फिटनेस कार्यक्रम कहीं भी शुरू नहीं हो पाया है। मगर इस वर्ष हिमाचल प्रदेश सरकार ने राज्य के विद्यालयों में विद्यार्थियों की सामान्य फिटनेस के लिए पहले की तरह अनिवार्य रूप से ड्रिल के पीरियड का प्रावधान किया है, पर राज्य में फिटनेस संस्कृति के अभाव में धरातल पर कुछ भी सकारात्मक नजर नहीं आ रहा है। शिक्षा का मतलब शरीर व मन, दोनों का विकास करना है, तो शिक्षण विषयों के रिपोर्ट कार्ड की तरह स्वास्थ्य के मानकों का रिपोर्ट कार्ड भी प्रत्येक विद्यार्थी का हर स्कूल में अनिवार्य रूप से हो, क्योंकि भाषा व अन्य शिक्षण विषयों की तरह ही स्वास्थ्य के मूल स्तंभ स्पीड, स्ट्रेंथ, इडोरैंस व लचक आदि का प्रायोगिक प्रशिक्षण भी इसी उम्र में शुरू करना होता है।

शिक्षण विषयों के लिए तो स्कूलों के पास शिक्षक सहित पूरा प्रबंध है, मगर स्वास्थ्य के घटकों को विकसित करके उनका मूल्यांकन करने की कोई भी सुविधा आज तक उपलब्ध नहीं हो पा रही है। इस विषय पर स्कूलों व अभिभावकों को कई बार चेताया जा चुका है, मगर कोई भी समझने के लिए तैयार नहीं है। किसी भी देश को इतनी क्षति युद्ध या महामारी से नहीं होती है, जितनी तबाही नशे के कारण हो सकती है। आज जब देश के अन्य राज्यों सहित हिमाचल प्रदेश में भी नशा युवा वर्ग पर ही नहीं, किशोरों तक चरस, अफीम, स्मैक, नशीली दवाओं तथा दूरसंचार के माध्यमों के दुरुपयोग से शिकंजा कस रहा है, इसलिए सरकार, स्कूल प्रबंधन व अभिभावकों को इस विषय पर जरूरी कदम जल्दी ही उठा लेने चाहिएं। यदि विद्यार्थी किशोरावस्था में नशे से बच जाता है, तो वह फिर युवावस्था आते-आते समझदार हो गया होता है। माध्यमिक से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को विभिन्न विद्याओं में व्यस्त रखने के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस की तरफ मोडऩा बेहद जरूरी हो जाता है। मानव का सर्वांगीण विकास शिक्षा के बिना अधूरा है। शिक्षा की परिभाषा में साफ-साफ लिखा है कि यहां शारीरिक व मानसिक दोनों तरह से बराबर विद्यार्थियों का विकास करना है, जिससे वे आगे चलकर जीवन को सफलतापूर्वक खुशहाल जी सकें। शारीरिक विकास के लिए खेलों के माध्यम से फिटनेस कार्यक्रम बहुत जरूरी हो जाता है। खेल ही वह माध्यम है जिसके द्वारा विद्यार्थी को नशे से दूर रखा जा सकता है। पड़ोसी राज्य पंजाब एक समय तरक्की में देश का अग्रणी राज्य रहा है। खेलों में उत्कृष्टता उस प्रदेश की तरक्की व खुशहाली का भी पैमाना होती है। पंजाब में हजारों प्रशिक्षक विभिन्न खेलों में खेल प्रशिक्षण के लिए नियुक्त होने के साथ-साथ खेल प्रशिक्षण के लिए आधारभूत ढांचा होना वहां के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रमुख कारण रहा था। बाद में जब पंजाब धीरे-धीरे खेलों से दूर हुआ तो पहले वहां आतंकवाद और फिर आजकल पंजाब नशे का अड्डा बना हुआ है। यही कारण है कि हर क्षेत्र में आज हरियाणा पंजाब से काफी आगे निकल गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने एशियाई, राष्ट्रमंडल व ओलंपिक खेलों में पदक विजेता होने पर खिलाडियों को करोड़ों रुपए के नकद ईनाम व सम्मानजनक नौकरी देकर हरियाणा में खेलों के लिए बहुत ही उपयुक्त बातावरण तैयार किया है। उसी का नतीजा है कि आज हरियाणा का हर किशोर व युवा किसी न किसी खेल के मैदान में नजर आता है।

हिमाचल प्रदेश में भी पूर्व मुख्यमंत्री प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल ने प्रदेश की खेलों के लिए अपने पहले कार्यकाल से ही कई महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड, सरकारी नौकरियों में तीन प्रतिशत आरक्षण तथा देश में प्रशिक्षक कैडर डाईंग हो जाने के बाद पहली बार प्रशिक्षकों की भर्ती जैसे बहुत बड़े खेल सुधार किए। हिमाचल प्रदेश की खेल सुविधाओं का प्रयोग राज्य में स्वास्थ्य व खेलों के लिए बड़े स्तर पर करना चाहिए। हिमाचल प्रदेश इस समय शिक्षा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में गिना जाता है। पिछले कुछ दशकों से हिमाचल प्रदेश के नागरिकों की फिटनेस में बहुत कमी आई है।

आप का नजरिया

केरल में 'प्रलय'

प्रलय को हमने पढ़ा और सुना है। जिसने प्रलय को देखा और झेला है, वह जिंदा नहीं रहा। 2013 में केदारनाथ धाम में जो सैलाब आया और तबाही हुई अथवा उत्तरकाशी में भूकंप के बाद जो बाढ़ आई, हमने उन्हें ही प्रलय माना। विनाश और बर्बादी का दूसरा नाम प्रलय है। अब केरल के वायनाड जिले में लगातार तीन भू-स्खलन आए और फिर सैलाब आया, गांव के गांव दफन हो गए, 400 से अधिक घर देखते ही देखते 'मलबा' हो गए, करीब 200 मौतें हो चुकी हैं और इतने ही लोग लापता बताए जा रहे हैं, यह प्रलय नहीं है, तो और क्या है? यह कुदरती मार नहीं, मानव-निर्मित घटना है, क्योंकि आदमी अपनी ऐयाशी के लिए पहाड़ों को तोड़ रहा है। पहाड़ों की चोटियों पर भी इमारतें बनाई जा रही हैं। केरल में सेना और एनडीआरएफ के जवान हमें 'देवदूत' लगे, जिन्होंने मलबे में से निकाल कर असंख्य जिंदगियां बचाईं। हालांकि केरल की भौगोलिक स्थिति परंपरागत पहाड़ों से भिन्न है, लेकिन देश भर के 80-85 फीसदी भू-स्खलन केरल में ही आते हैं। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के मुताबिक, 2015 से 2022 तक 3782 भू-स्खलन आए। उनमें से करीब 60 फीसदी केरल में ही आए। मौजूदा हालात पर विशेषज्ञों का मानना है कि अरब सागर का तापमान बढने से बेहद घने बादल बने और उसी से केरल में कम समय में बहुत ज्यादा बारिश हुई। वायनाड पहाड़ी जिला है और पश्चिमी घाट का हिस्सा है। यहां 2100 मीटर तक ऊंचे पहाड़ हैं। मानसून में ये पहाड़ भू-स्खलन के लिए बेहद संवेदनशील हैं। जहां यह त्रासद घटना हुई है, वहां दो सप्ताह से बारिश हो रही थी, लिहाजा पहाड़ की मिट्टी गीली और ढीली हो चुकी थी। इसलिए एक ही रात में लगातार 3 भू-स्खलन आए। जमीन खिसक गई। घर हिलने लगे। पहाड़ दरक कर गिरने लगे। सडक़ और पुल ताश के पत्तों की तरह बिखरने और ढहने लगे। जलवायु-परिवर्तन ने भी बारिश की स्थिति और भू-स्खलन की तीव्रता को बढ़ाया है। एक शोध में कहा गया है कि जो वायनाड साल भर बूंदाबांदी और मानसून की बारिश वाला ठंडा, नम वातावरण वाला इलाका होता था, जलवायु-परिवर्तन के कारण अब सूखा, गर्म, लेकिन मानसून के दौरान भारी, तीव्र बारिश वाला क्षेत्र बन गया है। इस बदलाव से भू-स्खलन का जोखिम बढ़ा है। 2018 के मानसून में भी खूब बारिश हुई थी, तब करीब 400 लोगों की जान चली गई थी। उसके बाद केरल में भू-स्खलन वाला क्षेत्र बढ़ गया है। इस हादसे, संकट या घटना पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में बयान दिया है कि उन्होंने 23, 24, 25 जुलाई को केरल सरकार को चेतावनी भेजी थी। फिर 26 जुलाई को भू-स्खलन, भारी बारिश की चेतावनी देते हुए आशंका व्यक्त की थी कि कई जानें भी जा सकती हैं। केरल के मुख्यमंत्री विजयन ने ऐसी चेतावनियों से इंकार किया है। उनका कहना है कि रेड अलर्ट तब जारी किया गया, जब सैलाब आ चुका था। बहरहाल ऐसे आरोप-प्रत्यारोप से बचना चाहिए। देश में हर राज्य में, हर क्षेत्र में विकास होना चाहिए, लेकिन ऐसी घटनाओं से सबक भी सीखना चाहिए।

किम जोंग ने दिखाई अपनी ताकत,परमाणु लैस 250 मिसाइल लॉन्चर सेना को सौंपे

प्योंगयांग, 05 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने अमेरिका के संभावित खतरों का मुकाबला करने के लिए अपनी सेना के परमाणु कार्यक्रम के निरंतर विस्तार कर रहे हैं। उत्तर कोरिया ने अग्रिम मोर्चे पर तैनात सैन्य इकाइयों में परमाणु सक्षम 250 मिसाइल लॉन्चर शामिल किए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देश की युद्ध सामग्री संबंधी फैक्टरियों में इन मिसाइल लॉन्चर को सामरिक रूप से महत्वपूर्ण बैलिस्टिक मिसाइलों को दागने के लिए बनाया है। किम ने प्योंगयांग में एक कार्यक्रम में कहा कि नए मिसाइल लॉन्चर उसकी अग्रिम मोर्चे की इकाइयों को दक्षिण कोरिया के खिलाफ जबरदस्त प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करेंगे और सामरिक रूप से महत्वपूर्ण परमाणु हथियारों के संचालन को ज्यादा व्यावहारिक एवं कुशल बनाएंगे। सरकारी मीडिया में आई तस्वीरों में सड़क पर सेना के लॉन्चर ट्रक की कतारें नजर आ रही हैं। इस कार्यक्रम में हजारों लोगों ने हिस्सा लिया और इसमें भव्य आतिशबाजी भी की।

विशेषज्ञों का कहना है कि किम की बढ़ती धमकियों और हथियार परीक्षण के जरिये शक्ति प्रदर्शन को व्यापक रूप से अमेरिका पर उत्तर कोरिया को परमाणु शक्ति संपन्न देश के रूप में स्वीकार करने और उस पर लगाए गए प्रतिबंधों को हटाने का दबाव डालने के प्रयास के तौर पर देखा जाता है। उत्तर कोरिया ऐसे वक्त में तनाव बढ़ाने की कोशिश भी कर सकता है, जब अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं।

ऑस्ट्रेलिया सरकार ने आतंक के खतरे का स्तर बढ़ाया, संभवतः को किया संभावित

कैनबरा। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने आतंकवाद के खतरे की चेतावनी के स्तर को संभवत से बढ़ाकर संभावित कर दिया। इसके लिए ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने युवाओं में बढ़ती कट्टरता और इजराइल-हमास संघर्ष के चलते सामुदायिक तनाव के बारे में चिंताओं का हवाला दिया है। ऐसा पहली बार है जब नवंबर 2022 के बाद से खतरे के स्तर को पांच-स्तरीय नेशनल टेररिजम थ्रेट एडवाइजरी सिस्टम के बीच बढ़ा दिया गया। ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथोनी अल्बानीज ने कहा कि अधिकारियों का मानना है कि मौजूदा हालात में आतंकवाद एक बड़ा खतरा है, लेकिन उन्हें किसी विशेष खतरे के बारे में जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं आस्ट्रेलिया के लोगों को कहना चाहता हूं कि संभावित का मतलब यह नहीं है कुछ होने वाला है और इसका अर्थ यह भी नहीं है कि किसी धमकी या खतरे के बारे में खुफिया जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि सरकार देश की जासूसी एजेंसी 'ऑस्ट्रेलियन सिक्योरिटी इंटेलिजेंस ऑर्गेनाइजेशन' की सलाह पर काम कर रही है। पीएम एंथोनी ने कहा कि हमें जानकारी मिल रही है कि आस्ट्रेलिया के लोग कई प्रकार की चरमपंथी विचारधाराओं को अपना रहे हैं और सतर्क रहना हमारी जिम्मेदारी है।

न्यूज ब्रीफ

माली ने यूक्रेन के साथ राजनयिक संबंध खत्म करने का किया ऐलान

कीव। रूस से युद्ध के बीच यूक्रेन को एक बड़ा झटका का सामना करना पड़ा है। माली ने यूक्रेन के साथ राजनयिक संबंध खत्म करने का ऐलान कर दिया है। दरअसल माली ने आरोप लगाए हैं कि हाल ही में विद्रोहियों द्वारा रूस के भाड़े के सैनिकों और माली के सैनिकों की हत्या में कीव के अधिकारी का हाथ है। उत्तरी तुआरेज विद्रोहियों का कहना कि उन्होंने करीब 84 भाड़े के सैनिकों और 47 माली के सैनिकों की तीन दिनों के दौरान हत्या कर दी। दरअसल उत्तरी माली के अलगाववादी विद्रोहियों का कहना है कि उन्होंने 25 से 27 जुलाई के बीच अल्जीरिया सीमा के पास रूस के वैगनर सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया। हालांकि विद्रोहियों ने यह नहीं बताया कि उनके कितने सैनिक मारे गए हैं। रूस ने कहा है कि वह माली जुंटा का समर्थन जारी रखेगा। माली में सरकार के खिलाफ कई संगठन खड़े हैं और इनमें ही तुआरेग विद्रोही शामिल हैं। इसके अलावा साहेल में अल-कायदा से जुड़े एक समूह जमात नुसरत अल-अस्लाम वाल मुस्लमीन भी सरकार का विरोधी है। रूस ने माली की सरकार का समर्थन करने के लिए भाड़े के सैनिक उतारे हैं। हालांकि ये दोनों संगठन मिलकर रूसी सैनिकों के भी छक्के छुड़ा रहे हैं। 29 जुलाई को यूक्रेन मिलिटरी इंटेलिजेंस एजेंसी के प्रवक्ता ने कहा था कि माली के विद्रोहियों को सारी जरूरी जानकारियां मिल गई हैं। अब वे रूस के युद्ध अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। इसके बाद माली ने कहा कि यूक्रेन के अधिकारी के बयान से वह काफी आहत है। यूक्रेन के सहयोग से उसके सैनिकों और सहयोगियों पर इस तरह का नृशंस हमला किया है। यह माली की सेना को चुनौती है।

डार्क चॉकलेट एंटी-ऑक्सीडेंट का एक अच्छा सोर्स, हार्ट सहित कई बीमारियों को कम करने में मददगार

लंदन। कोको के पेड़ के बीज से बनी डार्क चॉकलेट एंटी-ऑक्सीडेंट का एक अच्छा सोर्स है। कई शोधों में इस बात की पुष्टि की गई है कि यह हार्ट सहित कई बीमारियों को कम करने में डार्क चॉकलेट काफी मदद करती है। जानकारी के मुताबिक, डार्क चॉकलेट में भरपूर मात्रा में फाइबर, आयरन, मैग्नेशियम, कॉपर, मैग्नीज, पोटैशियम, फॉस्फोरस, जिंक और सेलेनियम पाया जाता है। तो आइए जानते हैं कि डार्क चॉकलेट या कोको स्वास्थ के लिए कितना फायदेमंद है। शोधों में पाया गया है कि कोको या डार्क चॉकलेट में भरपूर मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट पाया जाता है। यह शरीर को फ्री रेडिकल्स के नुकसान से बचाता है और कई तरह की घातक बीमारियों को होने से रोक सकता है। शोधों में पाया गया है कि इसे एंटी-ऑक्सीडेंट का सबसे बड़ा सोर्स कहा जा सकता है। इसमें मौजूद बायोएक्टिव कॉम्पाउंड आर्टरी में ब्लड फ्लो को इंप्रूव करता है जिससे ब्लड प्रेशर कम करने में मदद करता है। अगर आप इसे बादाम या कोकोआ के साथ खाएं तो ये बैड कोलेस्ट्रॉल को भी कम करने में मदद करता है। इसके सेवन से हार्ट की कई बीमारियों को दूर रखने में मदद मिलती है।

दावा : पिछले 30 सालों में कभी सोई ही नहीं ये वियतनाम की महिला

हो ची मिन्ह सिटी। वियतनाम में एक महिला ऐसी भी है जिसने अपनी ज़िंदगी के 30 साल जागते हुए ही बिता दिए हैं। इस महिला की पूरी कहानी सुनकर आपको यकीन ही नहीं होगा कि कोई ऐसा भी कर सकता है। जानकारी के मुताबिक वियतनाम की रहने वाली एक महिला ने दावा किया है कि वो पिछले 30 सालों में कभी सोई ही नहीं।

दिलचस्प ये है कि इसके पीछे की वजह कोई बीमारी नहीं है बल्कि उसने अपने शरीर को प्रैक्टिस से ऐसा बना लिया है। सुनने में ये अजीब लग रहा होगा लेकिन महिला का कहना है कि उसे ऐसा करने में कई साल लग गए। ये कहानी वियतनाम की रहने वाली 49 साल की गुएन नगॉक माइ किम की है, जो अपने गृहक्षेत्र में 'कभी न सोने वाली दर्जी' के नाम से जानी जाती है। महिला इस उपाधि को खुशी-खुशी स्वीकार भी करती हैं। उनका कहा है कि कई दशकों से वो सोई नहीं हैं। उसने ये भी बताया कि न सोने की वजह से उसके स्वास्थ्य को कोई नुकसान भी नहीं हुआ है। वो आराम से बिना सोए रह सकती हैं। उन्हें सोने की ज़रूरत भी नहीं महसूस होती है। किम का दावा है कि वो हमेशा से ऐसी नहीं थीं और ये कोई बीमारी भी नहीं है। जब वो छोटी बच्ची थीं, तो देर रात तक पढ़ती रहती थीं क्योंकि उन्हें पढ़ना पसंद था। जब वो टेलर बनीं, तो अपने ऑर्डर पूरा करने के लिए वो कभी-कभी पूरी रात नहीं सोती थीं। उन्हें थकान भी होती थी और झपकी भी आती थी। कई बार वो कुछ गलत भी कर देती थीं और एक्सीडेंट भी हो जाते थे। हालांकि महीनों तक इसी तरह जागने के बाद उनका शरीर और आंखें इसी तरह एडजस्ट हो गए। अब तो चाहकर भी वो सो नहीं पाती हैं। उनके दुकान की लाइट हमेशा जली रहती है और हर वक्त दरवाज़ा खुला रहता है।

वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में हुआ बड़ा खुलासा

हाई इनकम वाला देश बनने के लिए भारत को लगेंगे 75 साल

भारत की प्रति व्यक्ति आय 2200 डॉलर तो अमेरिका की 37,000 डॉलर है

लंदन, 05 अगस्त (एजेंसियां)। भारत, दुनिया में सबसे तेजी बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला देश बना हुआ है। वहीं मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने देश को विकसित राष्ट्र बनाने का टारगेट टॉप पर रखा है और इसके लिए 2047 तक की डेडलाइन तय की है। वहीं वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में इस लक्ष्य को पाने की चुनौतियों के बारे में बताया गया कि भारत इसे कब तक पा सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत और चीन समेत दुनिया के 100 से ज्यादा देशों को हाई इनकम वाला देश बनने के लिए अभी लंबा समय चाहिए। रिपोर्ट में भारत को अमेरिका की प्रति व्यक्ति आय के महज एक-चौथाई तक पहुंचने में ही 75 साल का समय लग सकता है। भारत की प्रति व्यक्ति आय 2200 डॉलर के आस-पास है, जबकि अमेरिका में ये करीब 37,000 डॉलर है।

अमेरिका की प्रति व्यक्ति आय के एक चौथाई हिस्से तक पहुंचने में भारत को 75 साल लग सकते हैं तो वहीं वर्ल्ड बैंक के मुताबिक इंडोनेशिया को ये टारगेट हासिल करने में सात दशक लगेंगे। चीन की बात करें तो चीन भारत और इंडोनेशिया से बहुत पहले इसे हासिल करने में कामयाब हो जाएगा। विश्व बैंक का कहना है कि चीन इस टारगेट को महल दस साल में ही हासिल कर सकता है। विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट में साल 2023 के अंत में दुनिया के 108 देशों को मिडिल इनकम ग्रुप के रूप में वर्गीकृत किया है। इनकी प्रति व्यक्ति सालाना जीडीपी 1,136 यूएस डॉटर से लेकर 13,845 डॉलर के बीच थी। इन देशों में छह अरब लोग रहते हैं, जो वैश्विक आबादी का 75 फीसदी है। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक दुनिया में हर तीन में से दो लोग अति गरीबी में जीवन बिताते हैं।

रिपोर्ट में बीते 50 सालों के अनुभव के आधार पर पाया कि जैसे-जैसे देश अमीर होते जाते हैं, वे आम तौर पर सालाना यूएस की प्रति व्यक्ति जीडीपी के करीब दस फीसदी के जाल में फंस जाते हैं। ये दस फीसदी की रकम फिलहाल करीब आठ हजार डॉलर के बराबर हो जाती है। भारत की चुनौतियों के बारे में कहा गया है कि तेजी से बूढ़ी होती आबादी, बढ़ता कर्ज, भू-राजनीतिक और व्यापारिक तनाव के अलावा पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना आर्थिक रूप से आगे बढ़ने में पेश आ रही कठिनाई इस राह में सबसे बड़ा रोड़ा बनी हुई हैं।

रिपोर्ट में विश्व बैंक ने इस जाल से निकलने के लिए उपाय बताए हैं इसमें कहा गया है कि कई मिडिल इनकम ग्रुप वाले देश अभी भी पिछली सदी की रणनीति का इस्तेमाल कर रहे हैं और प्रमुख रूप से निवेश को बढ़ाने पर जोर देने की नीतियों पर निर्भर हैं। जो कि बिल्कुल कार को पहले गियर में चलाने और उसे तेज चलाने की कोशिश करने जैसा ही है। विश्व बैंक ने कहा है कि इन देशों को मिडिल इनकम ट्रैप से निकलने के लिए थ्री-आई पर फोकस करना चाहिए। ये थ्री-आई इन्वेस्टमेंट, इनोवेशन और नई तकनीक में इन्फ्यूजन हैं।

ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, अमेरिका ने अपने नागरिकों से फौरन लेबनान छोड़ने को कहा निलंबित की इजराइल के लिए फ्लाइट

वाशिंगटन, 05 अगस्त (एजेंसियां)। अब तक हमास के आतंकवादियों से लोहा ले रहे इजराइल को अब कुख्यात आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह से आर-पार की लड़ाई लड़नी पड़ रही है। मध्य पूर्व में गहराते संकट और व्यापक संघर्ष की आशंका के बीच कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस ने इजराइल से आने-जाने वाली उड़ानें निलंबित कर दी हैं। ईरान, लेबनान और हिजबुल्लाह के प्रतिशोध को देखते हुए इजराइल के लिए फ्लाइट निलंबित करने वाले ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस और अमेरिका ने एक और कठोर निर्णय लिया है। इन देशों ने अपने नागरिकों से तुरंत लेबनान छोड़ने का आग्रह किया है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, यह कदम इस सप्ताह की शुरुआत में बेरूत में एक वरिष्ठ हिज्बुल्लाह कमांडर और तेहरान में हमास के राजनीतिक नेता की हत्याओं के बाद उठाया गया। एक इजराइली अधिकारी का कहना है कि हजारों इजराइली नागरिक घर आने में असमर्थ हैं। इस बीच इजराइल और हिजबुल्लाह ने कल एक-दूसरे के क्षेत्र में लक्षित गोलीबारी की है। गाजा में फिलिस्तीनी आपातकालीन प्रतिक्रिया एजेंसी और फिलिस्तीनी आउटलेट के अनुसार, गाजा शहर में आश्रय के रूप में काम कर रहे एक स्कूल पर इजराइली हवाई हमले में कम से कम 30 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हो गए।

फिलिस्तीनी नागरिक सुरक्षा के एक प्रवक्ता ने कहा है कि पीड़ितों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। पिछले चार दिनों में किसी स्कूल पर यह तीसरा हमला है। इजराइल ने कहा कि उसने हमास के कमांड और नियंत्रण केंद्रों को निशाना बनाया है। अखबार का कहना है कि हमास के खिलाफ इजराइल का गाजा पट्टी में अब तक का सबसे घातक युद्ध है। हमास अब गाजा और उसके बाहर नए लड़ाकों की भर्ती कर रहा है।

ईरान ने दी इजराइल को धमकी, अमेरिका करेगा सुरक्षा

वॉशिंगटन। हमास चीफ इस्माइल हानिया की तेहरान में हत्या के बाद ईरान ने इजरायल पर हमले की धमकी दी है। ईरान और उसके सहयोगी हिजबुल्लाह और हूती जैसे सशस्त्र मिलिशिया ग्रुपों से इजरायल को होने वाले खतरों के चलते अमेरिका पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य ताकत बढ़ा रहा है। पेंटागन ने इजरायल पर ईरान के जवाबी हमलों के खिलाफ एहतियात के तौर पर क्षेत्र में एक विमान वाहक पोत, एक फाइटर जेट स्क्वाड्रन, क्रूजर, डिस्ट्रॉयर समेत कई युद्धपोतों की तैनाती कर दी है।

तुर्की और कतर छोड़ ईरान में हमास प्रमुख की हत्या के पीछे सोची समझी रणनीति

तेल अवीव, 05 अगस्त (एजेंसियां)।

हमास सरगना इस्माइल हानिया की हत्या के लिए ईरान की राजधानी तेहरान का चयन एक फुलप्रूफ प्लानिंग का हिस्सा है। इजरायल ने इस घटना को काफी सोच-समझ कर अंजाम दिया है। इजरायल और ईरान की पुरानी दुश्मनी है। ईरान को हमास का कट्टर समर्थक माना जाता है। दूसरी ओर, ईरान की सैन्य ताकत उतनी ज्यादा नहीं है, जिससे इजरायल को अपने अस्तित्व पर खतरा महसूस हो। अप्रैल में ईरान के हमले ने उसकी सैन्य ताकत की पोल खोलकर रख दी थी, जिसमें से 99 फीसदी हथियार अपना लक्ष्य चूक गए। ऐसे में हमास सरगना को तेहरान में मारकर इजरायल ने एक साथ हमास और ईरान दोनों को कड़ा संदेश देने की कोशिश की है।

इजरायल के कतर में हमास सरगना की हत्या न करने के कई कारण थे। इनमें से पहला कारण कतर खाड़ी देश में अमेरिका का सहयोगी है। इतना ही नहीं, इजरायल कतर की ही मदद से हमास के साथ शांति वार्ता कर रहा था, जिसका उद्देश्य इजरायली बंधकों की सुरक्षित वापसी थी। अगर इजरायल कतर में हमास सरगना को निशाना बनाता तो इससे मध्य पूर्व के बाकी देश खुलकर इजरायल के विरोध में खड़े होते और सैन्य विकल्प भी तलाशते। इजरायल के इस फैसले का अमेरिका भी समर्थन नहीं करता और खुद को अलग कर लेता। ऐसे में इजरायल को भारी नुकसान उठाना पड़ता और अब्राहम संधि के कारण मित्र बने मध्य पूर्व के देशों से भी इजरायल को हाथ धोना पड़ता। इजरायल ने तुर्की में हमास चीफ को इसलिए नहीं मारा, क्योंकि यह देश नाटो सदस्य है। नाटो के किसी एक सदस्य पर हमला पूरे गठबंधन पर हमला माना जाता। वर्तमान में रूस से नजदीकी के कारण तुर्की पहले से ही अमेरिका की नजरों पर चढ़ा है। ऐसे में तुर्की में हमास चीफ की हत्या को राष्ट्रपति एर्दोगन युद्ध की चुनौती मानते और हो सकता था कि इस्लामी देशों का खलीफा बनने के चक्कर में छोटे पैमाने पर हमला भी कर देते। तुर्की सैन्य रूप से काफी शक्तिशाली है और उसके साथ युद्ध में इजरायल को नुकसान उठाना पड़ता।

दुर्घटनाग्रस्त सौर्य एयरलाइंस के विमान का ब्लैक बॉक्स जांच के लिए सिंगापुर भेजा गया

काठमांडू, 05 अगस्त (एजेंसियां)।

त्रिभुवन अन्तरराष्ट्रीय विमानस्थल पर 24 जुलाई को दुर्घटनाग्रस्त हुए सौर्य एयरलाइंस के विमान का ब्लैक बॉक्स को जांच के लिए सिंगापुर भेजा गया है। ब्लैक बॉक्स की रिपोर्ट आने के बाद ही दुर्घटना के कारणों का पता लग पाएगा।

नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक प्रदीप अधिकारी ने बताया कि जांच समिति के अध्यक्ष रतीश चन्द लाल स्वयं ब्लैक बॉक्स लेकर सिंगापुर गए हैं।ब्लैक बॉक्स में मौजूद वाइस रिकॉर्डर को डिकोड करने के बाद विमान दुर्घटना के पीछे की तकनीकी खामियों का पता चलने की उम्मीद की जा रही है। पायलट और एटीसी के बीच हुए संवाद और दोनों पायलटों के बीच हुए संवाद से भी दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा सकता है। काठमांडू से पोखरा के लिए 24 जुलाई को सौर्य एयरलाइंस का विमान 9 एईएम उड़ान भरने के कुछ सेकेंड के बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस विमान में सवार 19 में से 18 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। इस दुर्घटना में एकमात्र जीवित व्यक्ति विमान का पायलट था।

यह विमान पोखरा में नियमित जांच के लिए ले जाया जा रहा था, जिसके कारण विमान में एयरलाइंस कंपनी के तकनीकी कर्मचारी, मेंटेनेंस स्टाफ, सेफ्टी स्टाफ और ग्राउंड स्टाफ मौजूद थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक

भारत ने नेपाल में 669 मेगावाट हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के लिए 5 हजार करोड़ स्वीकृत किए

काठमांडू, 05 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत सरकार ने नेपाल के लोअर अरुण हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के निर्माण के लिए सतलज जल विद्युत निगम को 5 हजार करोड़ रुपये निवेश की अनुमति दी है। इसके निर्माण के लिए नेपाल सरकार ने सतलज जलविद्युत निगम को जिम्मेदारी दी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में 669 मेगावाट क्षमता वाले लोअर अरुण जलविद्युत् परियोजना के लिए सतलज जल विद्युत निगम (एसजेवीएन) को 5,792 करोड़ रुपये निवेश की अनुमति दी है। इस बारे में जानकारी देते हुए नेपाल में रहे एसजेवीएन नेपाल के सीईओ अरुण धीमान ने बताया कि भारत सरकार ने नेपाल के लोअर अरुण के लिए निवेश की अनुमति को स्वीकृत कर दिया है।

669 मेगावाट लोअर अरुण जलविद्युत परियोजना का निर्माण अगले पांच वर्षों के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। यह प्रोजेक्ट नेपाल के संखुवासभा जिले के मकालु गांवपालिका में बनाया जाएगा। इसकी चार इकाइयां होंगी। प्रत्येक इकाई की क्षमता 167.25 मेगावाट होगी।

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के पिछले कार्यकाल अर्थात 29 जनवरी 2021 को उनकी अध्यक्षता में आयोजित निवेश बोर्ड की 46वीं बैठक में लोअर अरुण जलविद्युत परियोजना का निर्माण भारत के सतलुज जलविद्युत निगम को सौंपने का निर्णय लिया गया था। सतलुज को सार्वजनिक निजी भागीदारी मॉडल (निर्माण, स्वामित्व, संचालन और ट्रांसफर-बूट) के तहत बनाने के लिए चयनित किया गया था। गौरतलब है कि एसजेवीएन के तरफ से ही 900 मेगावाट का अरुण 3 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट भी बनाया जा रहा है, जिसके निर्माण का लक्ष्य 2024 के अंत तक रखा गया है। कोरोना के कारण तीन सालों तक काम प्रभावित होने के बावजूद तय समय पर काम संपन्न करने का विश्वास सीईओ धीमान ने व्यक्त किया है।

नेपाल जलमार्ग और रेलवे का करेगा विस्तार, पीएम ओली ने जताई संभावना

काठमांडु। नेपाल के पीएम केपी ओली ने देश के जलमार्ग और रेलवे के विकास और भारत के साथ संपर्क बढ़ाने की संभावनाओं पर जोर दिया है। वार्षिक प्रगति समीक्षा बैठक में ओली ने सिविल सेवकों को भारत की सीमा के पास हनुमान नगर से त्रिवेणी और देवघाट तक स्टीमर सेवाओं को चलाने के लिए एक प्रस्ताव तैयार करने को कहा है। उन्होंने कहा कि नेपाल में 1970 से स्टीमर सेवाओं की अनुमति देने वाला कानून होने के बावजूद बुनियादी ढांचे का इस्तेमाल नहीं किया गया है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। ओली ने कहा कि हनुमान नगर में एक बंदरगाह, एक सीमा शुल्क कार्यालय और वीजा केंद्र बनाया जाना चाहिए। जलमार्गों के अतिरिक्त ओली ने नेपाल की रेल सेवाओं के विस्तार की जरुरतों पर बल दिया और मौजूदा जनकपुर-कुर्था रेलवे लाइन में दो रेलवे लाइनें जोड़ने का आह्वान किया।

पेरिस ओलंपिक : नोआह लाइल्स ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में जीता स्वर्ण

पेरिस, 05 अगस्त (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) के नोआह लाइल्स ने चल रहे पेरिस ओलंपिक में रविवार देर रात पुरुषों की 100 मीटर दौड़ के फाइनल में स्वर्ण पदक जीता।

लाइल्स को अपने करियर की सबसे बड़ी रेस में कुछ खास करने की जरूरत थी। उन्होंने अपने चरम का फायदा उठाया और स्टेड डी फ्रांस में खचाखच भरी भीड़ के सामने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

नोआह ने 9.784 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। वह दिग्गज उसैन बोल्ट के 9.63 सेकंड के ओलंपिक रिकॉर्ड को तोड़ने से सिर्फ 0.16 सेकंड दूर थे।

जमैका के किशन थॉम्पसन ग्रीष्मकालीन खेलों के इतिहास में सबसे करीबी 100 मीटर दौड़ में से एक में एक सेकंड के अंश से पीछे रहने के बाद रजत पदक से संतुष्ट हुए। नोआह के हमवतन फ्रेड कर्ली ने 9.81 सेकंड के अपने सीजन के सर्वश्रेष्ठ समय के साथ कांस्य पदक जीता।

अपनी जीत के बाद, नोआह 2004 में जस्टिन गैटलिन के 100 मीटर दौड़ में पोडियम के शीर्ष पर आने के बाद स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले अमेरिकी एथलीट बन गए। एथलीटों को नतीजों के लिए कुछ समय तक इंतजार करना पड़ा क्योंकि इस स्पर्धा में भाग लेने वाले सभी आठ धावकों के बीच स्वर्ण पदक के लिए बहुत कम अंतर था।

अंत में, यह घोषित किया गया कि पोडियम के शीर्ष पर पहुंचने के लिए नोआह किशन से 0.005 सेकंड आगे थे। घोषणा के बाद, भीड़ ने जोरदार तालियाँ बजाईं और अमेरिकी धावक की इस उल्लेखनीय जीत की सराहना की। उन्होंने अपनी शर्ट से अपना नाम फाड़कर हवा में लहराया। दक्षिण अफ्रीका के अकाने सिम्बाइन एक बार फिर पोडियम फिनिश से चूक गए क्योंकि वे चौथे स्थान पर रहे। टोक्यो और रियो ओलंपिक में, सिम्बाइन करीब थे, लेकिन स्पर्धा में ओलंपिक पदक जीतने से चूक गए।

नोआह ने पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में 100 मीटर और 200 मीटर की दौड़ जीती थी। 100 मीटर में स्वर्ण जीतने के बाद, वह पेरिस में 200 मीटर दौड़ स्पर्धा में अपना दूसरा स्वर्ण जीतने की कोशिश करेंगे।

जीत पर उठे सवाल : थॉम्पसन का पैर पहले फिनिश लाइन पर पहुंचा

पेरिस ओलंपिक में अमेरिका के नोआ लाइल्स को पुरुष 100 मीटर के इवेंट में स्वर्ण मिलने पर सवाल उठने लगे हैं। इसका कारण है कि जमैका के किशन थॉम्पसन का पैर पहले लाइन के पार हुआ था। इस दौरान सभी धावकों की टाइमिंग तकरीबन बराबर रही। इस जीत के साथ ही अमेरिका के नोआ दुनिया के सबसे तेज धावक बन गए हैं। वहीं थॉम्पसन दूसरे नंबर पर रहे। रेस समाप्त होने के बाद तक किसी को पता नहीं था कि विजेता कौन है। 100 मीटर की रेस में लाइल्स और थॉम्पसन ने तकरीबन एक साथ ही फिनिशिंग लाइन को पार किया था। इसके बाद स्वर्ण का फैसला रिप्ले में हुआ। इसमें पता चला कि लाइल्स 0.005 सेकंड से मुकाबला जीत गये हैं। फाइनल का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें स्वर्ण विजेता अमेरिका के लाइल्स से पहले थॉम्पसन का पैर फिनिशिंग लाइन को पार करते हुए दिखा है।

न्यूज ब्रीफ

पेरिस ओलंपिकः हॉकी के सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला जर्मनी से आज

नई दिल्ली। विश्व में पांचवें नंबर पर काबिज भारतीय पुरुष हॉकी टीम मंगलवार को चल रहे पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में चार बार की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और मौजूदा एफआईएच हॉकी विश्व कप चैंपियन जर्मनी से भिड़ेगी। रविवार को क्वार्टर फाइनल में चौथी रैंकिंग वाली जर्मनी की सातवीं रैंकिंग वाली अर्जेंटीना पर 3-2 से जीत के बाद आखिरकार यह मुकाबला पक्का हो गया है। दूसरे सेमीफाइनल में नीदरलैंड का मुकाबला स्पेन से होगा। नीदरलैंड, जो वर्तमान में तीसरी रैंकिंग वाली टीम है और जिसके पास दो ओलंपिक स्वर्ण हैं, ने ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की। छठी रैंकिंग वाली ऑस्ट्रेलिया, जो तीन बार विश्व कप विजेता भी है, को एक गंभीर झटका लगा क्योंकि उन्हें भारत से (1972 के बाद से ओलंपिक में एशियाई दिग्गजों के खिलाफ उनकी पहली हार) और नीदरलैंड से लगातार दो हार का सामना करना पड़ा। स्पेन ने अपने क्वार्टर फाइनल में दुनिया की नंबर एक और मौजूदा ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम को 3-2 से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक में एक रोमांचक क्वार्टर फाइनल मैच में ग्रेट ब्रिटेन को हराया और रविवार को सेमीफाइनल में प्रवेश किया। निर्धारित समय के बाद स्कोर 1-1 से बराबर था, अतः भारत ने शूटआउट में 4-2 से जीत हासिल कर सेमीफाइनल में जगह बना ली।

पेरिस ओलंपिक : बेल्जियम ने मिश्रित रिले ट्रायथलॉन से नाम वापस लिया

पेरिस। बेल्जियम की ओलंपिक समिति ने रविवार को घोषणा की कि वह पेरिस 2024 ओलंपिक में मिश्रित रिले ट्रायथलॉन से अपनी टीम को हटा लेगी। बेल्जियम ने यह फैसला सीन नदी में तैरने वाले अपने एक प्रतियोगी के बीमार पड़ने के कारण किया है। बेल्जियम ओलंपिक और इंटरफेडरल कमेटी ने एक बयान में कहा कि क्लेयर मिशेल, जिन्होंने बुधवार को महिलाओं की ट्रायथलॉन में भाग लिया था, दुर्भाग्य से बीमार हैं और उन्हें प्रतियोगिता से हटना होगा। मिश्रित रिले ट्रायथलॉन सोमवार को होने वाला है, प्रतियोगिता का तैराकी भाग भी सीन में होना है। बयान में मिशेल की बीमारी के बारे में विस्तार से नहीं बताया गया है, लेकिन यह नदी के पानी की गुणवत्ता पर चिंताओं के बाद आया है। आयोजकों ने कहा था कि नदी में बैक्टीरिया का स्तर उस स्तर पर था जिसे एथलीटों के लिए सुरक्षित माना जाता था। बेल्जियम समिति ने कहा, उम्मीद है कि ओलंपिक खेलों में भविष्य की ट्रायथलॉन प्रतियोगिताओं के लिए सबक सीखा जाएगा। हम यहां प्रशिक्षण के दिनों, प्रतियोगिता के दिनों और प्रतियोगिता के प्रारूप की गारंटी के बारे में सोच रहे हैं, जिसे पहले से स्पष्ट किया जाना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि एथलीटों, दल और समर्थकों के लिए कोई अनिश्चितता न हो।

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ग्राहम थोर्प का 55 वर्ष की आयु में निधन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ग्राहम थोर्प का लंबे समय से बीमारी से पीड़ित होने के बाद सोमवार को 55 वर्ष की आयु में निधन हो गया। 55 साल की उम्र में थोर्प के निधन से क्रिकेट जगत को झटका लगा है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने एक बयान में उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। ईसीबी ने एक बयान में कहा, हमें यह खबर साझा करते हुए बहुत दुख हो रहा है कि ग्राहम थोर्प का निधन हो गया है। ग्राहम के निधन पर हमें जो गहरा सदमा लगा है, उसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। इंग्लैंड के सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक होने के अलावा, वह क्रिकेट परिवार के एक प्रिय सदस्य थे और दुनिया भर के प्रशंसक उनका सम्मान करते थे। बयान में आगे कहा गया, उनकी कुशलता पर कोई सवाल नहीं था और 13 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में उनकी योग्यता और उपलब्धियों ने उनके साथियों और इंग्लैंड और सरे सीसीसी समर्थकों को बहुत खुशी दी। बाद में, एक कोच के रूप में, उन्होंने इंग्लैंड की सर्वश्रेष्ठ पुरुष टीम को खेल के सभी प्रारूपों में कुछ अविश्वसनीय जीत दिलाई। थोर्प ने 1993 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया और 90 के दशक के अंत और 2000 के दशक की शुरुआत में इंग्लिश बल्लेबाजी का मुख्य आधार रहे। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 100 टेस्ट खेले और 44.66 की औसत से 6744 रन बनाए, जिसमें 16 शतक और 39 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका उच्चतम स्कोर 200* रहा।

वनडे में, इस उन्होंने 21 अर्द्धशतकों के साथ 37.18 की औसत से 2380 रन बनाए।

पेरिस ओलंपिक-2024

महिला टेबल टेनिस स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में पहुंचा भारत

पेरिस, 05 अगस्त (एजेंसियां)।

ओलंपिक में पदार्पण कर रही भारत की महिला टेबल टेनिस टीम ने सोमवार को पेरिस ओलंपिक 2024 में रोमानिया को 3-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली।

श्रीजा अकुला और अर्चना कामथ ने युगल मैच से शुरुआत की, जिसमें उन्होंने अदीना डायकोनू और एलिजाबेटा समारा को 11-9, 12-10, 11-7 से हराया।

इसके बाद मनिका बत्रा ने बर्नाडेट स्ज़ोक्स के खिलाफ़ सीधे गेम में 11-5, 11-7, 11-7 से जीत दर्ज की और भारत को 2-0 की बढ़त दिला दी।

हालांकि, श्रीजा अकुला तीसरे मैच में समारा से 11-8, 4-11, 11-7, 6-11, 8-11 से हार गईं, जिससे मुकाबला चौथे गेम तक खिंच गया। इसके बाद अर्चना को स्ज़ोक्स के खिलाफ 5-11, 11-8, 7-11, 9-11 से हार का सामना करना पड़ा।

निर्णायक मैच में मनिका ने डायकोनू पर 11-5, 11-9, 11-9 से जीत हासिल की और भारत को 3-2 से जीत दिलाकर अंतिम 8 में पहुंचा दिया। रत का अगला मुकाबला संयुक्त राज्य अमेरिका और जर्मनी के बीच होने वाले राउंड ऑफ़ 16 के मैच के विजेता से होगा। अंतिम-आठ का मैच मंगलवार को होगा।

स्कीट मिक्स्ड टीम शूटिंग स्पर्धा में भारत चौथे स्थान पर रहा

अनंतजीत सिंह नरुका और माहेश्वरी चौहान की भारत की स्कीट मिश्रित टीम सोमवार को पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक मैच में चीन से 44-43 से हार गई। भारतीय टीम ने कुल 48 में से 43 लक्ष्य साधे। चीन ने एक कदम आगे रहते हुए 48 में से 44 छर्रे साधे और तीसरा स्थान प्राप्त किया। चीन की ल्यू जियानलिन ने 24 में से 24 शॉट पर परफेक्ट स्कोर बनाया। उनके साथी जियांग यिटिंग ने शॉट्स की दूसरी सीरीज में चार में से तीन शॉट मिस किए, लेकिन उन्होंने सुधार किया, और शेष में से केवल एक ही शॉट मिस किया। भारत के लिए अनंतजीत ने दो निशाने मिस किए, जबकि माहेश्वरी तीन में विफल रहीं। यह पहली बार था जब स्कीट शूटिंग में मिश्रित टीम स्पर्धा आयोजित की गई थी। बता दें कि भारत ने पेरिस ओलंपिक 2024 में अब तक तीन कांस्य पदक जीते हैं और तीनों ही निशानेबाजी में आए हैं।

पेरिस ओलंपिकः किरण पहल 400 मीटर स्पर्धा में सातवें स्थान पर रहीं, रेपेचेज स्पर्धा में लेंगी हिस्सा

भारतीय एथलीट किरण पहल सोमवार को चल रहे पेरिस ओलंपिक 2024 में महिलाओं की 400 मीटर स्पर्धा के पहले दौर में हीट 5 में सातवें स्थान पर रहीं। किरण ने स्टेड डी फ्रांस में 52.51 सेकंड का समय निकाला और अपनी हीट में सातवें और कुल मिलाकर 39वें स्थान पर रहीं। हालांकि किरण सेमीफाइनल में जगह बनाने में विफल रहीं, लेकिन उनके पास पदक जीतने का मौका होगा क्योंकि वह सोमवार को रेपेचेज राउंड में भाग लेंगी। महिलाओं का 400 मीटर रेपेचेज राउंड भारतीय समयानुसार दोपहर 2:50 बजे निर्धारित है। विशेष रूप से, जेसविन एल्ड्रिन चल रहे पेरिस ओलंपिक में रविवार को स्टेड डी फ्रांस में पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा में क्वालीफिकेशन मार्क को पार करने में विफल रहे। एल्ड्रिन का सर्वश्रेष्ठ प्रयास और ग्रुप बी पुरुषों की लंबी कूद योग्यता में तीन में से उनकी एकमात्र सफल छलांग, 7.61 मीटर, उन्हें स्पर्धा के फाइनल में केंद्र में लाने के लिए पर्याप्त नहीं थी। एल्ड्रिन ने ग्रुप बी में 16 में से 13वां स्थान हासिल किया। वह 8.15 मीटर के योग्यता मानक को पार करने में विफल रहे। उनका प्रयास दोनों समूहों के शीर्ष 12 सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनकर्ताओं में स्थान पाने में उनकी मदद करने के लिए पर्याप्त नहीं था। कुल मिलाकर, वह 26वें स्थान पर रहे, जिससे 22 वर्षीय लॉन्ग जंपर का क्वालीफिकेशन राउंड में अभियान समाप्त हो गया।

पेरिस ओलंपिक : एन से यंग एकल में स्वर्ण पदक जीतने वाली दूसरी दक्षिण कोरियाई बनीं

पेरिस, 05 अगस्त (एजेंसियां)।

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एन से यंग ने सोमवार को पेरिस ओलंपिक में चीन की ही बिंगजियाओ को हराकर महिला एकल वर्ग का स्वर्ण पदक जीत लिया है। पोर्टे डे ला चैपल एरिना में खेले गए फाइनल मुकाबले में यंग ने बिंगजियाओ को 21-13, 21-16 से हराकर ओलंपिक बैडमिंटन में एकल स्वर्ण पदक के लिए दक्षिण कोरिया के 28 साल से चले आ रहे लंबे इंतजार को भी खत्म कर दिया।

22 वर्षीय एन, मौजूदा विश्व चैंपियन और एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता, बैंग सू-ह्यून के बाद एकल पदक जीतने वाली दूसरी कोरियाई महिला बनीं। बैंग ने 1992 में बार्सिलोना में रजत पदक जीता था, जब बैडमिंटन ने पदक खेल के रूप में ओलंपिक में पदार्पण किया था, उसके चार साल बाद अटलांटा में स्वर्ण पदक जीता था।

कुल मिलाकर, यह कोरिया के लिए केवल चौथा एकल और 2004 में एथेंस में शॉन सेउंग-मो द्वारा पुरुष वर्ग में रजत जीतने के बाद पहला पदक है।

इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया मारिस्का टुनजुंग ने स्पेन की कैरोलिना मारिन से वॉकओवर प्राप्त करने के बाद कांस्य पदक जीता। रियो ओलंपिक की स्वर्ण पदक विजेता मारिन को घुटने में चोट लग गई थी, जिसके कारण उन्हें न केवल हे के खिलाफ सेमीफाइनल से हटना पड़ा, बल्कि कांस्य पदक मैच से भी बाहर होना पड़ा।

एन का स्वर्ण पदक दक्षिण कोरिया के लिए मौजूदा संस्करण का 11वां पदक है, जिससे वह पदक तालिका में ग्रेट ब्रिटेन को पीछे छोड़कर पांचवें स्थान पर पहुंच गया है।

जरुरत से ज्यादा दबाव नुकसानदेह रहा : अल्काराज

पेरिस। स्पेन के कार्लोस अल्काराज पेरिस ओलंपिक में मिली हार से निराश हैं। अल्काराज को फाइनल में सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने हराया था। अल्काराज ने कहा कि वह इस मैच में अधिक दबाव में आ गये थे। इससे अल्काराज का सबसे कम उम्र में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने का सपना भी टूट गया। इसके अलावा वह अपने ही देश के राफेल नडाल के रिकार्ड की भी बराबरी नहीं कर पाये। नडाल ने साल 2008 में अपने पहले प्रयास में ही स्वर्ण पदक जीता था।

बांग्लादेश में कर्फ्यू के कारण क्रिकेट टीम की टेस्ट तैयारी प्रभावित

नई दिल्ली, 05 अगस्त (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के खिलाफ आगामी दो मैचों की श्रृंखला के लिए बांग्लादेश की तैयारियों को झटका लगा है क्योंकि देश में चल रहे राजनीतिक संकट के कारण उनके निर्धारित प्रशिक्षण सत्र बाधित हुए हैं।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) अधिकारियों ने क्रिकबज को बताया कि उन्हें यकीन नहीं है कि वे अगले अभ्यास सत्र की तारीख की घोषणा कब कर सकते हैं क्योंकि सरकार ने अनिश्चित काल के लिए देशव्यापी कर्फ्यू की घोषणा की है। बांग्लादेश को 17 अगस्त को दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए पाकिस्तान जाना है, जो आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है। सीरीज का पहला टेस्ट 21-25 अगस्त को रावलपिंडी में खेला जाएगा। कराची 30 अगस्त से 3 सितंबर तक दूसरे टेस्ट की मेजबानी करेगा। बीसीबी के एक अधिकारी ने क्रिकबज से कहा, हमें नहीं पता कि हम अभ्यास कब कर पाएंगे, क्योंकि अनिश्चित काल के लिए कर्फ्यू लगा हुआ है। हमारा प्रशासन मामले को देख रहा है और मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी देने के बाद हम स्थिति को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे। बांग्लादेश के गृह मंत्रालय ने एक बयान के माध्यम से कहा कि कर्फ्यू अगले नोटिस तक लागू रहेगा। गृह मंत्रालय के बयान में कहा गया है,

कर्फ्यू अनिश्चित काल तक जारी रहेगा। ढाका महानगर सहित सभी संभागीय शहरों, नगर निगमों, नगर पालिकाओं, औद्योगिक क्षेत्रों, जिला मुख्यालयों और उपजिला मुख्यालयों में अगले नोटिस तक कर्फ्यू लागू किया गया है। बांग्लादेश को रविवार से एसबीएनएस में अपने कौशल प्रशिक्षण सत्र की शुरुआत मुख्य कोच चंदिका हथुरुसिंघा के मार्गदर्शन में करनी थी, जो 1 अगस्त को ढाका पहुंचे थे। मुश्ताक अहमद (स्पिन बॉलिंग कोच), आंद्रे एडम्स (पेस बॉलिंग कोच), डेविड हेम्प (बल्लेबाजी कोच), निक पोथास (सहायक कोच) और नाथन केली सहित अन्य कोचिंग स्टाफ सदस्य भी वर्तमान में ढाका में हैं। इस बीच, बीसीबी के एक अधिकारी ने कहा कि बांग्लादेश ए टीम का पाकिस्तान दौरा अभी भी तय कार्यक्रम के अनुसार चल रहा है, लेकिन उन्होंने कहा कि वे मौजूदा स्थिति को देखते हुए कुछ भी गारंटी नहीं दे सकते।

नेपाल ने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप लीग दो त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए घोषित की प्रारंभिक टीम

नई दिल्ली, 05 अगस्त (एजेंसियां)।

नेपाल ने आगामी आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप लीग 2 त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए अपनी प्रारंभिक टीम घोषित कर दी है। अगले महीने होने वाली इस श्रृंखला में कनाडा और ओमान दो अन्य टीमें हैं। इस महत्वपूर्ण श्रृंखला की तैयारी के लिए 22 खिलाड़ियों की टीम एक बंद प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा लेगी।

हाल ही में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप और इस साल की पिछली लीग 2 त्रिकोणीय श्रृंखला में भाग लेने वाले अधिकांश खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है। हालाँकि, कुछ उल्लेखनीय खिलाड़ी टीम से बाहर हैं। जून में टी20 विश्व कप के लिए यूएसए और कैरेबियाई दौरे पर गए बाएं हाथ के तेज गेंदबाज प्रैटिस जीसी और ऑलराउंडर अविनाश बोहारा को टीम में शामिल नहीं किया गया है। इसके अतिरिक्त, पवन सर्राफ इस साल की शुरुआत में नेपाल के लीग 2 अभियान में योगदान देने के बाद चोट के कारण बाहर हैं।

उनकी जगह नेपाल ए के लिए खेलते हुए शानदार फॉर्म दिखाने वाले ऑलराउंडर बसीर अहमद को टीम में जगह मिली है। अन्य नए खिलाड़ियों में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज रिजन ढकाल, तेज गेंदबाज कमल सिंह ऐरी और युवा आकाश चंद शामिल हैं, जो सभी त्रिकोणीय श्रृंखला

में खेलने के लिए दावेदार हैं।

नेपाल वर्तमान में लीग 2 स्टैंडिंग में इस साल की शुरुआत में नामीबिया और नीदरलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेले गए चार मैचों में से केवल एक जीत के साथ छठे स्थान पर है।

कनाडा लीग 2 में शीर्ष टीमों में से एक है, जिसने इस साल की शुरुआत में चार जीत के साथ अजेय रिकॉर्ड कायम किया है। पांचवें स्थान पर ओमान है, जिसने भी चार मैच खेले हैं। आगामी त्रिकोणीय श्रृंखला नेपाल के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उनका लक्ष्य लीग 2 में अपनी स्थिति में सुधार करना और भविष्य के टूर्नामेंटों के लिए बेहतर स्थिति सुरक्षित करना है।

नेपाल की प्रारंभिक टीम

रोहित पौडेल (कप्तान), कुशल भुर्टेल, आसिफ शेख, अनिल साह, देव खनाल, भीम सार्की, आरिफ शेख, कुशल मल्ला, दीपेंद्र सिंह ऐरी, अर्जुन सऊद, सोमपाल कामी, करण केसी, गुलसन झा, कमल सिंह ऐरी , रिजन ढकाल, संदीप लामिछाने, ललित राजबंशी, सूर्या तमांग, बसीर अहमद, आकाश चंद, सागर ढकाल, संदीप जोरा।

डूरंड कप हमारे लिए एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है : खालिद

जमशेदपुर, 05 अगस्त (एजेंसियां)।

स्टील सिटी जमशेदपुर में इंडियन ऑयल डूरंड कप के 133वें संस्करण की शुरुआत हो चुकी है, इस बार घरेलू टीम जमशेदपुर एफसी ने अपने शुरुआती दो मुकाबलों को जीतकर खुद को खिताब के दावेदारों में से एक घोषित कर दिया है। एआईएफएफ मेन्स कोच ऑफ द ईयर 2023-24 खालिद जमील की अगुआई में रेड माइनर्स ने अब तक पांच गोल किए हैं और सिर्फ एक गोल खाया है।

अपनी टीम के अब तक के प्रदर्शन को लेकर कोच खालिद ने कहा, ग्रुप स्टेज में अभी भी हमारा एक गेम बचा है और हम उस गेम पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हमें गेम जीतने और ग्रुप स्टेज को पूरे अंकों के साथ खत्म करने की कोशिश करनी चाहिए।

उन्होंने ग्रुप स्टेज में जमशेदपुर एफसी के अंतिम प्रतिद्वंद्वी इंडियन आर्मी एफटी के खिलाफ मैच को लेकर कहा, हम उनकी ताकत और कमजोरियों का विश्लेषण करेंगे, वे बहुत फिट और शारीरिक रूप से मजबूत टीम हैं। हम उनके दोनों मैच देखेंगे और उसके अनुसार योजना बनाएंगे,

खालिद जमील ने 2023-24 इंडियन सुपर लीग सीजन के मध्य में जमशेदपुर एफसी के मुख्य कोच के रूप में कार्यभार संभाला और अपनी टीम को प्ले-ऑफ़ में जगह बनाने के बहुत करीब ले गए। क्लब ने पूर्व आई-लीग विजेता कोच पर अपना भरोसा जारी रखने का फैसला किया और अगले दो सीज़न के लिए उनका अनुबंध बढ़ा दिया।

उन्होंने कहा, जमशेदपुर एफसी

परिवार का हिस्सा बनना मेरे लिए खुशी की बात है। मैं वास्तव में खुश हूं कि प्रबंधन ने मुझे मौका दिया है। मुझे एक कोच के रूप में कड़ी मेहनत करनी होगी और खिलाड़ियों को भी जमशेदपुर एफसी के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की मानसिकता प्रदान करनी होगी।

जमशेदपुर और शिलांग को डूरंड कप के 133वें संस्करण के लिए नए मेजबान के रूप में जोड़ा गया ताकि क्षेत्रों में नागरिक-सैन्य संबंधों को मजबूत किया जा सके।

टूर्नामेंट के महत्व पर कोच खालिद ने कहा, डूरंड कप भारत में वर्तमान में आयोजित सबसे पुराना और सर्वश्रेष्ठ टूर्नामेंटों में से एक है। टूर्नामेंट के आयोजन को बहुत अच्छी तरह से अंजाम दिया गया है और मुझे उम्मीद है कि वे आने वाले वर्षों में भी ऐसा ही करते रहेंगे।

उन्होंने आगे कहा, डूरंड कप हमारे लिए एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है। हम सभी खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धता के आधार पर मौका देना चाहते हैं और यह सुनिश्चित करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ संयोजन मैदान में उतारना चाहते हैं कि हम परिणामों से समझौता न करें।

अपने विभिन्न प्रबंधकीय कार्यकालों के बीच, खालिद जमील के लिए जो सबसे खास है, वह है उनके खिलाड़ियों के साथ उनका रिश्ता। और यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि उनके दो पूर्व छात्र, आशुतोष मेहता और एल्विनो गोम्स इस सीजन में जमशेदपुर एफसी में उनके साथ शामिल हुए।

खिलाड़ियों के साथ अपने खास रिश्ते के बारे में खालिद ने कहा, इसमें कोई रहस्य नहीं है; एक कोच के रूप में मैं अपने खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाना चाहता हूँ। मैं उन्हें कड़ी मेहनत करने और अपना सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल खेलने के लिए प्रेरित करता हूं। अगर कोई अपने प्रदर्शन से जूझ रहा है, तो मैं उन्हें अपना सौ प्रतिशत देने के लिए और अधिक प्रेरित करना सुनिश्चित करता हूं।

द हंड्रेड टूर्नामेंट में करेन का धमाकेदार प्रदर्शन

लंदन। इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम करेन ने द हंड्रेड क्रिकेट टूर्नामेंट में अपने ऑलराउंड प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचा है। करेन ने यहां लंदन स्प्रिट की ओर से खेलते हुए आक्रामक बल्लेबाजी के बाद एक हैट्रिक भी लगायी। उन्होंने इस मैच में हैट्रिक लगाने के साथ ही कुल 5 विकेट लेकर ओवल इंविंसिबल टीम को ध्वस्त कर दिया। करेन के इस प्रदर्शन से लंदन स्प्रिट की टीम को 30 रन से हार का सामना करना पड़ा है। करेन ने पहले लियाम डॉसन और उसके बाद ओली स्टोन को आउट किया। वहीं इसके बाद आंद्रे रसेल को सैम बिलिंग्स के हाथों कैच कराकर अपनी हैट्रिक पूरी की। इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए सैम करेन ने 22 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाकर अपनी टीम को 147 के स्कोर पर पहुंचाया। इस मैच मे सैम बिलिंग्स की कप्तानी में ओवल इंविंसिबल्स टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 147 रन बनाए।

देश की अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष में 7 से 7.2 प्रतिशत बढ़ने की संभावना : डेलॉयट इंडिया

नई दिल्ली,05 अगस्त (एजेंसियां)। डेलॉयट इंडिया ने सोमवार को कहा कि मजबूत आर्थिक बुनियादी ढांचे और घरेलू नीति सुधारों में निरंतरता से चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की अर्थव्यवस्था सात से 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। डेलॉयट के अगस्त माह के भारत आर्थिक परिदृश्य के अनुसार केंद्रीय बजट 2024-25 में कृषि उत्पादकता में सुधार, युवाओं के लिए रोजगार सृजन, विनिर्माण तथा सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए वित्त तक पहुंच की चुनौती का समाधान करने की दिशा में की गई कई पहलों से आपूर्ति पक्ष की मांग में सुधार, मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने और विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ता खर्च को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। डेलॉइट इंडिया की एक अर्थशास्त्री ने कहा कि वर्ष के पहले छह महीनों में अनिश्चितता के दौर के बाद भारत दूसरी छमाही में मजबूत वृद्धि दर्ज करेगा। आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में कहा गया, मजबूत आर्थिक बुनियाद वित्त वर्ष 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर सात प्रतिशत से 7.2 प्रतिशत के बीच रहेगी। शहरी-ग्रामीण उपभोक्ता व्यय अंतर, मुद्रास्फीति तथा रोजगार संबंधी चिंताओं से प्रभावी ढंग से निटपने से महत्वाकांक्षी ग्रामीण उपभोक्ताओं की सामर्थ्य में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। डेलॉइट इंडिया का वृद्धि अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुमान के बराबर है। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024-25 में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है। यह वित्त मंत्रालय की आर्थिक समीक्षा में लगाए अनुमान से अधिक है, जिसमें जीडीपी विस्तार का अनुमान 6.5 से सात प्रतिशत के बीच लगाया गया है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है।

मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने और विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ता खर्च को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी

न्यूज ब्रीफ

इंडिगो एयरलाइन नवंबर में 12 घरेलू मार्गों पर शुरू करेगी 'बिजनेस क्लास' सर्विस

नई दिल्ली। बजट विमानन सेवा कंपनी इंडिगो एयरलाइनंस नवंबर के मध्य से 12 घरेलू मार्गों पर उड़ानों में 'बिजनेस क्लास' सीट की सर्विस शुरू करेगी। इसकी बुकिंग मंगलवार से होगी। इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने सोमवार को एयरलाइंस की उड़ान सेवा के 18 वर्ष पूरा होने मौके पर यहां आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि नवंबर के मध्य से 12 घरेलू मार्गों पर 'बिजनेस क्लास' सीट की सर्विस व्यस्ततम मार्गों के साथ-साथ व्यावसायिक मार्गों पर भी उपलब्ध होंगी, जिनमें राजधानी दिल्ली से चुनिंदा उड़ानें भी शामिल हैं। एयरलाइन चालू वित्त वर्ष 2024-25 में सात और अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए अपनी उड़ानें शुरू करेगी। फिलहाल टाटा समूह की अगुवाई वाली एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस और विस्तारा एयरलाइंस बिजनेस क्लास सीट की सेवाएं मुहैया कराती हैं।

एनसीएलएटी से राहत के बाद भी बायजू के फाउंडर रवींद्रन पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। कर्ज के संकट का सामना रही स्टार्टअप फर्म का मामला सुलझता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। 2 अगस्त को ही एडटेक को राष्ट्रीय कंपनी विधि अपील अधिकरण (एनसीएलएटी) से राहत मिली थी, लेकिन अब बायजूस के फाउंडर बायजू रवींद्रन ने सुप्रीम कोर्ट में एक और याचिका दायर कर दी है। रवींद्रन को अपने अमेरिकी कर्जदाता की तरफ से एनसीएलएटी के आदेश के खिलाफ याचिका दायर करने की आशंका है, ऐसे में उन्होंने पहले ही सुप्रीम कोर्ट जाने का फैसला कर लिया।

ग्लोबल मार्केट से बड़ी गिरावट के संकेत

एशियाई बाजारों में भी दिखाई दिया बिकवाली का दबाव

जापान और ताईवान के स्टॉक एक्सचेंज में सात प्रतिशत से ज्यादा गिरावट

नई दिल्ली,05 अगस्त (एजेंसियां)। ग्लोबल मार्केट से सोमवार को कमजोर संकेत मिले हैं। पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। इसी तरह यूरोपीय बाजार भी बुरी तरह से टूट कर बंद हुए थे। एशियाई बाजार में भी चौतरफा दबाव बना हुआ है। सोमवार को आईटी और टेक कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजे और निगेटिव जॉब डेटा की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान हताशा का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांकों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

जापान के निक्की 225 में 1987 के बाद बड़ी गिरावट

तोक्यो। जापान के शेयर सूचकांक निक्की 225 में सोमवार को भारी बिकवाली के कारण 10 प्रतिशत की गिरावट आई। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में नरमी के बीच यह गिरावट आई। सूचकांक निक्की सोमवार दोपहर तक 3,500 अंक से अधिक गिरकर 32,385.01 अंक पर आ गया। इसमें शुक्रवार को 5.8 प्रतिशत की गिरावट आई थी। दो कारोबारी सत्र की यह अभी तक की सबसे अधिक गिरावट रही। निक्की में अक्टूबर 1987 में 3,836 अंक की गिरावट आई थी जिसे ब्लैक मंडे करार दिया गया था। बैंक ऑफ जापान (बीओजे) के अपनी प्रमुख ब्याज दर बढ़ाने के बाद से तोक्यो में शेयर की कीमतों में गिरावट आई है।

डाउ जॉन्स 600 अंक से अधिक की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 100.12 अंक यानी 1.84 प्रतिशत लुढ़क कर 5,346.56 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 417.98 अंक यानी 2.43 प्रतिशत की जोरदार कमजोरी के साथ 16,776.16 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी सोमवार को फिलहाल 311.34 अंक यानी 0.78 प्रतिशत की गिरावट के साथ 39,425.92 के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान भगदड़ का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 108.65 अंक यानी 1.33 प्रतिशत टूट कर 8,174.71 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 118.65 अंक यानी 1.64 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 7,521.80 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 421.83 अंक यानी 2.39 प्रतिशत की जबरदस्त कमजोरी के साथ 17,661.22 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में भी बिकवाली का दबाव बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 8 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 1 सूचकांक मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। एशियाई बाजारों में इकलौता शंघाई कंपोजिट इंडेक्स फिलहाल 0.07 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,907.33 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 444.50 अंक यानी 1.80 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,270.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 106.28 अंक यानी 3.14 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 3,275.17 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। वहीं हैंग सेंग इंडेक्स 0.23 प्रतिशत टूट कर 16,906.74 अंक के स्तर तक गिर गया है।

निक्केई इंडेक्स, ताइवान वेटेड इंडेक्स और कोस्पी इंडेक्स जबरदस्त गिरावट का शिकार हुए हैं। निक्केई इंडेक्स फिलहाल 2,608.78 अंक यानी 7.26 प्रतिशत टूट कर 33,300.92 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 1,548.87 अंक यानी 7.16 प्रतिशत लुढ़क कर 20,089.22 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 178.16 अंक यानी 6.66 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 2,498.03 में अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 1.67 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,291.5 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 130.02 अंक यानी 1.78 प्रतिशत टूट कर 7,178.10 के स्तर पर कारोबार करते नजर आ रहे हैं।

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर में जुलाई में हल्की गिरावट

नई दिल्ली,05 अगस्त (एजेंसियां)। देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर जून की तुलना में जुलाई में थोड़ी धीमी देखी गई। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई में 60.3 रही जबकि जून में यह 60.5 थी। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी के एक मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा कि जुलाई में सेवा क्षेत्र की गतिविधि थोड़ी धीमी गति से बढ़ी, नए कारोबार में और वृद्धि हुई जो मुख्य रूप से घरेलू मांग से प्रेरित रही। सेवा कंपनियां आने वाले वर्ष के लिए आशावादी हैं। सितंबर 2014 में इस सर्वेक्षण की शुरुआत के बाद से नए निर्यात ठेकों में तीसरी सबसे तेज वृद्धि हुई है, जिसका कारण दुनिया भर से भारतीय सेवाओं की मांग में वृद्धि है। निर्यात ठेकों की प्रमुख मांग ऑस्ट्रिया, ब्राजील, चीन, जापान, सिंगापुर, नीदरलैंड और अमेरिका से रही। सर्वेक्षण में कहा गया है कि अनुकूल आर्थिक स्थिति और उत्पादन के प्रति आशावादी उम्मीदों ने सेवा कंपनियों में भर्ती को बढ़ावा दिया। इस बीच एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स जुलाई में 60.7 रहा, जो जून में 60.9 था। एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 सेवा क्षेत्र की कंपनियों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

दाल की कीमतों में आई गिरावट

नई दिल्ली। लगभग साल भर परेशान करने के बाद दाल की कीमतों में अब गिरावट देखने को मिल रही है। ऐसे में कहा जा रहा है कि आने वाले महीनों में दालों की कीमतों में और गिरावट आ सकती है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया है कि पिछले एक महीने से देश की विभिन्न मंडियों में दाल की कीमतों में गिरावट आ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक चना, तुअर और उड़द जैसी दालों के दाम कम हो रहे हैं। जनवरी में दालों की खुदरा महंगाई दर 19.54 फीसदी पर थी, जो जून में कम होकर 16.07 फीसदी पर आ गई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सेना ने किया...

सेना प्रमुख ने कहा, पीएम शेख हसीना ने इस्तीफा दे दिया है। हम अंतरिम सरकार का गठन करके शासन करेंगे। हमारे देश का नुकसान हो रहा है। संपत्ति का नुकसान हो रहा है। मुझे दायित्व दीजिए, मैं सब संभाल लूँगा। सेना प्रमुख ने जमान ने कहा, आपकी जो मांग है उसे हम पूरा करेंगे। देश में शांति वापस लाएंगे। तोड़फोड़-आगजनी मारपीट से दूर रहिए। आप लोग हमारे साथ मिलकर चलेंगे तो हालात सुधरेंगे। मारपीट हिंसा से कुछ नहीं मिलेगा। संघर्ष और अराजकता से दूर रहिए। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने देश छोड़ने के पहले राष्ट्र के नाम एक संदेश प्रसारित करना चाहती थीं, लेकिन सेना ने मना कर दिया। स्पष्ट है कि बांग्लादेश की सेना ने बड़ी बुद्धिमानी से बांग्लादेश में तख्तापलट कर दिया।

पीएम आवास में...

पुलिस थानों पर हमले किए जा रहे थे, सुरक्षाकर्मियों का कत्ल हो रहा था, निर्दोष हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा था, सरकार को डराया जा रहा था। ऐसे में 1975 में बांग्लादेश में जो हुआ था उसे याद करना जरूरी है जब सेना के कुछ बागी अधिकारियों के कारण शेख हसीना के घर में 20 लाशें गिरी थीं और बांग्लादेश की राजनीति में उथल-पुथल मच गई थी।

15 अगस्त 1975 को बांग्लादेश के संस्थापक और मुल्क के पहले राष्ट्रपति बंगबंधु शेख मुजीब-उर-रहमान को परिवार समेत मौत के घाट उतारा गया था। शेख मुजीब-उर-रहमान को यकीन नहीं था कि उनके अपने ही लोग उनके खिलाफ बगावत कर सकते हैं, इसीलिए उन्होंने भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ के दिए इनपुट को नकार दिया था। उन्होंने रॉ के संस्थापक आरएन काव द्वारा आगाह किए जाने पर जवाब दिया था, ये मेरे बच्चे हैं मुझे नुकसान नहीं पहुंचाएंगे।

शेख मुजीब-उर-रहमान उस समय अपने और अपने परिवार पर मंडराने वाले खतरे को समझ ही नहीं पाए। हकीकत वही थी जिसके लिए भारतीय खुफिया एजेंसी उन्हें आगाह कर रहे थी।

अगस्त 1975 में बांग्लादेश के सेनाध्यक्ष जनरल शफीउल्ला को सेना की दो बटालियन के बिना किसी आदेश के शेख मुजीब के घर की ओर बढ़ने की सूचना मिली। उन्होंने शेख मुजीब को फोन मिलाया, लेकिन लाइन व्यस्त थी। बहुत कोशिशों के बाद उनका शेख मुजीब से संपर्क हुआ। शेख मुजीब गुस्से में बोले, शफीउल्ला तोमार फोर्स आमार बाड़ी अटैक कोरेछे। तुमि जल्दी फोर्स पाठाओ (तुम्हारे फोर्स ने मेरे घर पर हमला किया है, जल्दी सेना भेजो)।

एंथनी मैस्करेनहास अपनी किताब बांग्लादेश ए लेगेसी ऑफ ब्लड में इस घटना का जिक्र करते हुए लिखते हैं, शेख मुजीब को देखते ही मोहिउद्दीन नर्वस हो गया। उसके मुंह से केवल इतना ही निकला, सर आपनी आशुन (सर आप आइए)। मुजीब ने चिल्ला कर कहा-क्या चाहते हो? क्या तुम मुझे मारने आए हो? भूल जाओ। पाकिस्तान की सेना ऐसा नहीं कर पाई। तुम किस खेत की मूली हो? तभी स्टेनगन लिए मेजर नूर ने प्रवेश किया और मोहिउद्दीन को धक्का देते हुए पूरी स्टेनगन खाली कर दी। मुजीब मुंह के बल गिरे और शेख मुजीब उर रहमान के बाद देखते ही देखते उस घर में मौजूद हर शख्स का सफाया हो गया।

बांग्लादेश की राजधानी ढाका के धनमंडी में यह नरसंहार रोड नंबर 32 के हाउस नंबर 677 में 15 अगस्त 1975 को हुआ था। उस तारीख के बाद शेख मुजीबुर रहमान के परिवार से सिर्फ दो लोग जिंदा बचे थे एक मौजूदा प्रधानमंत्री शेख हसीना और दूसरी शेख रेहाना। इन दोनों बहनों की जान भी इसलिए बच पाई क्योंकि ये जर्मनी में थीं। अगर उस समय ये दोनों बहनें घर में होती तो शायद इन्हें भी बागी अधिकारी मौत के घाट उतार चुके होते।

इस पूरे हत्याकांड को अंजाम देने वाले कर्नल फारूक रहमान, मेजर हुदा सहित पांच हत्यारों को ढाका की केंद्रीय जेल में 2010 में फांसी दी गई थी। इसके अलावा हत्या में शामिल अब्दुल मजीद को कोरोना के बीच ही साल 2020 में फांसी हुई थी। वह शेख मुजीबुर रहमान के 12 हत्यारों में शामिल था। वो पाकिस्तान और भारत में डेरा जमाने से पहले लीबिया में छिपा हुआ था। जब शेख हसीना की सरकार बांग्लादेश में बनी तो उन्होंने पिता के हत्यारों को सजा देनी शुरू कर दी। इसी क्रम में अब्दुल मजीद का नंबर भी आया और कोरोना पाबंदियों के बीच उसे फांसी पर लटकाया गया।

मालूम हो कि 1975 में जिस तरह से बंगबंधु के परिवार को घेरकर मारा गया था वैसे स्थिति उसके पहले 1971 में भी आई थी। तब, उन्हें पाकिस्तानी सेना ने घेरा था मगर तब एक भारतीय कर्नल अशोक तारा उन्हें सुरक्षित बचाकर बाहर ले आए थे। मगर अफसोस 1975 में शेख मुजीब उर रहमान को बचाने वाला कोई था। उनके अपनों ने ही उनकी पीठ पर खंजर घोंपा था जिन्हें वो अपना बच्चा कहते थे।

जनता के पास...

गौरतलब है कि रोज वैली कम्पनी पर देश के 10 राज्यों में निवेशकों के साथ 10,000 करोड़ का घोटाला करने का आरोप है। रोज वैली कम्पनी ने भोले भाले निवेशकों को उनके निवेश पर 17 प्रतिशत तक के ब्याज का झांसा देकर हजारों करोड़ रूपए जमा करवाए और उन्हें पैसा वापस नहीं किया।

रोज वैली घोटाले के अलावा सहारा में जिन निवेशकों का पैसा डूबा है, उन्हें भी मोदी सरकार ने पैसा लौटाना चालू कर दिया है। केंद्र सरकार ने इस संबंध में जानकारी देश के सामने भी रखी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में इस विषय में बताया। वित्त मंत्री ने कहा कि सहारा निवेशकों के साथ हुए फर्जीवाड़े में पूरा मामला सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो रहा है। उन्होंने बताया कि सहारा की तीन कम्पनियां सेबी के अंतर्गत आती हैं। इन तीन कम्पनियों ने 17,526 निवेशकों को 138 करोड़ लौटाए हैं। यह पैसा सहारा द्वारा जमा करवाए गए पैसे से ही दिया गया है।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि निवेशकों को कई बार पैसा लेने के लिए कहा जा चुका है लेकिन जितने आवेदन आए हैं उसी हिसाब से पैसा दिया गया है। उन्होंने बताया कि सेबी से सम्बन्धित मामले में पैसा लेने के लिए निवेशक आगे नहीं आ रहे। इसके अलावा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ने यह भी बताया कि सहारा की सहकारी कम्पनियों में भी करोड़ों छोटे-बड़े लोगों ने पैसा जमा करवाया था। उन्होंने बताया कि देश में केन्द्रीय सहकारिता मंत्रालय बनने के बाद सेबी के पास पड़ा सहारा का जमा किया 5000 करोड़ कोर्ट के आदेश से जमा करने वालों को लौटाने का प्रयास चालू हुआ था।

वित्त मंत्री ने बताया कि इसके लिए केंद्र सरकार ने एक पोर्टल बनाया था। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने सहारा की सहकारी समिति में पैसा जमा करने वाले 4.63 लाख लोगों को 374 करोड़ अब तक लौटाए हैं। इसमें और भी कार्रवाई आगे चल रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पर्ल समूह में हुई धोखाधड़ी के पैसे को लेकर भी बात की। उन्होंने बताया कि पर्ल समूह में पैसा जमा करवाने वाले 20 लाख से अधिक लोगों को 1021 करोड़ लौटाया जा चुका है। वित्त मंत्री ने इस मामले में बताया कि उन लोगों को ही पैसा दिया जा रहा है जिनके दावे सही हैं।

चीन से...

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि डिजिटल लोन देने वाली कंपनियां पिछले कुछ सालों में तेजी से बढ़ी हैं। ये आरबीआई की गाइडलाइन्स का पालन नहीं कर रही हैं। इसके चलते कई कस्टमर धोखाधड़ी के शिकार हुए हैं, साथ ही इस तरह के लोन देने वाली कंपनियां लोगों का मानसिक शोषण भी करने लगती हैं। ये काफी भारी रेट पर ब्याज वसूल रही हैं। इन पर रोक लगाने के लिए सरकार की तरफ से यह जांच शुरू की गई थी। इसी तरह फर्जी जॉब ऑफर देकर भी लोगों को फंसाया जा रहा है।

कंपनियों को बंद करने की प्रक्रिया कंपनी अधिनियम की धारा 248 के तहत 3 महीनों में होती है, जिसमें पहले एक नोटिस भेजा जाता है, उन्हें जवाब देने का समय दिया जाता है। एक महीने के बाद, दूसरा नोटिस भेजा जाता है। यदि तब भी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलती, तो कंपनी को बंद कर दिया जाता है। इससे पहले भी भारतीय सरकार ने ऐसे कड़े कदम उठाए हैं। 2020 में, टिकटॉक और वीचैट सहित 59 चीनी ऐप्स पर प्रतिबंध लगाया गया था। ये ऐप्स डेटा सुरक्षा और गोपनीयता से संबंधित चिंताओं के कारण प्रतिबंधित किए गए थे। इसी तरह 2021 में 43 और चीनी ऐप्स पर प्रतिबंध लगाया गया था।

लैंड और लव...

यह हिमंत बिस्व सरमा की विशेषता है। गौरतलब है कि हिमंत बिस्व सरमा कट्टरता के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रहे हैं। कट्टरता फैलाने वाले मदरसों के खिलाफ भी उन्होंने एक्शन लिया था।

असम सरकार ने हाल ही में बाल विवाह के खिलाफ भी बड़ा कदम उठाया था। राज्य में मुस्लिम विवाह कानून रद्द कर दिया। हिमंत बिस्व सरमा के मंत्रिमंडल ने असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम एवं नियम 1935 के पूरी तरह से निरस्त करने के लिए विधेयक को मंजूरी दी है। मुस्लिम विवाह कानून कम उम्र में निकाह की अनुमति देता है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि हमने बेटियों और बहनों के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

नौ नवंबर से ...

मास्टर प्लान बना रहे हैं। इस योजना पर काम शुरू भी करवा दिया गया है। सीएम धामी ने कहा कि आदि कैलाश यात्रा में उत्साह देखा जा रहा है। लिपुपास सड़क बन जाने से यहां से कैलाश मानसरोवर के दर्शन उत्तराखंड की सीमा से भी हो जाएंगे।उत्तराखंड में पावर सेक्टर को मजबूती देने के लिए धामी ने कहा कि 21 पावर प्रोजेक्ट्स को सुप्रीम कोर्ट द्वारा बनाई गई समिति ने अपनी रिपोर्ट में एनओसी दे दी है। इसके अलावा हमने सोलर पावर प्रोजेक्ट्स और सूरज किरण प्रोजेक्ट्स के जरिए भी राज्य में ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाकर उसे अपने राज्य की आय के स्रोत से जोड़ देना है। अतिक्रमण हटाओ अभियान पर एक बार फिर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि हम किसी धर्म-जाति को टारगेट नहीं कर रहे। हम सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटा रहे हैं और ये अभियान जारी रहेगा।नकल विरोधी अध्यादेश पर कहा कि हमारे इस सख्त कानून से 15 हजार युवाओं को पारदर्शिता के साथ नौकरी मिली है। अब इस कानून को सारे देश को जरूरत है। उम्मीद है कि अन्य राज्य भी इसे अपनाएंगे क्योंकि ये युवाओं के भविष्य को तय करेगा ही साथ साथ देश को और राज्यों को प्रतिभाशाली लोग कामकाज के लिए मिलेंगे।

चौतरफा विकास ...

मंदिरों के शहर जम्मू में प्रवेश करते ही तवी नदी पर रिवर फ्रंट आकार लेता नजर आएगा। उधमपुर-रामबन के रास्ते श्रीनगर की ओर बढ़ें तो हाईवे और पहाड़ों के बीच टनल में फर्राटा भरतीं गाड़ियां, इस दुर्गम प्रदेश की सुगम यात्रा का आनंद महसूस करेंगी। चिनाब पर विश्व का सबसे ऊंचा रेल पुल बन गया है। कश्मीर जल्दी ही रेल मार्ग के जरिए पूरे देश से जुड़ने को तैयार है। अमन के साथ तरक्की की यह कहानी इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट व बड़े-बड़े प्रोजेक्ट तक सीमित नहीं है। कटड़ा में मां वैष्णो देवी के दरबार पहुंचें तो श्रद्धालु यात्रा और दर्शन की सुविधाओं में

सुधार की तारीफ करते नजर आएंगे। श्रीनगर पहुंचने पर डल झील हो या हिंदुओं की श्रद्धा का केंद्र शंकराचार्य और खीर भवानी मंदिर पर्यटकों व श्रद्धालुओं का आकर्षण बने हुए हैं। अमरनाथ यात्रा पिछले 10 वर्षों का इतिहास बनाने वाली है। इस दुर्गम यात्रा को रोप-वे से सुगम बनाने की रूपरेखा तैयार है। बूढ़ा अमरनाथ यात्रा की तैयारी भी चल रही है। देश-दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं के बीच आतंकी घटनाओं का कोई असर नजर नहीं आया है। सूबे में गन और गोली की जगह निवेश और नौकरियों की बात हो रही है। चर्चित लाल चौक पर पर्यटकों का जमावड़ा राज्य के बदलावों की गवाही दे रहा है।

श्रीनगर के लाल चौक के पास एक मल्टीनेशनल चेन में काम करने वाले कारोबार प्रबंधन में स्नातक (बीबीए) फैजान कहते हैं कि यहां के आम लोग अमन पसंद हैं। इन पांच साल में आतंकवाद और घुसपैठ में काफी कमी आई है। सेना को लोगों का साथ मिला है। अलगावावादी गतिविधियां ठप्प हैं। जिस पत्थरबाजी से आम लोग त्रस्त थे, वह गुजरे जमाने की बात हो चुकी है।फैजान कहते हैं कि लाल चौक पर दिल्ली के इंडिया गेट की तरह गुलजार मार्केट से ही समझ सकते हैं, बदलाव कितना पुरसुकून वाला है।प्रदेश के वाल्मीकि समाज और पश्चिमी पाकिस्तान से आए विस्थापित स्थायी नागरिकता से वंचित थे। पांच अगस्त 2019 से पहले राज्य में दो मतदाता सूचियां बनती थीं। एक विधानसभा चुनावों के लिए और दूसरी संसदीय चुनावों के लिए। विधानसभा की सूची में सिर्फ जम्मू-कश्मीर के मूल निवासी जिन्हें स्टेट सब्जेक्ट या स्थायी नागरिक कहा जाता था, वे ही पंजीकृत होते थे। वे ही वोट डाल सकते थे। आगामी विधानसभा चुनावों में वाल्मीकि समाज और पश्चिमी पाकिस्तान से आए विस्थापित भी वोट डाल पाएंगे। इसी तरह प्रदेश में पश्चिम पाकिस्तान से आए शरणार्थियों को जमीन का मालिकाना हक मिला। पहाड़ी समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिया गया। इन्हें असली आजादी अनुच्छेद-370 खत्म होने की वजह से मिल पाई है।जम्मू संभाग पिछले कई सालों से शांत माना जाता था। आतंकी गतिविधियां खत्म हो गई थीं। लेकिन, लोकसभा चुनाव में अवाम के उत्साहपूर्ण मतदान से बौखलाए पाकिस्तान ने फिर आतंकियों को घुसपैठ कराने और छद्म युद्ध का रास्ता पकड़ लिया है। पीएम नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह के दिन तीर्थयात्रियों की बस पर हुए आतंकी हमलों ने यह शांति छीन ली है। अब तक करीब एक दर्जन छोटे-बड़े आतंकी हमले हो चुके हैं। इनमें कई जवान बलिदान हुए हैं। मुश्किल ये कि सेना व पुलिस तमाम प्रयास के बाद भी आतंकियों के खिलाफ ठोस कुछ नहीं कर पाई है। लोगों में चिंता बढ़ रही है। विधानसभा चुनाव की उम्मीदें सुरक्षा के फैक्टर पर टिकी हुई हैं। केंद्र के लिए यह चिंता की बात होनी चाहिए।लद्दाख को अलग केंद्रशासित प्रदेश बनाया गया। इसके कई सकारात्मक बदलाव नजर आए हैं, लेकिन लद्दाख के लोग राज्य को छठी अनुसूची में शामिल करने और राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग कर रहे हैं। पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक का आंदोलन लोकसभा चुनाव में भाजपा की हार का कारण बन चुका है। वांगचुक ने फिर से आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी है। यह चेतावनी उन्हें सुनने की मांग करती है।

हम जम्मू कश्मीर...

लागू किया जा सकता है। संविधान बनाने वालों का भी यही सपना था।प्रधानमंत्री ने कहा कि धारा 370 के हटने के बाद में लोगों की जिंदगी में काफी बदलाव आया है। यहां की महिलाओं, युवाओं, पिछड़े, आदिवासी और समाज के हाशिए पर खड़े लोगों को सुरक्षा, सम्मान और नए मौके मिले हैं। इन लोगों को अभी तक विकास का सही से फायदा नहीं मिल पाता था। अनुच्छेद 370 खत्म करने के सरकार के कदम ने यह सुनिश्चित कर दिया कि दशकों से जम्मू-कश्मीर में फैले हुए भ्रष्टाचार को दूर कर दिया गया है। मैं जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों को आश्वस्त करता हूं कि हमारी सरकार उनके लिए काम करती रहेगी और आने वाले समय में उनकी इच्छाओं को भी पूरा करेगी।

सावन पुत्रदा एकादशी 16 को

संतान सुख के लिए खास है ये व्रत, जानें मुहूर्त

संतान प्राप्ति के लिए साल में दो बार पुत्रदा एकादशी का व्रत किया जाता है । पौष और श्रावण शुक्ल पक्ष की एकादशियों को पुत्रदा एकादशी कहते हैं। जो दम्पत्तियों शादी के बाद संतान सुख से वंछित है उन्हें सावन महीने की पुत्रदा एकादशी का व्रत जरुर करना चाहिए।

मान्यता है कि इससे सूनी गोद भर जाती है। सावन में एकादशी का व्रत करने से न सिर्फ श्रीहरि बल्कि शिव जी का भी आशीर्वाद प्राप्त होता है। जानें 2024 में सावन पुत्रदा एकादशी व्रत की डेट, पूजा मुहूर्त और महत्व।

सावन पुत्रदा एकादशी व्रत 16 अगस्त 2024 को है। ये व्रत संतान प्राप्ति और संतान के दीर्घायु होने और सभी मनोकामना की पूर्ति के लिए रखा जाता है।

सावन माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 15 अगस्त 2024 को सुबह 10 बजकर 26 मिनट पर शुरू होगी और 16 अगस्त 2024 को सुबह 09 बजकर 39 मिनट पर इसका समापन होगा।

पूजा मुहूर्त - सुबह 05.51 - सुबह 10.47

एकादशी का व्रत पारण द्वादशी तिथि पर शुभ मुहूर्त करने पर ही इस व्रत का फल मिलता है। सावन पुत्रदा एकादशी का व्रत पारण 17 अगस्त 2024 को सुबह 05.51 से सुबह 08.05 के बीच किया जाएगा। इस दिन द्वादशी तिथि समाप्त होने का समय सुबह 08.05 मिनट है।

जन्म और मृत्यु के समय में किये जाने वाले संस्कारों का हिन्दु धर्म में अत्यधिक महत्व है। हिन्दु धर्म में मृत्यु के समय कुछ महत्वपूर्ण संस्कार निर्धारित है जो पुत्र के जरिए किये जाते है, मान्यता है तभी माता पिता की आत्मा को मुक्ति मिलती है। सावन पुत्रदा एकादशी व्रत संतान प्राप्ति की कामना को पूर्ति करने वाला माना गया है। अंत समय में व्यक्ति जन्म-मरण के बंधन से मुक्त होकर मोक्ष को प्राप्त होता है।

झारखंड में यहां विराजमान हैं 26 मुख, 52 भुजाओं वाले शिवजी

दर्शन मात्र से नष्ट होते जाते हैं पाप

गुमला जिला शिवनगरी के रूप में जाना जाता है। यहां के कण-कण में शिव बसे हुए हैं। जिला चारों ओर शिवलिंग व देवालय से भरे पड़े हैं। जिस कारण गुमला जिला बाबा नगरी के रूप में जाना जाता है। इन्हीं मंदिरों में से एक है। गुमला जिला के रायडीह प्रखंड के मरदा गांव स्थित देवालय में भगवान शिव अपने विराट रूप में विराजमान हैं। यहां महा सदाशिव की अनोखी व अदभुत प्रतिमा स्थापित है। जिसके 26 मुख वा 52 भुजा हैं।

यह राज्य एवं जिला का पहला महासदाशिव मंदिर है। यहां भगवान शिव की अनोखी प्रतिमा तो स्थापित है। इसके साथ ही मंदिर भी अनोखा है। मंदिर उड़ीसा के कारीगरों द्वारा निर्मित है। यह किसी भी मंदिर का नमूना नहीं है। यह खुद से डिजाइन करके बनाया गया है। जो लगभग 85 फीट ऊंचा है। शिव के इस रूप के दर्शन मात्र से ही मनुष्य के सारे पाप नष्ट हो जाते हैं। मनुष्य का जन्म कृतार्थ हो जाता है।

दर्शन मात्र से पाप हो जाते है नष्ट

मंदिर के पुजारी मनोरंजन मिश्रा ने लोकल 18 से कहा कि भगवान शिव के 108 नाम हैं। भगवान शिव के तीन रोप स्वरूप दिव्य है - शिव,सदाशिव और महासदाशिव है। झारखंड के गुमला जिला के रायडीह प्रखंड के मरदा गांव में महा सदाशिव की प्रतिमा स्थापित है। जिनकी 26 मुख 52 भुजाएं हैं। जिनके दर्शन मात्र से ही मनुष्य का पाप नष्ट हो जाता है। इससे सुख शांति व मनवांछित फल प्राप्त होता है।यह अति दुर्लभ प्रतिमा है। यह राज्य का पहला महा सदाशिव मंदिर है।

शिवजी की है 26 मुख और 52 भुजाएं

यह झारखंड का पहला महासदाशिव जो हमारे देवालय में स्थापित है। यह प्रतिमा झारखंड में ही नहीं पूरे भारतवर्ष में अति दुर्लभ है। भारत के कुछ ही देवालय में भगवान शिव की दुर्लभ प्रतिमा के दर्शन होते हैं। मेरे जानकारी के अनुसार यह देवालय भारत में चौथा नंबर में जहां भोले बाबा महासदाशिव के दिव्य विराट स्वरूप के दर्शन कर सकते हैं। मनुष्य महासदाशिव के दर्शन पाकर के अपने जन्म को कृतार्थ कर लें। महासदाशिव जी की 26 मुख और 52 भुजाएं का वर्णन महाशिवपुराण में वर्णित है। मंदिर के निर्माता विज्ञान सिंह के द्वारा किया गया है।

विज्ञान सिंह के दादा श्रीधर सिंह शिव के बड़े उपासक थे। उन्होंने ही अपने गांव में मंदिर बनाने की योजना बनाई थी। उनका स्वर्गवास हो गया। परंतु उनके पौत्र विज्ञान सिंह उनके योजना को पूर्ण करने की ठानी। इसके लिए उन्होंने जगदगुरु शंकराचार्य, ज्योतिष्पीठ/द्वारका शारदा पीठ स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती से मिले। उनसे मंदिर निर्माण व भोले बाबा के प्राण प्रतिष्ठा के बारे में विचार विमर्श किया। जिन्होंने शिव जी के महासदाशिव की प्रतिमा स्थापित करने का सुझाव दिया। स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के सानिध्य में मार्च 2019 में मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा किया गया।

यहां महासदाशिव जी विराजमान हैं। जिनकी 26 मुख 52 भुजाएं हैं। यहां शिव जी के द्वारपाल रिंगी और भृंगि भी विराजमान हैं। f

जनके भी दर्शन कर सकते हैं। इसके साथ ही नवग्रह के दर्शन कर सकते हैं। जैसे - सूर्य,चंद्र, मंगल,बुध, गुरु ,शुक्र, शनि, राहु और केतु भी विराजमान हैं। यह नवग्रह सबको कल्याण प्रदान करते हैं। सावन माह में बाबा जी का यहां विशेष अनुष्ठान, आराधना किया जाता है। शिव जी ऐसे सामान्य दिनों में सिर्फ धरातल पर 1 माह में 4 दिन ही रहते हैं। परंतु सावन माह में पूरे सावन भर धरातल पर मां शक्ति के साथ विराजमान रहते हैं। मनुष्य सावन में अनुष्ठान,हवन, आराधना,साधना करता है। उसका सर्वधा कल्याण प्राप्त होता है।

चमत्कारी मूर्ति वाला मंदिर! बदलते हैं देवी के चेहरे के भाव

मन्नत मांगने के लिए लगती है लाइन

जादू और चमत्कार की कई कहानी आपने सुनी होंगी। लेकिन हम आज आपके लिए सच में मौजूद चमत्कारी मूर्ति की कहानी लेकर आए हैं। यह नजारा देखने के लिए मिलता है मध्य प्रदेश के सतना के भटनावर में। यहां देवी की एक प्रतिमा मौजूद है। खास इसलिए क्योंकि इस मूर्ति की आंखे घूमती हैं। ऐसा सिर्फ 1-2 बार नहीं बल्कि हर रोज होता है। सूर्य की दिशा जैसे ही बदलती है, मूर्ति के चेहरे के भाव भी बदल जाते हैं। इसी रहस्यमयी मूर्ति की कहानी आज हम आपके लिए लेकर आए हैं।

भटनवारा देवी की मौर्यकालीन मूर्ति का रहस्य किसी जादू से कम नहीं है। इस प्रतिमा को देवी मां कालका कलकत्ता की देवी बहन कालिका का स्वरूप माना जाता है। मूर्ति अलग है क्योंकि इसकी आंखे घूमती हैं। चेहरे के भाव बदलते हैं। इसे 700 साल पुराना बताया जाता है। कभी देवी गुस्से में तो, कभी खुश दिखाई देती हैं। पहले प्रतिमा नदी किनारे थी। फिर इसका स्थान बदला गया।

भटनावर के राजा हुआ करते थे। उनका नाम था राजा मनक सिंह। उन्हें ही यह मूर्ति करारी नदी के किनारे मिली थी। चोरों ने मिलकर इस मूर्ति को चुराने की कोशिश की थी। लेकिन वो असफल रहे थे। तब राजा ने प्रतिमा रखने के लिए नदी किनारे एक मंदिर बनवाया। लेकिन मंदिर में मूर्ति नहीं आ पाई। इसके बाद मूर्ति को उसी जगह पर रहने दिया गया, जहां से वो मिली थी। 70 के दशक में मूर्ति को नए मंदिर में रखा गया। इस मंदिर में मौजूद कालका मां हर दिन तीन बार अपने नेत्र की दिशा बदलती है। सूर्य उदय होता है तो आंखे पूर्व में होती हैं। फिर समय के साथ बीच में आ जाती है और सूर्यास्त के समय आंखे पश्चिम दिशा की ओर रहती है। सालों से ऐसा हर दिन होता आ रहा है।

मन्नत पूरी करने वाला मंदिर

यूं तो हर मंदिर में भीड़ लगती है। लेकिन कालका मईया की अनोखी मूर्ति के लिए दूर-दूर से आते हैं। ऐसा कहा जाता है कि जो भी भक्त इस मंदिर में प्रार्थना कर मांगता है, उसकी सारी मनोकामना पूरी हो जाती है।

नवरात्रि पर लगता है मेला

नवरात्रि जैसे मौकों पर इस मंदिर में मेला लगता है। दूर-दूर से लोग आते हैं। भक्तों का कहना है कि इस मंदिर में पूजा कर जो भी मांगा जाता है, वो जरूर मिलता है। मेले अलावा भंडारो के लिए भी मंदिर प्रसिद्ध है। दूर-दूर से लोग यहां पर आकर भंडारे करते हैं। हर दिन कुछ न कुछ बांटा जाता है।

अल्मोड़ा में भी है ऐसा अनोखा मंदिर

उत्तराखंड के अल्मोड़ा में स्याही देवी मंदिर भी बहुत प्रसिद्ध है। सतना ही तरह इस मंदिर की भी बहुत मान्यता है। कहा जाता है कि इस मंदिर में भी देवी दिनभर में 3 बार चेहरे के भाव बदलती हैं।

भगवान भोले के अभिषेक के लिए इंग्लैंड से आया इत्र...

खुशबू से महक उठे आसपास के गांव, बोतलों में भरकर ले गए लोग

सावन, जिसे श्रावण माह के नाम से भी जाना जाता है। जो हिंदू कैलेंडर का सबसे महत्वपूर्ण महीना है। इस दौरान भक्त भगवान शिव की पूजा आराधना करते है। श्रावण माह हिंदुओं, विशेषकर शिव भक्तों के लिए बहुत महत्व रखता है। ऐसी मान्यता है कि यह वह पावन महीना है जब देवों के देव महादेव धरती पर अपने भक्तों के कष्टों को दूर करने के लिए आते हैं।

राजस्थान में ऐसे कई दिव्य मंदिर हैं, जिनकी महिमा का जितना गुणगान किया जाए उतना कम है। जी हां ऐसा ही एक प्राचीन शिव मंदिर चूरू के दुधवाखारा गांव में स्थित है, जहां भोले के अभिषेक के लिए इंग्लैंड से इत्र लाया गया था। इस इत्र की महक से ना सिर्फ दूधवाखारा गांव बल्कि आस पास के गांव भी महक उठे थे। गांव के ही देवेंद्र दाधीच बताते हैं कि जिला मुख्यालय से करीब 35 किलोमीटर दूर 70 साल पहले इस मंदिर को सेठ हजारीमल की पत्नी सरस्वती देवी और उनके दत्तक पुत्र ने बनवाया था। इसकी बनावट हूबहू ताजमहल से मिलती है।

शिव मंदिर में विशेष तौर पर सावन माह में महीने भर धार्मिक आयोजन होते हैं। खास, बात यह है कि पूरी इमारत संगमरमर के पत्थरों से बनाई गई है और उम्दा कारीगरी का ये एक बेहतरीन नमूना है। ग्रामीण देवेंद्र दाधीच बताते हैं कि सरस्वती देवी ने इमारत को बनाने के लिए राजस्थान के बेहतरीन कारीगरों को बुलाया था। इसका नायाब नमूना भी इसके निर्माण में देखने को मिलता है। कारीगरों ने इस इमारत में पत्थरों को जोड़ने के लिए कहीं भी बजरी या सीमेंट काम में नहीं लिया गया है। आने वाले यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसलिए उसके पास में ही धर्मशाला बनाई गई है।

मंदिर में शिव की स्थापना के दौरान भगवान भोले का इत्र से अभिषेक किया गया जो इत्र इंग्लैंड से मंगवाया गया था।

अभिषेक के दौरान इत्र यहां की नालियों में बह गया, इसे ग्रामीण बोतलों में भर कर ले गए और इत्र की ख़ुशबू आस-पास के गांवो तक फैली और तब से ही सावन माह में विशेष पूजा के लिए यहां दूर-दराज से श्रद्धालु आते हैं।

नागपंचमी के दिन क्यों बनाते हैं गोबर के सांप?

क्या है इस अनोखी परंपरा का महत्व, जानें पूजा का शुभ मुहूर्त

हिंदू धर्म में नाग देवता को जल और अन्न का देवता माना जाता है। सावन में आने वाली शुक्ल पक्ष की पंचमी के दिन विधि विधान से पूजा भी की जाती है। इस दिन को नाग पंचमी के नाम से जाना जाता है। इस दिन विशेष रूप से नाग देवता की पूजा की जाती है। ऐसा माना जाता है कि नाग पंचमी की पूजा से भगवान शंकर प्रसन्न होते हैं और व्यक्ति को सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। इस दिन घर के मुख्य द्वार पर गाय के गोबर से नाग देवता की आकृति बनाई जाती है। क्या है इसका महत्व है और क्यों बनाई यह आकृति बनाई जाती है आइए जानते हैं

आपको बता दें कि, इस वर्ष नाग पंचमी 09 अगस्त को मनाई जा रही है। पूजा के लिए शुभ समय शाम 05 बजकर 47 मिनट से लेकर 08 बजकर 27 मिनट तक है। हिन्दू धर्म में प्राचीन काल से ही यह परंपरा चली आ रही है, जिसके अनुसार नाग पंचमी के दिन घर के मुख्य द्वार पर नाग देवता की आकृति बनाई जाती है। इसके लिए गाय के गोबर का उपयोग किया जाता है। मान्यता है कि, ऐसा करने से घर में शुभता आती है और घर में कभी नाग भय नहीं रहता।

चूंकि, नाग देवता महादेव के गले का श्रृंगार हैं और इसलिए इस दिन नाग देवता के साथ भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा भी की जाती है। माना जाता है कि नागपंचमी के दिन नाग देवता के साथ शिवशक्ति की पूजा करने से घर में समृद्धि आती है और नाग देवता के साथ भगवान शिव की कृपा भी बनी रहती है।

सेहत का खजाना और मुक्ति दिलाती है गिलोय

इम्यून सिस्टम मजबूत करने में गिलोय सबसे महत्वपूर्ण पौधा है। यह लिवर की बीमारियों में असरदार जड़ी-बूटी है। आयुर्वेदिक डॉक्टर के अनुसार गिलोय का पौधा हर घर में होना चाहिए। ग्रह नक्षत्र के हिसाब से भी यह पौधा काफी शुभ माना जाता है। मानसून के दिनों में गिलोय का पौधा आसानी से उग जाता है। धार्मिक और आध्यात्मिक लाभों के अलावा, गिलोय के आयुर्वेदिक फायदे भी हैं जैसे कि प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करना, डिटॉक्सिफिकेशन और स्वास्थ्य को बढ़ावा देना।

घर में इस तरह आसानी से लगाए गिलोय का पौधा

नर्सरी प्रबंधक रमेश कुमार ने बताया कि गिलोय के पौधे को लगाने के लिए किसी भी गिलोय के पौधे से तना काट लीजिए और उसमें एक-एक हाथ की लंबाई के बराबर कुछ डंडियों को कैंची या चाकू और हाशिये से तिरछे आकार में काट दें। 15 से 20 दिनों के अंदर इसमें नई पत्तियां फूट

जाएगी और यह बहुवर्षीय बेल के रूप में लगातार विकसित होती रहेगी। जून और जुलाई महीने में लगाई गई इसकी कटिंग जल्दी उगती है। गिलोय एक एंटी बैक्टीरियल, एंटी एलर्जिक, एंटी डायबिटिक और दर्द निवारक है। इसके जूस, पाउडर व टैबलेट की इन दिनों बाजार में भरमार है। आटो इम्यून डिसऑर्डर, बुखार, डायबिटीज, लिवर व पेशाब से जुड़ी समस्याओं में इसकी दवा असरदार है। गिलोय में फाइबर, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, पोटेशियम, आयरन और कैल्शियम पाया जाता है। गिलोय का सबसे बढ़िया इस्तेमाल इसकी डंडी या तने को काटकर कूट लें और उसका रस निकालकर इस्तेमाल करें। लेकिन अगर इस रूप में उपलब्ध न हो तो इसके जूस और पाउडर का इस्तेमाल किया जा सकता है। बाजार में गिलोय से बना अमृतारिष्ट पाउडर भी आता है।

गिलोय के धार्मिक फायदे

पापों से मुक्ति: धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गिलोय का सेवन पापों से मुक्ति और आत्मा की शुद्धि के लिए लाभकारी माना जाता है।

धार्मिक अनुष्ठानों में उपयोग: गिलोय का उपयोग विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों और पूजा विधियों में भी किया जाता है। इसे देवी-देवताओं की पूजा में चढ़ाया जाता है और इसे शुभ माना जाता है।

आध्यात्मिक उन्नति: गिलोय का सेवन मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति में सहायक माना जाता है।

थलापति विजय की फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम का तीसरा गाना स्पार्क रिलीज

थलापति विजय की गोट साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है। फिल्म के मेकर्स ने हाल ही में गोट का टीजर रिलीज किया था। जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिला। वहीं फिल्म से रिलीज हुए पहले दो गानों ने भी दर्शकों की खूब तारीफें बटोरीं। अब मेकर्स फैंस के लिए इसका तीसरा सिंगल लेकर आए हैं। जिसका प्रोमो हाल ही में रिलीज किया गया था। जिसके बाद से ही फैंस गाने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। अब आखिरकार सॉन्ग रिलीज कर दिया है।गोट के नए सॉन्ग की शानदार बीट आपको थिरकने पर मजबूर कर देगी। इस एनर्जेटिक डांस नंबर में विजय और मीनाक्षी चौधरी हैं, जिसका म्यूजिक युवान शंकर राजा ने दिया है। म्यूजिशियन और सिंगर वृषा बालू दोनों ने ही गाने को अपनी आवाज दी है।

यह सॉन्ग लिरिकली रिलीज किया गया है। जिसकी म्यूजिक और बीट आपको जरुर पसंद आएगा।कुछ दिन पहले ही मेकर्स ने ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम की एडवांस बुकिंग का एलान किया था। वहीं थलापति के 50वें बर्थडे पर फिल्म का धांसू टीजर रिलीज किया गया। टीजर में थलापति विजय का डबल रोल देखने को मिला, जिसे देखने के बाद विजय के फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

टीजर में विजय का ताबड़तोड़ एक्शन देखने को मिला। जिसके बाद फिल्म का दूसरा गाना भी रिलीज किया गया और अब इसका तीसरा गाना स्पार्क रिलीज किया गया है। जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।थलापति विजय की ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म को वेंकट प्रभु ने डायरेक्ट किया है। फिल्म तमिल, तेलुगु और हिंदी में रिलीज होगी। विजय के अलावा फिल्म में प्रशांत, प्रभु देवा, स्नेहा, लैला, जयराम, मोहन, वैभव और प्रेमगी अमरन जैसे कलाकार शामिल हैं।

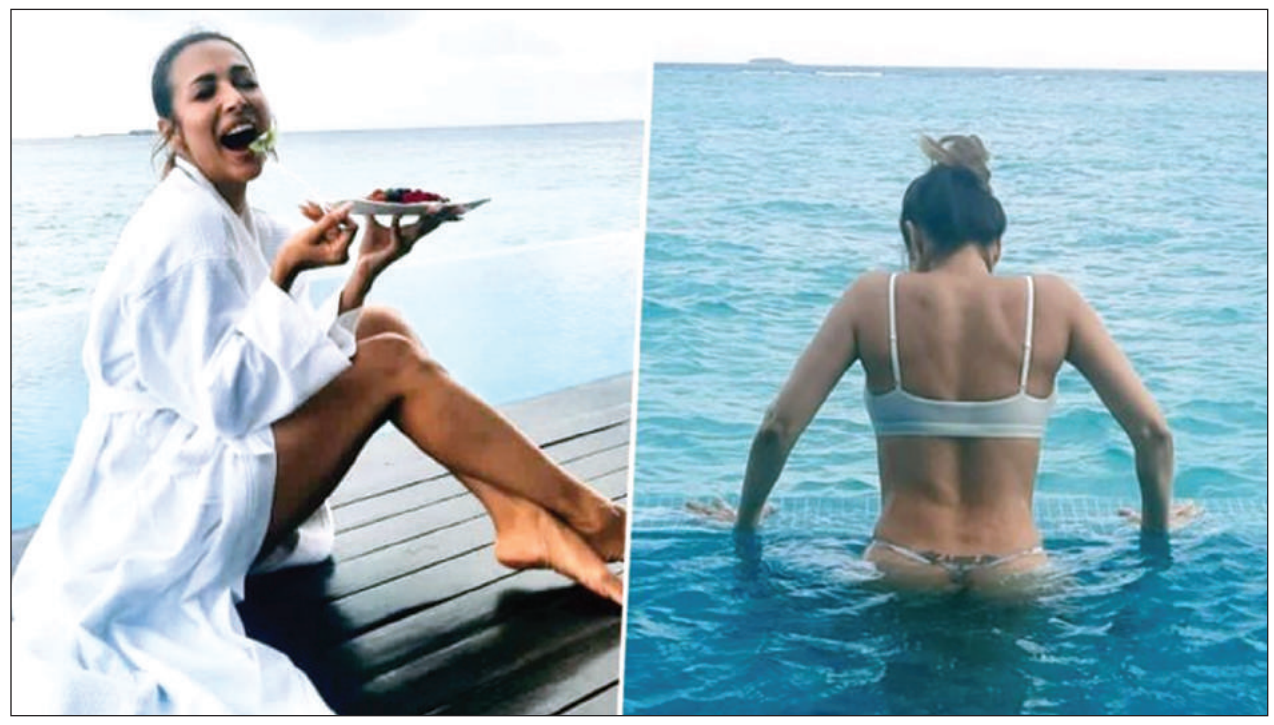

अर्जुन कपूर से दूर अपनी दुनिया में मस्त दिखीं मलाइका अरोड़ा

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा हमेशा लाइमलाइट में बनी रहती हैं। मलाइका अरोड़ा सोशल मीडिया के जरिए अपने से जुड़े अपडेट फैंस के साथ शेयर करती हैं। अब मलाइका अरोड़ा ने अपने वेकेशन की फोटोज शेयर कर फैंस का ध्यान खींचा है। दरअसल, मलाइका अरोड़ा ने अलग-अलग रिवीलिंग आउटफिट में फोटोज क्लिक करवाए और इसकी झलक सोशल मीडिया पर दिखाई है। मलाइका अरोड़ा के तमाम चाहने वाले फैंस उन्हें इस तरह सिजलिंग अंदाज में देखकर आहें भर रहे हैं।

मलाइका ने बाथरोब में ढाया कहर

मलाइका अरोड़ा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। मलाइका अरोड़ा पूल किनारे बाथरोब में काफी खुश नजर आ रही हैं।

मलाइका ने पूल में किया एंजॉय

मलाइका अरोड़ा ने पूल के अंदर बिकिनी पहनकर जमकर एंजॉय किया। मलाइका अरोड़ा की लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोज उनके फैंस को खूब पसद आ रही हैं।

मलाइका का ग्लैमरस अंदाज वायरल

मलाइका अरोड़ा ने एक और बार कैमरे की तरफ पीठ करके पोज दिया। इसमें भी मलाइका अरोड़ा बिकिनी में कातिलाना अंदाज दिखा रही हैं।मलाइका अरोड़ा की नई तस्वीरों को फैंस पसंद करने के साथ ही कमेंट भी कर रहे हैं। फैंस ने अपनी पसंदीदा एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा पर जमकर प्यार लुटाया है।मलाइका अरोड़ा हाल ही में एयरपोर्ट पर अकेले स्पॉट हुई थीं। अब तस्वीरों से पता चल रहा है कि मलाइका अरोड़ा वेकेशन के लिए निकली थीं। मलाइका अरोड़ा अक्सर अपनी सिजलिंग अदाओं वाली तस्वीरें फैंस को दिखाती रहती हैं। मलाइका अरोड़ा की एक झलक देखने के लिए फैंस उतावले रहते हैं।मलाइका अरोड़ा को लेकर इन दिनों खबरें है कि उनका बॉयफ्रेंड अर्जुन कपूर से ब्रेकअप हो गया है। हालांकि, दोनों की तरफ से अभी कोई बयान नहीं आया है।

ब्लैक बॉडीकॉन ड्रेस पहन पूनम पांडे ने दिए किलर पोज

बेबाक अंदाज के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस पूनम पांडे सोशल मीडिया पर कहर बरपाए रहती हैं। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर होते ही तेजी से वायरल हो जाती हैं। वहीं, फैंस पूनम पांडे की हर कातिलाना अदा पर अपना दिल फिदा कर देते हैं।बॉलीवुड की बोल्ड अभिनेत्री पूनम पांडे एक बार फिर अपने हॉट लुक से सुर्खियों में हैं। हाल ही में, पूनम पांडे को ब्लैक बॉडीकॉन ड्रेस में देखा गया, जिसमें वे बेहद खूबसूरत लग रही थीं। एक्ट्रेस के इस अवतार ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है और उनके फैंस उनके इस लुक को खूब पसंद कर रहे हैं। पूनम पांडे ने ब्लैक बॉडीकॉन ड्रेस के साथ लाइट मेकअप किया हुआ था। खुले बालों और कैजुअल मेकअप के साथ, एक्ट्रेस बेहद स्टाइलिश लग रही थीं। उन्होंने अलग-अलग पोज देते हुए कई तस्वीरें और वीडियो क्लिप्स शेयर किए, जिनमें वे बेहद हॉट और ग्लैमरस लग रही हैं।पूनम पांडे की इन तस्वीरों और वीडियो को देखकर उनके फैंस उनकी खूबसूरती के दीवाने हो गए हैं।

चियान विक्रम स्टारर तंगलान का टाइटल ट्रैक थंगालान वॉर रिलीज

साउथ एक्टर चियान विक्रम ने एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया है। उनकी पॉपुलैरिटी इंडस्ट्री में काफी ज्यादा है। सुपरस्टार चियान विक्रम हमेशा अलग तरह की फिल्में करते हैं। चियान विक्रम की फिल्म तंगलान के टाइटल ट्रैक को देखने के लिए फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। अब आखिरकार फिल्म का टाइटल गाना रिलीज हो गया है। इस गाने को देखने के बाद फैंस भी काफी एक्साइटेड हो गए है। ये कहना बिल्कुल भी गलत नहीं होगा कि फिल्म में काफी दमदार तरीके से गाने तैयार किए गए है। बता दें कि तंगलान साउथ की एक बड़ी फिल्म होगी। इस फिल्म की कहानी सच्ची दिखाई गई है। तंगलान साउथ की एक अलग और अनोखे कॉन्सेप्ट वाली फिल्म है। गाने के रिलीज के साथ जीवी प्रकाश कुमार द्वारा कंपोज्ड ये मजबूत गाना अपने नाम की तरह ही जोश से भरा है। साथ ही एक अनोखे म्यूजिकल जर्नी पर ले जाता है। कहना गलत नहीं होगा की फिल्म के लिए इस दमदार गाने ने स्टेज तैयार कर दिया है। तंगलान साउथ की एक और बड़ी फिल्म होगी। ये कोलार गोल्ड फील्ड्स की सच्ची कहानी बताती है, जब अंग्रेजों ने इसे खोजा और अपने फायदे के लिए इसका इस्तेमाल किया।फिल्म में चियान विक्रम, पार्वती थिरुवोथु, मालविका मोहनन समेत कई स्टार्स नजर आने वाले हैं। साथ ही फिल्म तंगलान को डायरेक्ट पा रंजीत ने किया है। साथ ही पा रंजीत, के ई ज्ञानवेल राजा, ज्योति देशपांडे और जी धनंजयन ने फिल्म को प्रोड्यूस किया है। म्यूजिक की बात करें तो इस फिल्म का म्यूजिक कंपोज जीवी प्रकाश कुमार ने किया है। चियान विक्रम और मालविका मोहनन स्टारर फिल्म तंगलानळ 15 अगस्त, 2024 को हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में दुनिया भर में रिलीज होने वाली है। फिल्म का म्यूजिक जीवी प्रकाश कुमार ने कंपोज किया है। हाल ही में फिल्म तंगलान का दमदार ट्रेलर भी रिलीज किया गया था। ट्रेलर में जादुई दुनिया और काफी ज्यादा रहस्यमय चीजों की एक झलक दिखाई गई थी। फिल्म के ट्रेलर में एक बेहद ही डरावना सीन भी आता है, जब अचानक से एक सांप बाहर निकलकर किसी को काट लेता है। जिसके बाद से ही फैंस भी इस फिल्म को देखने के लिए काफी ज्यादा बेताब दिख रहे है।

मानसून के कारण करिश्मा तन्ना के बाल हो रहे खराब

बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा तन्ना ने मुंबई में मानसून के कारण होने वाली परेशानी के बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि इस मौसम के कारण उनके बाल उलझ गए हैं।करिश्मा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपने लंबे बालों और बेदाग त्वचा का प्रदर्शन कर रही हैं। सफेद कपड़ों में वह कैमरे की तरफ देखकर मुस्कुराती नजर आ रही हैं।कैप्शन के लिए अभिनेत्री ने लिखा, घुंघराले बाल, मानसून।इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी कई तस्वीरें शेयर कीं। पहली तस्वीर में अभिनेत्री पाउडर ब्लू शर्ट के साथ डेनिम और सफेद स्नीकर्स में नजर आ रही हैं। अगली तस्वीर में वह एक इमारत के सामने पोज देती दिख रही हैं। इस फोटो को देखकर ऐसा लग रहा है कि यह विदेश की है।आखिरी तस्वीर में उन्हें केक और एक कॉफी कप के साथ देखा जा सकता है।अभिनेत्री ने पोस्ट में इस बात का खुलासा नहीं किया है कि ये तस्वीरें कहां की हैं।करिश्मा ने 2001 में क्योंकि सास भी कभी बहू थी शो से टेलीविजन पर डेब्यू किया था। इसके बाद वह पालखी, नागिन 3 और कयामत की रात जैसे शो में नजर आईं।

अपने करियर में अभिनेत्री ने लगभग हर चीज आजमाई है। डेली सोप में काम करने के बाद उन्हें बिग बॉस 8 और फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 10 जैसे रियलिटी शो में देखा गया।इसके बाद उन्होंने बड़े पर्दे पर दोस्ती: फ्रेंड्स फॉरएवर, ग्रैंड मस्ती और संजू जैसी फिल्में कीं।करिश्मा ने करले तू भी मोहब्बत के साथ ओटीटी स्पेस में भी हाथ आजमाया, लेकिन हंसल मेहता द्वारा निर्देशित स्कूप में उनके काम ने उन्हें स्टारडम दिलाया।मार्च में अभिनेत्री ने कहा था कि स्कूप ने उन्हें जो पहचान दी है, इससे दर्शक उन्हें गंभीरता से लेने लगे हैं।उन्होंने कहा था, स्कूप से पहले भी मुझे लोग जानते थे। मैं काफी समय से इस इंडस्ट्री का हिस्सा रही हूं। मगर इससे मुझे जो पहचान मिली, वह मेरे लिए काफी मायने रखती है।

इसके बाद मुझे दर्शकों का ज्यादा प्यार मिला है। मेरे फैंस को ऐसा लगता है कि यह मेरे लिए एक अच्छा बदलाव है। मुझे भी यह बदलाव पसंद आ रहा है।

खून से लथपथ हालत में प्रियंका चोपड़ा को देख टेंशन में आए फैंस

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म द ब्लफ की शूटिंग में बिजी थीं, जो अब पूरी हो गई है। इस फिल्म में प्रियंका के साथ कार्ल अर्बन नजर आने वाले हैं। इस फिल्म के लिए प्रियंका के फैंस काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं और एक्ट्रेस सेट से बीटीएस फोटोज और वीडियो शेयर करके फैंस की एक्साइटमेंट को बढ़ाने का काम करती हैं। हाल ही में इस फिल्म के सेट से कुछ फोटोज और वीडियो सामने आए हैं, जिसमें प्रियंका चोपड़ा की हालत देख फैंस एक सेकंड के लिए हिल गए। आइए आपको दिखाते हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने सेट का दिखाया नजारा

प्रियंका चोपड़ा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म द ब्लफ के सेट से कुछ फोटोज और एक वीडिय शेयर किया है। फोटोज में प्रियंका खून में लथपथ नजर आ रही हैं। पहली फोटो में प्रियंका चेहरा साइड से दिख रहा है, जिसमें चेहरे पर खून साफ दिख रहा है।

दूसरी फोटो आगे से ली गई है, जिसमें प्रियंका के चेहरे पर लगी चोट भी दिख रही है और नाक से बह रहा खून भी नजर आ रहा है। तीसरी फोटो में एक्ट्रेस के गंदे हाथ दिख रहे हैं। इन तीनों फोटोज को देखकर फैंस एक सेंकड के लिए काफी टेंशन में आ गए थे, लेकिन अगले वीडियो ने फैंस को शांत कर दिया। वीडियो वैनेटी वैन का है, जिसमें प्रियंका मेकअप करवाती दिख रही हैं। इस वीडियो में प्रियंका का फिल्म के क्रू मेंबर संग उनकी बॉन्डिंग भी साफ दिखी है। आगे फोटो में सेट का हाल दिखाया है।

समुद्री डाकू बनेंगी प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका ने कैप्शन में लिखा, 'TheBluff के सेट पर खूनी मजेदार समय', यह दिखाती है कि वो शूटिंग के अंतिम फेज में हैं।' एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि उनके चेहरे प र लगा खून पूरी तरह से नकली है। प्रियंका का ये अंदाज देख फैंस अब उनकी तारीफ कर रहे हैं। कई फैंस ने एक्ट्रेस को बहादुर बताया है तो कुछ ने उन्हें मेहनती बताया है। बता दें कि द ब्लफ 19वीं सदी की कहानी पर आधारित फिल्म है, जिसमें महिला समुद्री डाकू के आसपास पर खुलकर बात होगी। प्रियंका समुद्री डाकू ही बनी हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। फूल देकर अपने प्यार का इज़हार करें। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। यह दिन शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक रहेगा। दिन के पहले भाग में ख़ुद को थोड़ा अलसाहट भरा महसूस कर सकते हैं, लेकिन अगर आप घर से बाहर निकलने की हिम्मत जुटाएँ तो काफ़ी काम किया जा सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अपने परिवार को बताकर और अपने कामों से जताकर महसूस कराते रहें कि आप उनकी कितनी परवाह करते हैं। इससे उन्हें ख़ुशी मिलेगी और इस ख़ुशी को दोगुना करने के लिए उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएं। आप आज प्रेमपूर्ण मनोभाव में होंगे, इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशगुमा पल लेकर आएगा। अपने अतिरिक्त धन को सुरक्षित जगह पर रखिए, जो आने वाले वक़्त में आप फिर पा सकें। आपके माता-पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। आज का दिन रोमांस से भरपूर होने की पूरी संभावना है। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी। मुमकिन है कि आपके माता-पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा। अपने घर से बाहर निकलते समय अपने ज़रूरी सामान को एक बार ज़रूर देख लें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज ख़ास दिन है,आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। रिश्तेदारों के यहां छोटी यात्रा आपके भागदौड़ भरे दिन में आराम और सुकून देने वाली साबित होगी। आपका महबूब आज आपको बड़ी ख़ूबसूरती से कुछ ख़ास करके चौंका सकता है। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं। जो बात सच्ची होती हैं उन्हें कहने में आपके शब्द भी कम जाया होते हैं ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आपके मानसिक तनाव को कम करने में दवा की तरह असरदार साबित होगी। यदि आपको व्यस्त दिनचर्या के बाद भी अपने लिए समय मिल पा रहा है तो आपको इस समय का सदुपयोग करना सीखना चाहिए। ऐसा करके अपने भविष्य को आप सुधार सकते हैं। संभावना है कि आपके और आपके जीवनसाथी के बीच तनाव और बढ़ सकता है। इससे बचाव न करने की स्थिति में इसके दूरगामी परिणाम अच्छे नहीं होंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीज़ों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। आपको आज ही अपने प्रिय को दिल की बात बताने की ज़रूरत है, क्योंकि कल बहुत देर हो जाएगी। अपने समय की कीमत समझें, उन लोगों के बीच रहना जिनकी बातें आपके समझ में नहीं आती हैं गलत है। ऐसा करना भविष्य में आपको परेशानियों के अलावा कुछ नहीं देगा। आप अपने वैवाहिक जीवन की सारी ख़राब यादें भूल जाएंगे और आज का भरपूर लुत्फ़ लेंगे। ठंडा पानी पीना आज आपके स्वास्थ्य को ख़राब कर सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज कोई लेनदार आपके दरवाजे पर आ सकता है और आपसे पैसे उधार मांग सकता है। उन्हें पैसे लौटाकर आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। आपको सलाह दी जाती है कि उधार लेने से बचें। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज आप अपने प्रिय से अपने जज़्बात का इज़हार करने में मुश्किल महसूस करेंगे। ज़रूरतमंदों की मदद करने की आपकी ख़ासियत आपको सम्मान दिलाएगी। काम को करने से पहले ही उसके बारे में अच्छा बुरा न सोचें, बल्कि खुद को एकाग्र करने की कोशिश करें इससे सारे काम अच्छी तरह हो पाएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएँ। किसी ऐसे के साथ परस्पर संवाद की कमी जिसका आपको बहुत ख़याल है, आपको तनाव दे सकती है। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है। बिना किसी का साथ पाये भी आजके दिन का आप भरपूर आनंद उठा पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। शाम को दोस्तों के साथ घूमें-फिरें, क्योंकि यह आपके लिए इस वक़्त बहुत ज़रूरी है। सावधान रहें, क्योंकि प्यार में पड़ना आज के दिन आपके लिए दूसरी कठिनाइयां खड़ी कर सकता है। आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियों में जाएगा। सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। परिवार के साथ मिलकर किसी ज़रूरी फ़ैसले को अन्तिम रूप दिया जा सकता है। ऐसा करने के लिए यही सही वक़्त भी है। आगे चलकर यह निर्णय काफ़ी लाभदायक साबित होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के दिन निवेश करने से बचना चाहिए। आपको समझना चाहिए कि यह केवल समय की बर्बादी है और इससे कुछ हासिल नहीं होता है। बेहतर रहेगा कि आप अपनी यह आदत बदल दें। रोमांस के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन नहीं है,समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें। मुमकिन है कि आपका जीवनसाथी आज आपके लिए पर्याप्त समय न निकाल पाए। आज का दिन किसी भी धार्मिक स्थल के लिए समर्पित करना अपनी मानसिक शांति बनाए रखने का सर्वश्रेष्ठ साधन हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके तनाव और परेशानी की एक बड़ी वजह बचपन की मासूमियत को जीने की चाह है, इसलिए खुलकर जिएँ। जिन लोगों ने किसी अनजान शख़्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। घर के माहौल की वजह से आप उदास हो सकते हैं। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा। आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा। आपके पिता आज आपके लिए कोई तोहफ़ा ला सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

एक आध्यात्मिक व्यक्ति आशीर्वाद की वर्षा करेगा और मन की शांति लेकर आएगा। हालाँकि धन आपकी मुट्ठियों से आसानी से सरक जाएगा, लेकिन आपके अच्छे सितारे तंगी नहीं आने देंगे। आज आपको दूसरों की ज़रूरतों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। हालाँकि बच्चों को ज़्यादा छूट देना आपके लिए समस्या खड़ी कर सकता है। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। जीवन में सरलता तभी रहती है जब आपका व्यवहार सरल रहता है। आपको भी अपने व्यवहार में सरलता लाने की जरुरत है।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 06 अगस्त 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वितीया रात्रि 07:53 तक
नक्षत्र : मघा सायं 05:44 तक
योग : वरियान प्रात: 10:59 तक
करण : बालव प्रात: 06:56 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:46 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 06:44 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:38 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:49 , सूर्यास्त 06:37 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : चन्द्रदर्शन , सिंधारा , स्वामी करपात्रीजी जयंती , मंगलागौरी पूजन , गण्डमूल सायं 05:44 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान विधानसभा में जोरदार हंगामा कांग्रेस विधायक मुकेश भाकर निलंबित

जयपुर, 05 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र में सोमवार को जोरदार हंगामा हुआ और कांग्रेस विधायक मुकेश भाकर को इस सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया और हंगामा बढने से सदन की कार्यवाही दो बार स्थगित होने के बाद मंगलवार पूर्वाह्न ग्यारह बजे तक स्थगित कर दी गई।

सदन में विधायकों के अनुभवों एवं नवाचारों पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भोजनावकाश के बाद लोक अभियोजकों की नियुक्ति का मुद्दा उठाते हुए इस पर सरकार से जवाब दिए जाने की मांग की। इस दौरान सत्ता एवं विपक्ष के सदस्यों के बीच नोंकझोंक हो गई और सदन में जोरदार हंगामा हुआ। इस दौरान विपक्ष के सदस्य वेल में आ गये और नारेबाज़ी करने लगे। इस इस दौरान विधायक मुकेश भाकर जब नारेबाजी कर रहे थे तब अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने टोका कि वह इस तरह आसन की तरफ उंगली नहीं दिखा सकते। उन्होंने श्री भाकर के खिलाफ प्रस्ताव लाने के लिए कहते हुए कहा कि सदन में इस तरह का बर्ताव बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

इसके बाद सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने श्री भाकर के निलंबन का प्रस्ताव पेश किया और इसके पारित होने के बाद श्री देवनानी ने श्री भाकर को सदन से बाहर निकालने का आदेश दिया। जब मार्शल श्री भाकर को बाहर निकालने लगे तो विपक्ष के सदस्यों ने घेरा बना लिया। इसके बाद सदन की कार्यवाही आधा घंटे के लिए स्थगित कर दी गई। आधा घंटे बाद सदन की कार्यवाही पुन: शुरु होने पर हंगामें के कारण फिर आधा घंटे के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी।

सदन की कार्यवाही जब तीसरी बार शुरु होने पर सभापति संदीप शर्मा ने श्री भाकर को बाहर जाने के लिए कहा और उनके बाहर नहीं जाने पर जब मार्शल उनको सदन के बाहर निकालने के लिए आगे बढे तो कांग्रेस सदस्यों ने श्री भाकर का बचाव करते हुए मार्शल की कार्रवाई का विरोध किया। इस दौरान विपक्ष के सदस्यों एवं मार्शलों के बीच खींचतान से जोरदार हंगामा हुआ और सभापति ने सदन की कार्यवाही मंगलवार पूर्वाह्न ग्यारह बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

इसके बाद सदन के बाहर कांग्रेस की महिला विधायकों ने मीडिया से बात करते हुए आरोप लगाया कि उनके साथ सदन में अच्छा व्यवहार नहीं किया गया जिससे उनकी चूड़ियां तक टूट गई। श्री जूली ने भी मीडिया से कहा कि आज सरकार के सामने संवैधानिक संकट हैं सरकार ने पीपी और एपीपी की नियुक्ति पुराने कानून सीआरपीसी के तहत की है और अब देश में सीआरपीसी की जगह गत एक जुलाई से नए आपराधिक कानून लागू हो चुके हैं। ऐसे में यह नियुक्तियां शून्य हो जाती है। उन्होंने कहा कि हमने आसन से यह मांग की थी कि इस पर सरकार का जवाब आ जाना चाहिए लेकिन सरकार इस पर कोई जवाब नहीं देना चाहती। सत्ता पक्ष के लोग हमें उकसाते हैं, जिससे गतिरोध उत्पन्न हो जाता है। उन्होंने श्री भाकर को सदन के बाहर निकाले जाने को निंदनीय बताया।

नायब सैनी कैबिनेट की बैठक में 20 प्रस्तावों को मंजूरी

एमएसपी पर होगी फसलों की खरीद अबियाने के 140 करोड़ रुपए माफ

चंडीगढ़, 05 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में सोमवार कैबिनेट की बैठक हुई। कैबिनेट की बैठक के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एक बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि कैबिनेट की बैठक में कुल 21 एजेंडे रखे गए थे। इनमें से 20 एजेंडों पर कैबिनेट ने अपनी स्वीकृति दी है। कैबिनेट ने फसलों को एमएसपी पर खरीद के संबंध में प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसके अलावा रागी, सोयाबीन, काला सीड, जूट, खोपरा, मूंग, नाइजरसीड, सूरजमुखी, जौ, मक्का और ज्वार की खरीद को एमएसपी पर मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पड़ोसी राज्यों की सरकारों से भी अपील की है कि किसानों के हित में आगे आकर फसलों की खरीद एमएसपी पर करें। कैबिनेट ने राज्य में आबियाना को खत्म करने की मंजूरी दी है। इस फैसले के अनुसार एक अप्रैल 2024 से किसानों से आबियाना नहीं लिया जाएगा। आबियाना का पिछला बकाया लगभग 140 करोड़ रुपये भी माफ कर दिया गया है। हरियाणा राज्य में पिछड़े वर्गों के व्यक्तियों को क्रीमीलेयर से बाहर रखने संबंधी मानदंडों के प्रस्ताव को एक्स पोस्ट फेक्टो को स्वीकृति दी गई है।

मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट को स्वीकार किया गया है। हरियाणा धोलीदार, बूटीमार, भोंडेदार एवं मुकररीदार (स्वामित्व अधिकारों का निहित होना) नियम, 2011 में संशोधन को मंजूरी दी गई है। संशोधन के बाद, धोलीदार, बूटीमार, भोंडेदार एवं मुकररीदार या उनके हित-उत्तराधिकारी, जिनका 20 वर्ष की समय सीमा पूरी हो गई है, वे अब मालिकाना हक के लिए कभी भी आवेदन कर सकते हैं।

कैबिनेट में मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना में संशोधन को मंजूरी दी गई है। शहरी आवास योजना के तहत प्लॉट लेने वाले आवेदकों को किस्त देने में आसानी होगी। मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना विस्तार को भी कैबिनेट ने मंजूरी दी है। बैठक में हरियाणा गुरुद्वारा चुनाव आयोग के चेयरमैन पद के चयन का भी प्रस्ताव रखा जाएगा। मौजूदा समय में आयोग का चेयरमैन हाईकोर्ट का रिटायर्ड जस्टिस हो सकता है। सरकार का प्रस्ताव है कि एक तो इसमें 65 साल आयु की शर्त हटाई जा सकती है, दूसरा सेवानिवृत जिला सेशन जज, दस साल से जज या वरिष्ठ वकील भी इस पद के लिए योग्य होगा। सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारियों की पेंशन और फैमिली पेंशन बढ़ाने का प्रस्ताव भी है।

सोशल मीडिया पर झूठी अफवाह फैलाने वाले होंगे चिन्हित: गर्ग

सिरसा, 05 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के पुलिस जिला डबवाली के गांव जगमालवाली डेरे में उत्पन्न हुए विवाद को लेकर तथा संभावित स्थिति से निपटने के लिए जिला पुलिस डबवाली पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है।

डबवाली की पुलिस अधीक्षक दीप्ति गर्ग ने सभी पुलिस अधिकारियों तथा थाना प्रभारियों को विशेष सावधानी व सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। वहीं पुलिस प्रशासन की ओर से आमजन से अपील है कि समाज के सभी लोग किसी भी अफवाह व बहकावे में न आएं तथा आपसी भाईचारे को बनाए रखें और समाज में सौहार्दपूर्ण वातावरण को पूरी तरह कायम

रखने में तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें।

सुश्री गर्ग ने बताया कि कुछ शरारती किस्म के लोग व्हाट्सएप,ट्विटर,फेसबुक जैसी सोशल मीडिया साइट पर आमजन को गुमराह कर रहे है जिनकी पुलिस ने पहचान कर ली है इसलिए ऐसे लोगों से सावधान रहें। पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को यह भी निर्देश दिए गए है कि अपने-अपने क्षेत्रों में असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखें तथा आमजन के साथ बेहतर तालमेल बनाकर रखें। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर इस संबंध में फर्जी खबरें डालकर व अफवाहें फैला कर समाज का माहौल खराब करने वालों के साथ पुलिस सख्ती से निपटेगी तथा उन्हें भी जेल जाना पड़ सकता है। सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाहें फैला कर समाज में भ्रम, घृणा,दहशत और दुश्मनी फैलाने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस अधीक्षक डबवाली ने इस अवसर पर आमजन से आपसी भाईचारा बनाए रखने तथा कानून व्यवस्था कायम रखने में पुलिस प्रशासन को सहयोग देने की अपील की है।

हरियाणा की रीना ने लेनिन पर फहराया तिरंगा

हिसार, 05 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा में हिसार जिला के श्यामलाल बाग की पर्वतारोही रीना भट्टी ने किर्गिस्तान की सबसे ऊंची चोटी माउंट लेनिन को फतह कर देश का तिरंगा फहराया है।

माउंट एवरेस्ट को फतह कर चुकी रीना भट्टी 14 जुलाई को हिसार से रवाना हुई थी और 26 जुलाई को पूर्वाह्न 10.36 बजे चोटी फतह कर देश का तिरंगा फहराया। रीना गत दिवस ही घर लौटी है। रीना भट्टी ने दावा किया है कि किर्गिस्तान की सबसे ऊंची चोटी फतह करने वाली वह पहली भारतीय महिला है। इस चोटी की ऊंचाई 7134 मीटर है। उन्होंने कहा कि इस पर करीब साढ़े तीन लाख रुपये खर्च हुए हैं।

गौरतलब है कि रीना कई चोटियों को फतह कर चुकी हैं। इनमें माउंट एवरेस्ट के अलावा माउंट एवरेस्ट, माउंट ल्होत्से, माउंट नन, अमा डबलम, आइलैंड पिक, माउंट काला पत्थर, फ्रेंडशिप पिक, माउंट एलब्रुस, माउंट कांग यात्से, माउंट किलिमंजारों के अलावा अन्य चोटियां शामिल हैं। रीना भट्टी ने अपने अनुभव साझा करते हुये कहा कि इस अभियान में आठ सदस्य शामिल रहे। जब चोटी को फतह करने पहुंचे तो 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चल रही थी। मगर किसी ने हौसला नहीं तोड़ा और चोटी फतह करने में कामयाबी मिली। रीना ने बताया कि 14 जुलाई को वह हिसार से रवाना हुए थे। सत्रह जुलाई को बेस कैंप पहुंचे और 26 जुलाई को चोटी फतह की। रीना का कहना है कि इस बार वह अपने साथ खाने और टेंट का सामान साथ लेकर गये थे।

जीएसटी भारत का अब तक का सबसे बड़ा कर सुधार है, इसे और तर्कसंगत बनाया जाए : जैन

जयपुर, 05 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में राजस्थान चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (आरसीसीआई) के अध्यक्ष डॉ. के. एल. जैन ने कहा है कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) भारत का अब तक का सबसे बड़ा कर सुधार है, इसे तर्कसंगत बनाया जाना चाहिये।

श्री जैन ने सोमवार को यहां जीएसटी की समस्याओं एवं उनके प्रस्तावित समाधान पर आयोजित संवाद सत्र में सम्बोधित करते हुये कहा कि जीएसटी से व्यापारियों को पुरानी कर प्रणाली की अपेक्षा काफी लाभ हुआ है। एक राष्ट्र एक कर की अवधारणा साकार हुई है। उन्होंने कहा कि जीएसटी की दरों को तर्कसंगत बनाते हुये चार के स्थान पर तीन कर स्लैब करके पांच प्रतिशत, 15 प्रतिशत और 40 प्रतिशत रखी जानी चाहिये। पेट्रोल एवं डीजल को भी जीएसटी के दायरे में लाया जाना चाहिये। श्री जैन ने कहा कि जीवन बीमा प्रीमियम या मेडिक्लेम पर लगने वाले टैक्स को समाप्त किया जाना चाहिये।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के विशेष सचिव शशांक प्रिया ने कहा कि केन्द्र सरकार धीरे-धीरे जीएसटी को व्यापारियों के हितों के लिये सरलीकृत करने जा रही है। 328 वस्तुओं को जीएसटी की सबसे कम दर के अंदर रखकर आमजन को राहत प्रदान की गयी है।

उन्होंने बताया कि विवाद निवारण के लिये गठित केन्द्रीय जीएसटी काउंसिल शीघ्र ही कार्य करना आरंभ कर देगी। वर्ष 2017-21 तक जो रिटर्न फाइल की गयी है, उनमें त्रुटि सुधार के लिये प्रावधान किये गये हैं, जिसमें अन्य रियायतों के साथ इनपुट टेक्स क्रेडिट भी मिल जायेगी। श्री प्रिया ने बताया कि पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने के लिये केन्द्र के साथ साथ राज्यों से भी विचार विमर्श चल रहा है क्योंकि इससे राज्यों का राजस्व प्रभावित होता है। रिफंड प्रदान करने के नियमों में भी बदलाव किया गया है, अब मात्र 30 दिनों में रिफंड दिया जाता है।

डॉक्टर दंपत्ति के घर लाखों की लूट के मामले में तीन और आरोपी गिरफ्तार

बारां, 05 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के बारां में कोतवाली थाना क्षेत्र में पुलिस ने बुजुर्ग डॉक्टर दम्पति के घर लाखों की लूट के मामले में फरार तीन और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने बताया कि डॉक्टर दम्पति से लूट के मामले में फरार तीन और आरोपियों को रविवार रात गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आज अपराह्न गिरफ्तार आरोपियों की शहर में परेड निकाली। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान भरत गोस्वामी (35) निवासी बूंदी गैण्डोली थाना क्षेत्र के करवाला की झोपड़ियां गांव हाल मुकाम कापरेन, रणजीत गोस्वामी (29) निवासी केशवरायपाटन के इसारदा हाल मुकाम सुल्तानपुर एवं रुपचन्द नायक (35) निवासी हनुवंतखेड़ा के रूप में हुई। गौरतलब है कि दो आरोपी दिनेश गोस्वामी और अजय बैरवा को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था जो फिलहाल रिमांड पर हैं। इनके कब्जे से दो लाख 68 हजार की राशि बरामद की है। वारदात में शामिल एक अन्य आरोपी इटावा (कोटा) निवासी राजवीर फरार है।

जेल में कैदियों को गांजा पहुंचाते लैब टेक्नीशियन गिरफ्तार

अलवर, 05 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर में केंद्रीय जेल में कैदियों को गांजा ,बीड़ी, गुटका और मोबाइल पहुंचाते हुए जेल की डिस्पेंसरी में ही कार्यरत एक लैब टेक्नीशियन को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार जेल के सुरक्षा गार्ड्स ने डिस्पेंसरी में कार्यरत लैब टेक्नीशियन अलवर के बुद्ध विहार निवासी मनीष यादव पर शक हुआ और बैग की तलाशी ली तो बैग में कैदियों को सप्लाई करने के लिए ले गए मोबाइल , गांजा,बीड़ी के बंडल बरामद किए गए। उसके कब्जे से तीन मोबाइल, 16 पुड़िया में 64 ग्राम गांजा, 83 बीड़ी के बंडल गुटका जर्दा तंबाकू के बंडल बरामद किए गए। जेल प्रहरियों ने कोतवाली थाना पुलिस को बुलाकर लैब टेक्नीशियन मनीष पुत्र किशन कुमार यादव को पुलिस के हवाले कर दिया।

कार्यवाहक जेल अधीक्षक रूप किशोर शर्मा ने बताया कि जब लैब टेक्नीशियन मनीष यादव जेल पहुंचा तो उनके बैग में प्रतिबंधित सामग्री होने का शक हुआ और उसकी जांच की गई तो उसमें काफी कुछ प्रतिबंधित सामान बरामद किया गया। प्रारंभिक पूछताछ में ये बात सामने आई कि लैब टेक्नीशियन मनीष यादव कैदियों को सप्लाई करने के लिए प्रतिबंधित सामान लेकर आया था। जेलर रविंद्र उपाध्याय ने इस संबंध में मनीष के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है।

हरियाणा एमएसपी पर सभी फसलें खरीदने वाला देश का पहला राज्य

चंडीगढ़, 05 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल कौशिक ने सोमवार को कहा कि हरियाणा न्यूनतम समर्थन मूल्य(एमएसपी) पर सभी फसलों को खरीदने वाला देश का पहला राज्य बन गया है ।

श्री कौशिक ने जनआशीर्वाद संपर्क अभियान के तहत जींद में पत्रकारों को संबोधित करते हुये कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कुरूक्षेत्र से किसानों को जो सौगातें दी हैं, उनसे किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ही ऐसी पार्टी है जो सभी वर्गों को साथ लेकर चलती है और सभी का समान रूप से विकास करती है। उन्होंने कांग्रेस को घेरते हुये उसे गरीबों का शोषण करने वाली पार्टी बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समय अराजकता का माहौल था। उन्होंने कहा कि पार्टी श्री सैनी के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव लड़ेगी। सैनी की लोकप्रियता और हरियाणा की जनता ने जिस प्रकार से उन्हें स्वीकार किया है इससे स्पष्ट हो गया है कि तीसरी बार भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा चुनाव में समय से ही अपने उम्मीदवारों के नामों की भी घोषणा कर देगी।

गोपालगंज में गंडक नदी में पानी कम होने पर तेजी से हो रहा कटाव

बाढ़ नियंत्रण विभाग बचाव कार्य में जुटा

गोपालगंज (एजेंसियां)।

नेपाल से निकलकर बाल्मिकिनगर बैराज के रास्ते गोपालगंज से होकर बहने वाली गंडक नदी के जलस्तर में तेजी से हो रहे बदलाव के कारण कटाव का खतरा बढ़ने लगा है। पिछले एक सप्ताह से गंडक के जलस्तर में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। कुचायकोट प्रखंड के विश्वंभरपुर गांव के पास जलस्तर कम होते ही गंडक की धारा तेज हो गई है। इसके कारण नदी ने अपनी दिशा बदलकर कटाव करना शुरू कर दिया है, जिससे दियारावासी भयभीत हैं।

हालांकि जल संसाधन और बाढ़ नियंत्रण विभाग द्वारा कटाव रोधी कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। कुल 500 मीटर के दायरे

में हाथी पाव, नायलेन क्रेट, ट्री ब्रांच के कार्य किए जा रहे है। ताकि गंडक नदी की तेज धारा किसानों के खेतों पर दबाव न दे, जिससे कटाव से बचा जा सके। कटाव रोधी कार्य में दर्जनों मजदूर लगातार कार्य में जुटे हुए हैं। गंडक नदी की धारा कुछ मुड़ गई है। इसे लेकर एहतियातन सुरक्षात्मक कार्य किए जा रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक, मुख्य अभियंता संजय कुमार के नेतृत्व में जियो बैग के साथ-साथ हाथी पांव डालकर बचाव कार्य में टीम जुटी हुई है। लेकिन लोग इसे नाकाफी मान कर बोल्डर पिचिंग करवाने की मांग कर रहे हैं। मुख्य अभियंता ने बताया कि पानी का बहाव तेज है और नदी ने यू-टर्न लेते हुए कटोरा नुमा आकार ले लिया है, जिससे कटाव तेज हो गया है।

गौरतलब है कि पिछले महीने बाल्मिकिनगर बैराज से गंडक नदी में छोड़े गए भारी मात्रा में पानी के बाद जिले में गंडक नदी का जलस्तर काफी उफान पर हो गया था। इससे दियारा इलाका जलमग्न हो गया था। किसानों की फसलें डूब गई थी, जिसके कारण दियारावासियों की मुश्किलें बढ़ गई थी। लेकिन धीरे-धीरे नदी का जलस्तर कम होने लगा, इसके बावजूद दियारावासियों की मुश्किलें कम नहीं हुई। पहले बाढ़ और अब कटाव के भय से दियारावासी डरे और सहमे हुए हैं। किसानों को यह चिंता सता रही है कि कहीं गंडक नदी की धारा उल्टी दिशा में मुड़ कर फसलों को काट कर नदी में न मिला दे। फिलहाल जल संसाधन विभाग की पूरी टीम काफी मुस्तैदी से लगी हुई है।

रोहतास में सोन नदी के बीच टीले पर फंसे 15 से अधिक पशुपालक

बचाव कार्य में जुटी पटना एसडीआरएफ टीम

रोहतास (एजेंसियां)।

रोहतास जिले के चुटिया थानाक्षेत्र निवासी 15 से अधिक पशुपालक सोन नदी के बीच स्थित टीले पर फ्रंस गए। वहां से उन्हें निकालने के लिए एसडीआरएफ की टीम लगाई गई है। बताया जा रहा है कि मध्य प्रदेश और झारखंड से अत्यधिक मात्रा में अचानक पानी आने से सोन नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया है। इससे रोहतास के सोन तटीय इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है।

जानकारी के मुताबिक, झारखंड के गढ़वा जिले के केतार के लोहरगाडा के पास ज्यादातर लोग फंसे हैं। उनमें बिहार के रोहतास जिले के चुटिया के अलावा झारखंड के गढ़वा के केतार के भी कुछ लोग शामिल हैं। बताया

जा रहा है कि 40 लोग फंसे थे, उनमें से लगभग सभी लोगों को रोहतास की ओर निकला जा रहा है। अभी भी तीन या चार लोगों के फंसे होने की सूचना है। बताया जा रहा है कि वहां पर कई मवेशी भी फंसे हुए हैं। लेकिन आदमी को निकालने के बाद मवेशियों के निकालने की भी कवायद होगी। एसडीआरएफ की टीम लगाई गई है।

लोगों का कहना है कि मवेशी को चारा देने और थोड़ा बहुत खेती करने के उद्देश्य से लोग सोन नदी के बीच के टीले पर चले जाते हैं। लेकिन अचानक सोन नदी में बाढ़ आ जाने के कारण यह दिक्कत हुई है। वहीं, जिला प्रशासन द्वारा माइक से घोषणा कर सोन नदी के किनारे रहने वाले लोगों को अलर्ट किया जा रहा है। वहीं, सोन नदी में मछुआरों और पशुपालकों को न जाने की अपील की जा रही है।

भीषण सड़क हादसे में चार युवकों की मौत

तीसरी सोमवारी पर जल भरने गंगा घाट जा रहे थे

पटना (एजेंसियां)।

कटिहार में भीषण सड़क हादसा हुआ है। मनिहारी थाना क्षेत्र के कुमारीपुर कजरा के समीप दो बाइकों की सीधी भिड़ंत में चार युवकों की दर्दनाक मौत हो गयी। चारों युवक दो बाइकों पर सवार होकर सावन की तीसरी सोमवारी को मनिहारी घाट गंगास्नान कर जल भरने गए थे।

इसी दौरान हादसा हुआ। इसमें मौके पर ही दो युवकों ने दम तोड़ दिया। वहीं दो की मौत अस्पताल में हुई।

घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई। पुलिस ने चारों लोगों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मरने वालों में एक बाइक पर सवार कटिहार के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के उदामारहिका के रहने वाले थे। वहीं दूसरी बाइक पर सवार दो अन्य युवक पूर्णिया के सरसी इलाके के रहने वाले थे।

परिजन राजू कुमार ने बताया कि यह हादसा उस समय हुआ जब बाइक सवार चारों युवक तड़के सुबह मनिहारी गंगाघाट जा रहे थे। अचानक अनियंत्रित होकर दोनों बाइक एक दूसरे से टकरा गई।

हादसा इतना भीषण था कि दो लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। आननफानन में दो अन्य को इलाज के मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, यहां दोनों की मौत हो गयी ।

हाजीपुर कांड में मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख देगी सरकार, सीएम नीतीश कुमार ने जताई संवेदना

पटना (एजेंसियां)।

वैशाली (हाजीपुर) के औद्योगिक थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव में रविवार देर रात हाईटेंशन तार की चपेट में आने से नौ कावंरियों की मौत हो गई थी। अब बिहार सरकार ने इस हादसे में मरने वालों के परिजनों को चार-चार रुपये की अनुग्रह अनुदान राशि देने का एलान किया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दुर्घटना काफी दुःखद है और मैं इस घटना से मर्माहत हूं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मृतकों के परिजनों को दुःख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने के शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर नॉर्थ बिहार पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये का अनुग्रह अनुदान भुगतान कर दिया गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि सुल्तानपुर के लोग एकसाथ डीजे बजाते हुए सोनपुर के पहलेजा घाट जल उठाने के लिए जा रहे थे। सभी लोग डीजे के संगीत पर झूमते नाचते जा रहे थे। तभी अचानक डीजे 11 हजार के बिजली के सम्पर्क में आ गया। इसमें नौ लोग बुरी तरह से झुलस गए। आठ की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। एक ने कुछ देर बाद दम तोड़ दिया। बाकी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। हाजीपुर के सदर एसडीपीओ ओमप्रकाश ने कहा कि कांवरिया डीजे पर जा रहे थे। डीजे गाड़ी बहुत ऊंची थी। डीजे हाइटेंशन तार के संपर्क में आ गया। इसी कारण हादसा हुआ।

वैशाली में भीषण सड़क हादसा, सात कांवरियों की हालत गंभीर

अनियंत्रित होकर बाइक एक-दूसरे से आपस में टकरा गई

एक को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया

पटना (एजेंसियां)।

वैशाली जिले के हाजीपुर मुजफ्फरपुर मुख्य मार्ग एकारा पुल पर अनियंत्रित तीन बाइक आपस में टकराने से सात कांवरिया गंभीर रूप से घायल हो गए। रास्ते से गुजर रहे कांवरियों ने घटना

की जानकारी तुरंत स्थानीय काजीपुर थाना के पुलिस पदाधिकारी को दी। घटना की जानकारी मिलते ही काजीपुर थाना की पुलिस एवं डायल 112 की पुलिस पदाधिकारी मौके पर पहुंचकर घायल कांवरिया को इलाज के लिए सदर अस्पताल भर्ती कराया। डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए एक कांवरिया को पीएमसीएच पटना रेफर कर दिया। वहीं एक कांवरिया की हालत गंभीर है।

मौजूद पुलिस कर्मियों ने बताया कि घटना की जानकारी मिली कि आपस में बाइक टकराने से कई कांवरिया घायल हो गया है। मौके पर पहुंचकर सभी को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। मिली जानकारी के अनुसार, सोनपुर के पहलेजा घाट से सभी कांवरिया जल लेकर बाबा गरीब नाथ स्थान मुजफ्फरपुर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में एकारा पुल पर अनियंत्रित होकर बाइक एक-दूसरे से आपस में टकरा गई। इसमें सात कांवरिया घायल हो गए।

घायलों में हरिशंकर राय के पुत्र राजा कुमार को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया। अमरजीत शाह के पुत्र सनी कुमार धर्मेंद्र कुमार शाह के पुत्र दिव्यांशु कुमार एवं कुलदीप राय का पुत्र विपिन कुमार का सदर अस्पताल में डॉक्टर द्वारा इलाज किया जा रहा है। इधर, सूचना मिलते ही परिवार वाले भी हाजीपुर सदर अस्पातल पहुंचे। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए और पुलिस और स्थानीय लोगों के सहयोग से सभी को अस्पताल तक पहुंचाया गया। काजीपुर थानेदार रूपेश कुमार ने कहा कि आपस में मोटरसाइकिल टकराने से सभी घायल हुए हैं। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है।

गंदेरबल में बादल फटा, भूस्खलन के कारण श्रीनगर-लद्दाख राजमार्ग बंद

श्रीनगर (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर के गंदेरबल जिले में रविवार को बादल फटने के कारण हुए भूस्खलन की वजह से रणनीतिक श्रीनगर-लद्दाख राजमार्ग पर वाहनों का आवागमन बंद कर दिया गया।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी और बताया कि इससे धान के खेतों को भी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने बताया कि कावचेरवान कंगन इलाके में बादल फटने से भूस्खलन हुआ, जिससे श्रीनगर-लद्दाख राजमार्ग पर वाहनों का आवागमन बंद हो गया। साथ ही धान के खेतों को भी नुकसान पहुंचा। मलबे में कई वाहन फंस

गये और पानी के कारण घर जलमग्न हो गये, जिससे संपत्ति को नुकसान पहुंचा। उन्होंने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

पडवबल के पास सड़क पर एक नहर ओवरफ्लो हो गयी, जिससे सड़क पर काफी कीचड़ जमा हो गया है। जम्मू-कश्मीर यातायात पुलिस ने एक्स पर पोस्ट पर कहा, कावचेरवान कंगन इलाके में बादल फटने के कारण श्रीनगर करगिल मार्ग अवरुद्ध हो गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बादल फटने की घटनाओं से कंगन इलाके के कई गांव बुरी तरह प्रभावित हुए हैं, जिससे सड़कों, घरों और फसलों को व्यापक नुकसान पहुंचा है। उन्होंने बताया कि कावचेरवान, चेरवा और पडवबल गांवों में बादल फटने की घटनाएं हुईं, जिससे भूस्खलन हुआ। इसके कारण श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हो गया, साथ ही धान के खेतों, सड़कों और घरों को भी भारी नुकसान पहुंचा। अधिकारियों ने राजमार्ग पर यातायात बहाल करने के लिए कावचरवान में सड़क साफ करने के लिए सेवा कर्मियों और उपकरणों को लगाया है।

मधेपुरा में महिला की हत्या

मधेपुरा (एजेंसियां)।

मधेपुरा के मुरलीगंज वार्ड 15 में एक महिला की उसके ससुरालवालों ने घरेलू विवाद में फांसी लगाकर हत्या कर दी। मृतका की पहचान मुरलीगंज नगर पंचायत के वार्ड-15 निवासी मिथिलेश कुमार की पत्नी पूनम देवी (22) के रूप में हुई है। महिला की मां ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी को सास द्वारा लगातार गाली-गलौज और धमकी दी जाती थी, जिसके कारण यह घटना घटी है।

मृतक महिला की मां ने बताया कि उनकी बेटी एक दिन पूर्व ही अपने मायके से ससुराल आई थी। सास द्वारा धमकी दी गई थी कि मार कर नहर में जला देंगे। रविवार की रात में उन्हें मारकर फांसी के फ्रंदे पर टांग कर मौत के घाट उतार दिया गया है।

शिवलिंग निर्माण के दौरान दीवार ढहने से नौ बच्चों की मौत, दो घायल

सागर (एजेंसियां)।

मध्यप्रदेश के सागर जिले के शाहपुर पुलिस चौकी क्षेत्र में आज सुबह शिवलिंग निर्माण और कथा के दौरान कच्चे मकान की जर्जर दीवार ढहने से नौ बच्चों की दबने से मौत हो गयी। वहीं, दो अन्य बच्चे घायल बताए गए हैं। सूचना मिलने पर पूर्व मंत्री एवं रहली विधायक गोपाल भार्गव मौके पर पहुंच गए।

जिला कलेक्टर दीपक आर्य ने बताया कि सुबह शाहपुर मे शिवलिंग निर्माण और कथा के दौरान श्रद्धालु एकत्रित हुए। इसमें बच्चे भी शामिल हुए। अचानक शिवलिंग निर्माण स्थल पर लगे टेंट पर दीवार ढह गयी, जिसमे

दिव्यांश साहू, आशुतोष प्रजापति, प्रिंस साहू, वंश लोधी, नीतेश पटेल, ध्रुव यादव, पर्व विश्वकर्मा, दिव्यजय साहू और हेमंत की मौत हो गयी। सभी बच्चों की उम्र लगभग दस से पंद्रह वर्ष है। दुर्घटना में सुमित प्रजापति और खुशी पटवा घायल बताए गए हैं, जिनका उपचार जिला चिकित्सालय सागर में चल रहा है।मृतकों के शव पोस्ट मार्टम के लिए जिला चिकित्सालय सागर रवाना कर दिए गए हैं। जिला और पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए और राहत और बचाव कार्य जारी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com